राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार, 14 मई 2026
वर्ष 07, अंक 218, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

गौरीगंज में बिना मान्यता संचालित विद्यालय पर प्रशासन की कार्रवाइ...02

मंदिर पर जड़ा ताला 45 एकड़ जमीन पर कब्जे और करोड़ों के गबन का आरोप...10

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव बेटे मौत, प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

» पूर्व मुयमंत्री मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में बुधवार सुबह मौत हो गई. अब उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आ गई है. रिपोर्ट में रिपोर्ट में प्रतीक यादव की कार्डियक अरेस्ट से मौत होने का दावा किया गया है. हालांकि डॉटरों ने आगे की जांच के लिए विसरा सुरक्षित रख लिया है. साथ ही हार्ट को भी रख लिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर दोबारा जांच की जा सके

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में आज सुबह मौत हो गई. इस खबर के बाद हड़कंप मच गया खुद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अस्पताल पहुंचे और प्रतीक यादव का पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों से बात की. अब प्रतीक की पीएम रिपोर्ट सामने आई है. रिपोर्ट में प्रतीक यादव की कार्डियक अरेस्ट से मौत होने का दावा किया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रतीक के शरीर पर खून का थक्का जमा हुआ था. शरीर के नीचे हिस्से से ऊपरी हिस्से में खून का थक्का गया, जिसके बाद धमनी और लंग्स में इंफेक्शन हुआ. इसके बाद कार्डियक अरेस्ट आया और उनकी मौत हो गई. हालांकि, मौत की असली वजह अब भी स्पष्ट नहीं हो सकी है. इसी कारण डॉक्टरों ने आगे की जांच के लिए विसरा सुरक्षित रख लिया है. साथ ही हार्ट को भी रख लिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर दोबारा जांच की जा सके।

तीन डॉक्टरों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम

सूत्रों के मुताबिक, प्रतीक यादव का पोस्टमार्टम किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के तीन डॉक्टरों के पैनल ने किया है. डॉक्टर मौसमी सिंह के नेतृत्व में हुई इस प्रक्रिया में फॉरेंसिक विशेषज्ञ डॉक्टर अनूप कुमार रायपुरिया और डॉक्टर फातिमा हर्षा भी शामिल रहे पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई. पीएम रिपोर्ट में शरीर पर चोट या संघर्ष के कोई निशान नहीं मिले हैं. डॉक्टरों ने चेस्ट का एक्स-रे भी कराया।

प्रतीक यादव देर रात बेडरूम में गिर गए थे

बताया जा रहा है कि प्रतीक यादव के जिम पार्टनर स्वप्नेश पांडेय ने बड़ा दावा किया कि प्रतीक यादव देर रात बेडरूम में गिर गए थे, जिससे सिर पर चोट लगी. जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद हर कोई पोस्टमार्टर रिपोर्ट का इंतजार कर रहा था. अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद प्रतीक की मौत के पीछे का कारण भी पता चल गया है. हालांकि अब विसरा रिपोर्ट आने के बाद पूरा सच सामने आ पाएगा.

अखिलेश यादव समेत पूरा परिवार प्रतीक के आवास पर मौजूद

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव प्रतीक के आवास पर पहुंचे हैं. सुबह से ही प्रतीक के आवास पर उनकी पत्नी अपर्णा यादव, सौतेले भाई अखिलेश यादव, भाभी डिंपल यादव, चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव, चाचा शिवपाल यादव पहुंचे हुए हैं इसके अलावा सीएम योगी और बीजेपी के अन्य नेता भी अपर्णा को ढांढस बंधाने के लिए उनके आवास पर पहुंचे हैं वहीं, प्रतीक यादव के अंतिम संस्कार को लेकर भी जानकारी सामने आई है कि उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को दोपहर को साढ़े बारह बजे पिपरा घाट पर होगा. इसके लिए तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

प्रतीक यादव की PM रिपोर्ट

1. 14 सेमी × 07 सेमी आकार की नील। बीच में लाल-भूरे रंग की और किनारों पर हरे-पीले रंग की. छाती के सामने, दाहिने निप्पल के ठीक नीचे और मध्य रेखा से 06 सेमी बगल में. चोट के नीचे खून जमना (इकाइमोसिस) मौजूद. 2. 19 सेमी × 12 सेमी आकार की नील। बीच में लाल-भूरे रंग की और किनारों पर हरे-पीले रंग की. दाहिने हाथ के पीछे-भीतरी हिस्से पर, दाहिने बगल के ठीक नीचे. चोट के नीचे खून जमना मौजूद।

3. 24 सेमी × 08 सेमी आकार की नील. बीच में लाल-भूरे रंग की और किनारों पर हरे-पीले रंग की. दाहिने हाथ की कलाई के भीतरी हिस्से पर, कोहनी से कलाई के जोड़ तक फैली हुई. चोट के नीचे खून जमना मौजूद. 4. 6 सेमी × 04 सेमी आकार की नील. लाल रंग की. दाहिने हाथ की कलाई के भीतरी हिस्से पर, दाहिनी कोहनी के जोड़ से 15 सेमी नीचे. चोट के नीचे खून जमना मौजूद. 5.12 सेमी × 06 सेमी आकार की नील. लाल रंग की. दाहिनी कोहनी के जोड़ के पीछे-बाहरी हिस्से पर. चोट के नीचे खून जमना मौजूद. 6. 03 सेमी × 02 सेमी आकार की नील. लाल रंग की. बायीं कलाई के ऊपरी हिस्से पर. चोट के नीचे खून जमना मौजूद।

महर्षि महेश योगी फाउंडेशन जमीन घोटाले की जांच करेगी SIT, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

● सुप्रीम कोर्ट ने महर्षि महेश योगी के स्पिरिचुअल रीजनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन की जमीनों की कथित धोखाधड़ी से हुई बिक्री की जांच के लिए यूपी मुख्य सचिव की देखरेख में SIT गठित करने का आदेश दिया है

● SC ने इलाहाबाद HC के चार्जशीट पर रोक के आदेश को रद्द किया, जांच एजेंसी को कार्य करने की स्वतंत्रता दी है

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव की देखरेख में एक विशेष जांच दल (SIT) गठित करने का आदेश दिया है. यह दल स्पिरिचुअल रीजनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया की जमीनों की कथित धोखाधड़ी से हुई बिक्री की जांच करेगा. कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस अंतरिम निर्देश को रद्द कर दिया है, जिसमें पुलिस को इस मामले में चार्जशीट दाखिल करने से रोक दिया गया था। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर की बेंच ने कहा कि हालांकि कार्यवाही लंबित रहने के दौरान किसी आरोपी को दंडात्मक कार्रवाई से बचाने के लिए अदालत विवेक का प्रयोग कर सकती है, लेकिन जांच एजेंसी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 193(3) के तहत पुलिस रिपोर्ट दाखिल न करने का निर्देश देना इस मामले के तथ्यों के आधार पर अनुचित था।

क्या है ट्रस्ट से जुड़ा विवाद?

यह फाउंडेशन ट्रांसेंडेंटल मेडिटेशन (TM) और आध्यात्मिक पुनरुद्धार के लिए जाना जाता है. इसके संस्थापक महर्षि महेश योगी की मृत्यु के बाद इसमें आंतरिक गुटबाजी शुरू हुई, जिसमें दो राइवल अजय प्रकाश श्रीवास्तव और चंद्र मोहन से जुड़े समूह सोसाइटी के नियंत्रण और जमीनों पर दावा करने लगे नतीजा यह हुआ कि फर्जी दस्तावेजों, जाली पावर ऑफ अटॉर्नी और फर्जी रिकॉर्ड के जरिए सोसाइटी की फ्री होल्ड जमीनें करोड़ों रुपये में बेच दी जा रही हैं, जो सोसाइटी के मूल उद्देश्यों (मानव कल्याण और आध्यात्मिक कार्य) के पूरी तरह खिलाफ है।

क्या है स्पिरिचुअल रीजनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन?

स्पिरिचुअल रीजनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया इन दिनों अपनी जमीनों की अवैध बिक्री को लेकर चर्चाओं में बना हुआ है. इस फाउंडेशन की शुरुआत महर्षि महेश योगी द्वारा 1963 में की गई थी. इस फाउंडेशन का मकसद लोगों को ट्रांसेंडेंटल मेडिटेशन सिखाकर आंतरिक शांति, तनाव मुक्ति, मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य और विश्व शांति को बढ़ावा देना है।

अदालत का निर्णय

सुप्रीम कोर्ट ने निम्नलिखित निर्देश जारी किए हैं: 1. चार्जशीट: जांच अधिकारी को FIR नंबर 642/2025 में जांच पूरी कर BNSS की धारा 193(3) के तहत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया है।

2. SIT का गठन: उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव की देखरेख में एक SIT गठित की जाएगी। रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज इसके सदस्य होंगे जो सोसायटी की सभी जमीनों की पहचान करेंगे और यह पता लगाएंगे कि उन्हें कैसे हस्तांतरित किया गया।

3. तथ्य-खोज रिपोर्ट: SIT को तीन महीने के भीतर अपनी जांच पूरी कर पुलिस को रिपोर्ट सौंपनी होगी। यदि धोखाधड़ी या आपराधिक मंशा पाई जाती है, तो संबंधित पुलिस थानों को संज्ञान लेना होगा।

4. अंतरिम सुरक्षा: जब तक स्ढ्ढञ्ज अपनी रिपोर्ट नहीं सौंपती और जांच पूरी नहीं होती, तब तक प्रतिवादी नंबर 2 के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी, बशर्ते वह जांच में सहयोग करें।

5. न्यायिक पर्यवेक्षण: SIT की रिपोर्ट हाईकोर्ट के समक्ष पेश की जाएगी, ताकि लंबित रिट याचिका पर अंतिम निर्णय लिया जा सके।

संक्षिप्त ख़बरें

दुर्घटना को दावत दे रहा साधन सहकारी समिति का जर्जर भवन

सिद्धार्थनगर। साधन सहकारी समिति बर्डपुर का भवन जर्जर होने से दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। बारिश के मौसम में छत से जहां पानी टपकता है, वहीं भवन की दीवार से लेकर छत के प्लास्टर टूटकर गिर रहे हैं। शिकायत के बाद भी विभागीय अधिकारियों के शिथिल होने से लोगों में रोष है। बर्डपुर में काफी अरसा पूर्व साधन सहकारी समिति भवन का निर्माण कराया गया है। काफी पुराना होने के कारण भवन जर्जर हो गया है। उसके ढहने की आशंका बनी हुई है। किसानों ने बताया कि बारिश के समय छत से पानी टपकता है। छत और दीवार का प्लास्टर उखड़ कर गिर रहा है। जिसके चलते समिति में रखी खाद और बीज खराब हो जाता है। इससे किसानों को काफी समस्या उत्पन्न हो रही है। क्षेत्र के किसानों ने जर्जर हो चुके समिति के भवन को नए सिरे से बनाने की मांग की है।

अवैध खनन करते पकड़ी गई जेसीबी व डंपर सीज

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसीलदार ने अवैध खनन के आरोप में जेसीबी व डंफर जब्त कर ढेबरुआ थाने को सौंप दिया। तहसीलदार की उक्त कार्रवाई से अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है। शोहरतगढ़ तहसीलदार प्रकाश सिंह बुधवार को सायं ढेबरूआ थानाक्षेत्र के परसोहिया में स्थित गौशाला का निरीक्षण करने गए थे।इसी दौरान उन्हें सूचना मिला कि सिसवा उर्फ शिवभारी में अवैध खनन हो रहा है। तहसीलदार ने मौके पर पहुंच कर वहां चल रहे एक जेसीबी व एक डंफर को रोककर खनन संबंधित कागजात मांगा। खनन से संबंधित कोई कागजात न दिखा पाने पर कार्रवाई करते हुए दोनों वाहनों को ढेबरुआ पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

मासूम की मौत पर भड़का आक्रोश:हत्यारोपी की गिरफ्तारी को लेकर सड़क जाम

● 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी के आश्वासन पर खत्म हुआ प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। समय माता कठेला थाना अंतर्गत स्थित रामनगर गांव में मंगलवार शाम लगभग 4:00 बजे एक हृदयविदारक घटना घटी,जहाँ एक 5 वर्षीय मासूम बच्चे की खुले बिजली के तार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों का सब्र का बांध टूट गया। बुधवार को पीड़ित परिवार और भारी संख्या में ग्रामीणों ने बढ़या-कठेला मार्ग पर स्थित चूही ग्रांट चौराहे के पास पुल पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि आरोपी बाग मालिक की लापरवाही के कारण एक मासूम की जान चली गई, लेकिन पुलिस प्रशासन मामले में ढिलाई बरत रहा है। सड़क जाम होने के कारण मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

मामले की गंभीरता और बढ़ते तनाव को देखते हुए थाना समय माता कठेला के प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार और इटवा के नायब तहसीलदार विनिर्देश कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। पीड़ित परिवार ने मांग की कि बिजली के खुले तारों से मौत के जिम्मेदार बाग मालिक सलाहुद्दीन पुत्र मुस्लिम को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। अधिकारियों ने घंटों चली वार्ता के बाद ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पुलिस वैधानिक कार्रवाई कर रही है। प्रशासन की ओर से नायब तहसीलदार और थाना प्रभारी ने लिखित एवं मौखिक आश्वासन दिया कि आरोपी को कल तक गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस ठोस आश्वासन के बाद पीड़ित परिवार और ग्रामीण शांत हुए और सड़क से जाम हटाया गया, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका।

46 साल पुराने हत्या मामले में बाहुबली विजय मिश्रा को उम्रकैद

भदोही। प्रयागराज की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने 46 वर्ष पुराने चर्चित हत्या मामले में पूर्व विधायक एवं बाहुबली नेता विजय मिश्रा को कठोर उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने वर्ष 1980 में कचहरी परिसर में हुई प्रकाश नारायण पांडेय की हत्या के मामले में विजय मिश्रा समेत चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए जुर्माना भी लगाया है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों और गवाहों के बयान को आधार मानते हुए आरोपियों को दोषी पाया। कोर्ट ने कहा कि दिनदहाड़े कचहरी परिसर में हुई हत्या ने उस समय कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। करीब 46 साल पुराने इस मामले में फैसला आने के बाद न्यायिक गलियारों के साथ राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। कोर्ट ने दोषियों पर आर्थिक दंड भी लगाया है। यह मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन था और अब फैसले के बाद पीड़ित पक्ष ने इसे न्याय की जीत बताया है।

डीएम के निरीक्षण में बड़े विलेख में मिली स्टांप शुल्क की कमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में राजस्व हितों की सुरक्षा एवं स्टांप शुल्क की वास्तविक देयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा पंजीकृत बड़े विलेखों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी ने हरिरामपुर स्थित एक संपत्ति का स्थल निरीक्षण कर स्टांप शुल्क एवं निबंधन शुल्क की जांच की। निरीक्षण के दौरान मौजा हरिरामपुर की आराजी संख्या 25 मि., रकबा 880 वर्ग मीटर अकृषिक भूमि का परीक्षण किया गया। उक्त भूमि का निबंधन 18 अप्रैल 2026 को कराया गया था। विलेख में संपत्ति का मूल्यांकन लगभग 2 करोड़ 5 लाख रुपये दर्शाते हुए 14 लाख 42 हजार रुपये स्टांप शुल्क जमा किया गया था। जांच में पाया गया कि संपत्ति पर लोहे का बड़ा गेट, बाउंड्रीवाल एवं अन्य परिसंपत्तियां मौजूद थीं, जिनका समुचित विवरण विलेख में शामिल नहीं किया गया था। स्थल निरीक्षण के दौरान उत्तर दिशा में लगभग 25 रनिंग मीटर तथा पूरब दिशा में लगभग 12 रनिंग मीटर लंबी बाउंड्रीवाल निर्मित मिली। परिसर में चार पेड़ भी पाए गए। जिलाधिकारी द्वारा कराई गई जांच में कुल 43 हजार 360 रुपये की स्टांप शुल्क एवं निबंधन शुल्क की कमी पाई गई। मामले में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान सहायक महानिरीक्षक निबंधन भदोही एवं नायब तहसीलदार भदोही भी उपस्थित रहे।

कागजों की बाजीगरी कर धरती का सीना चीर रहे खनन माफिया

● पट्टे कहीं और का और खुदाई कहीं और, विरोध करने पर मिलती है प्रशासनिक धौंस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। भारत- नेपाल सीमा पर स्थित बरगदवा थाना क्षेत्र इन दिनों मिट्टी खनन माफियाओं का सबसे सुरक्षित क्षेत्र बन चुका है। इस प्रतिबंधित खेल को कानूनी जामा पहनाने के लिए माफियाओं ने फर्जीवाड़े का एक नया तरीका निकाला है। खनन माफिया किसी अन्य क्षेत्र के वैध पट्टे के कागजात दिखाकर उसके आड़ में दूसरे निजी जमीन पर दिन-रात जेसीबी व लोडर मशीन चलाकर मिट्टी की अवैध खुदाई कर रहे हैं। कागजों की इस खुली बाजीगरी से स्थानीय पुलिस और तहसील का राजस्व अमला भली-भांति वाकिफ है, लेकिन कथित रूप से मलाई के चक्कर में आंखें मूंदकर मूकदर्शक बना हुआ है। इस बीच खनन विभाग की कार्रवाई से बचने के लिए माफियाओं ने एक नया पैंतरा ढूंढ निकाला है। जब भी खनन विभाग की टीम जांच के लिए पहुंचती है तो माफिया अधिकारियों को गुमराह कर देते हैं। झूठ बोलकर साफ बच निकलते हैं कि यह उनका खुद का निजी खेत है और वे केवल अपने घर की भराई के लिए मिट्टी ले जा रहे हैं। इस कागजी बाजीगरी और झूठ के सहारे दिन के उजाले से लेकर रात के सन्नाटे तक क्षेत्र के विभिन्न गांवों की उपजाऊ जमीनों को बेरहमी से खोदा जा रहा है।

मिट्टी से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली मुख्य मार्गों पर काल बनकर दौड़ रहे हैं, जिससे ग्रामीण सड़कें टूटकर गड्ढों में तब्दील हो रही हैं। उड़ते धूल के गुबार से राहगीरों व स्थानीय निवासियों का जीना दूभर हो चुका है। ग्रामीण जब भी इस संगठित सिंडिकेट के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश करते हैं तो रसूखदार माफिया विभागीय धौंस दिखाकर उन्हें चुप करा देते हैं। माफियाओं के इस झूठ और मिलीभगत के कारण जहां एक ओर सरकार को रोजाना लाखों रुपये के राजस्व की चपत लग रही है तो वहीं दूसरी ओर पर्यावरण भी पूरी तरह से तबाह हो रहा है।

पश्चिम बंगाल: भ्रष्टाचार के मामलों में शुभेंदु सरकार का बड़ा एक्शन, सीबीआई को दी परमिशन

● पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सीबीआई को भ्रष्टाचार के बड़े मामलों में कार्रवाई करने की परमिशन दे दी है. मुख्यमंत्री ने साफ किया कि सार्वजनिक संस्थानों और सरकारी व्यवस्थाओं के दुरुपयोग में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भ्रष्टाचार के बड़े मामलों में कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है. उन्होंने शिक्षा, नगरपालिका और सहकारी विभागों में भ्रष्टाचार और भर्ती घोटालों में लिप्त अधिकारियों के खिलाफ जांच और मुकदमा चलाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो को आवश्यक अनुमति दे दी है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगी. उन्होंने बताया कि पिछली सरकार ने लगभग 4 वर्षों तक इन मामलों में शामिल वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए सीबीआई को अनुमति रोक कर रखी थी, जिसे अब जारी कर दिया गया है. इससे पहले, पश्चिम बंगाल सरकार ने सीबीआई द्वारा राज्य में बिना अनुमति के मामलों की जांच करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के खिलाफ याचिका दायर की थी।

भ्रष्टाचार में शामिल लोगों पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने साफ किया कि सार्वजनिक संस्थानों और सरकारी व्यवस्थाओं के दुरुपयोग में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. माना जा रहा है कि इस फैसले से हाई-प्रोफाइल मामलों में लंबित जांच और कानूनी कार्रवाई में तेजी आएगी. मुख्यमंत्री का दावा है कि पिछली सरकार में शिक्षा, नगरपालिका, सहकारी विभागों में भ्रष्टाचार और भर्ती घोटाला हुआ है. वो सरकार इससे बचने के लिए कोर्ट गई थी. लेकिन अब बीजेपी सरकार में इन सभी भ्रष्टाचार और घोटालों की जांच की जाएगी. इसमें शामिल अधिकारियों पर शिकंजा कसा जाएगा.

अवैध फैक्ट्रियों पर चलेगा बुलडोजर

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उस अवैध इमारत को गिराने का आदेश दिया है, जहां कल आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई थी. हालांकि, पुलिस ने इस अवैध फैक्ट्री के दोनों मालिकों को गिरफ्तार कर लिया है. टॉप्सिया और मोमिनपुर जैसे इलाकों में, जहां ऐसी अवैध फैक्ट्रियाँ मौजूद हैं, बिजली की लाइनें काटने के निर्देश दिए गए हैं. इसके अलावा, अवैध फैक्ट्रियों की पानी की लाइनें भी काटने के निर्देश दिए गए हैं. बताया जा रहा है कि शुभेंदु सरकार आने वाले दिनों में और बड़े एक्शन ले सकती है।

सनातन धर्म पर टिप्पणी को लेकर उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ कार्रवाई की मांग

अलीगंज डांडिया। सनातन धर्म को लेकर तमिलनाडु सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा दिए गए कथित बयान पर विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में एक अधिवक्ता ने प्रधानमंत्री Narendra Modi को शिकायत पत्र भेजकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि सनातन धर्म के विरुद्ध लगातार की जा रही कथित 'हेट स्पीच' करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। उनका कहना है कि किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इस प्रकार की टिप्पणी समाज में विद्वेष फैलाने का कार्य करती है, जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक सजग नागरिक और अधिवक्ता होने के नाते उन्होंने प्रधानमंत्री को औपचारिक शिकायत पत्र प्रेषित कर मामले में कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि कानून के शासन में समाज में नफरत फैलाने वालों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

पेट्रोल पंप कर्मी की संदिग्ध मौत से सनसनी, परिजनों ने लगाया पीट-पीटकर हत्या का आरोप

बस्ती। बस्ती जिले के कोपिया गांव निवासी 42 वर्षीय जीत नारायण सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि जीत नारायण सिंह की बेरहमी से पिटाई कर हत्या की गई है। मृतक की पत्नी ज्योति सिंह के अनुसार उनके पति जीत नारायण सिंह पिछले करीब 10 वर्षों से नगर थाना क्षेत्र के रिठिया स्थित हिंदुस्तान ऑटो मोबाइल के पेट्रोल पंप पर कार्यरत थे। रोज की तरह वह मंगलवार को भी काम पर गए थे। देर रात करीब 10 से 11 बजे के बीच पेट्रोल पंप मालिक द्वारा फोन कर परिवार को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तो जीत नारायण सिंह गंभीर हालत में मिले। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का आरोप है कि जीत नारायण सिंह के साथ मारपीट की गई, जिससे उनकी मौत हुई। वहीं घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं।

स्कूल में तिलक लगाकर पहुंचा छात्र ,तो टीचर ने जड़ा थप्पड़, परिजनों ने जमकर काटा हंगामा

कानपुर ग्रामीण। कानपुर के नौबस्ता थाना क्षेत्र अंतर्गत एक स्कूल में माथे पर तिलक लगाकर पहुंचे कक्षा छह के छात्र को पीटे जाने पर हंगामा खड़ा हो गया, परिजनों ने मुस्लिम समुदाय की शिक्षिका पर तमाचे मारने का आरोप लगाकर पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने दोनों पक्षों की बात सुनकर समझानें का प्रयास किया। लेकिन परिजन कारवाई की मांग पर अडे रहे। इस पुलिस ने उन्हें थाने भेज दिया। दामोदर नगर निवासी खाद्य तेल कारोबारी का बेटा किदवई नगर के ब्लॉक स्थित मदर टेरेसा मिशन हायर सेकंडरी स्कूल में कक्षा छह का छात्र है। छात्र का आरोप है कि वह रोजाना माथे पर तिलक लगाकर स्कूल आता है,जिसे लेकर शिक्षिका उसे डांटती थी। उन्होंने तीन चार थप्पड़ जड़ दिए, दोपहर छुट्टी के बाद पिता बेटे को लेने स्कूल पहुंचे तो बेटे ने पूरी बात बताई। इससे उनका गुस्सा फूट पड़ा। पिता का आरोप है कि उन्होंने स्कूल प्रबंधन से शिकायत की तों कुछ भी सुनने से इंकार कर दिया। उल्टा बेटे पर होमवर्क करके स्कूल न आने का आरोप लगा दिया। इस पर उन्होंने 112 डायल पीआरवी को सूचना दी, नौबस्ता थाना प्रभारी निरीक्षक बहादुर सिंह ने बताया कि स्कूल के छात्र को पीटे जाने को लेकर हंगामे की जानकारी हुई है, लेकिन तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ बीना साइलस ने बताया कि वह दूसरी ब्रांच कोयला नगर में थी। जिसके कारण उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। आज पूरी जानकारी करने पर अगर शिक्षिका पर लगे आरोप सही पाए जायेंगे,तो कारवाई की जाएगी।

करंट की चपेट आने से तीन घायल

मनकापुर गोण्डा: गाजीपुर निवासी 22 वर्षीय राज कुमार अपने घर पर वैवाहिक कार्यक्रम में टेबल फैन चालू करने के लिए होल्डर में पलक लगा रहे थे द्य पलक के पास तार कटा होने के कारण करंट की चपेट में आ गए, उसको देखकर उनकी बड़ी बहन सोहबता (50) तथा उसकी एक रिश्तेदार रंगीता (25) छुड़ाने के चक्कर में करंट की चपेट में आ गई। ग्रामीणों की मदद से आनन फानन में तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य के बभनजोत पहुंचाया गया। सोहबता के पैर में तथा रंगीता के दाहिने हाथ में करंट लगा है द्य राजकुमार की आज शाम बारात जानी थी और इसी वैवाहिक समारोह में सब लोग घर पर आए हुए थे। सीएचसी अधीक्षक तरुण कुमार मौर्य ने बताया कि तीनों का उपचार किया जा रहा है और तीनों लोग खतरे से बाहर हैं।

गौरीगंज में बिना मान्यता संचालित विद्यालय पर प्रशासन की कार्रवाई, विद्यालय किया गया बंद

● खंड शिक्षा अधिकारी गौरीगंज ने कहा– बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी/गौरीगंज। विकासखंड गौरीगंज क्षेत्र में बिना मान्यता संचालित विद्यालयों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत प्रशासन एवं शिक्षा विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए राजबहादुर सिंह पब्लिक स्कूल, तुलसीपुर, गौरीगंज को बंद करा दिया। यह कार्रवाई खंड शिक्षा अधिकारी गौरीगंज अर्जुन सिंह के निर्देशन में की गई, जिसमें राजस्व विभाग एवं शिक्षा विभाग की टीम ने विद्यालय का निरीक्षण कर आवश्यक कदम उठाए। खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन सिंह ने बताया कि प्राप्त शिकायतों एवं जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि उक्त विद्यालय बिना वैध मान्यता के संचालित किया जा रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए नायब तहसीलदार गौरीगंज अनुश्री त्रिपाठी एवं खंड शिक्षा अधिकारी की ओर से विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण कराया गया। जांच में विद्यालय में एलकेजी से कक्षा 8 तक लगभग 50 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत पाए गए तथा मौके पर 32 बच्चे उपस्थित मिले। निरीक्षण के दौरान विद्यालय प्रबंधन से मान्यता संबंधी अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन विद्यालय के पास आवश्यक मान्यता उपलब्ध नहीं पाई गई। इस पर विद्यालय संचालक/प्रबंधन की ओर से लिखित रूप में यह स्वीकार किया गया कि विद्यालय वर्तमान में बिना मान्यता संचालित किया जा रहा था तथा मान्यता प्राप्त होने तक विद्यालय का संचालन नहीं किया जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए विभाग ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की। विद्यालय में अध्ययनरत 32 बच्चों का प्रवेश नजदीकी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कराया गया है। इनमें प्राथमिक विद्यालय धारूशाह, कंपोजिट विद्यालय तुलसीपुर, कंपोजिट विद्यालय गौरीपुर, कंपोजिट विद्यालय पूरे गौरन, एवं प्राथमिक विद्यालय ओरीपुर सुरौली सहित अन्य विद्यालय शामिल हैं। शेष बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया भी सुनिश्चित कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की प्राथमिकता बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित शिक्षा उपलब्ध कराना है। बिना मान्यता संचालित विद्यालय बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के समान हैं, जिन्हें किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे विद्यालयों के विरुद्ध आगे भी अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक कार्रवाई के अंतर्गत संबंधित विद्यालय परिसर में ताला लगाकर विद्यालय को बंद करा दिया गया है। शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का प्रवेश केवल मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ही कराएं तथा विद्यालय की मान्यता की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

बाजार शुक्ल पुलिस का पैदल गश्त अभियान संदिग्धों की हुई सघन चेकिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार अमेठी। जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से बाजार शुक्ल पुलिस लगातार सक्रिय नजर आ रही है। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में थाना अध्यक्ष बाजार शुक्ल विवेक वर्मा के नेतृत्व में क्षेत्र में व्यापक पैदल गश्त एवं विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया।

थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने भारी पुलिस बल के साथ कस्बे के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, प्रमुख बाजारों, संवेदनशील स्थानों तथा मुख्य मार्गों पर पैदल भ्रमण किया। इस दौरान पुलिस टीम ने हाईवे, प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों एवं शराब की दुकानों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की। अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा आमजनमानस में सुरक्षा और विश्वास का माहौल मजबूत करना रहा। पैदल गश्त के दौरान थाना अध्यक्ष ने स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों एवं आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही लोगों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिस टीम ने युवाओं को यातायात नियमों के पालन एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के प्रति भी जागरूक किया।क्षेत्र में लगातार हो रही पुलिस की सक्रियता से आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। स्थानीय लोगों ने बाजार शुक्ल पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि नियमित गश्त और चेकिंग अभियान से असामाजिक तत्वों में भय का माहौल बना है। थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने कहा कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

1CBSE बोर्ड इंटरमिडिएट परीक्षा 2026,आर एस कान्वेंट स्कूल बाराचवंर की छात्रा जागृति तिवारी ने 96 प्रतिशत अंक लाकर बनी स्कूल टापर

गाजीपुर। सीबीएसई बोर्ड द्वारा इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। वहीं इस बार भी आर एस कान्वेंट स्कूल के इंटरमीडिएट के छात्र छात्राओं ने इस बार भी अपने विद्यालय का नाम रौशन किया है। 2026 के परिणाम जागृति तिवारी पुत्री रामभज तिवारी ने पुरे स्कूल मे 96प्रतिशत लाकर पुरे स्कूल का मान बढ़ाया।वही निखत जमाल पुत्री जमाल ने 77.60 प्रतिशत, अंशु मोर्या पुत्री श्रीराम मोर्या ने 75प्रतिशत, अनुष्का राय पुत्री अमित कुमार राय 70.2प्रतिशत, प्रियंका कुशबाहा पुत्री दिनेश कुशबाहा 68 प्रतिशत, प्रियाजली यादव पुत्री धर्मप्रकाश यादव 65.4 प्रतिशत, नवीन कुमार गुप्ता पुत्र रत्न कुमार गुप्ता 66 प्रतिशत, कन्दर्प तिवारी 66.4 प्रतिशत, शंशाक सिंह कुशबाहा पुत्र संजय सिंह कुशबाहा 64.60 प्रतिशत प्राप्त किया। स्कूल के मैनेजर वरिष्ठ पत्रकार यशवंत सिंह ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को आर एस कान्वेंट स्कूल की तरफ से शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाई दी है।

जगदीशपुर में रोहित पासी की बढ़ी सक्रियता, युवाओं में दिख रहा खासा उत्साह

● गांव गांव पहुंचकर भाजपा सरकार की उपलब्धियों जन कल्याणकारी योजनाओं से आम जनमानस को करा रहे अवगत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जगदीशपुर अमेठी। 184 जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों युवा भाजपा नेता रोहित पासी को लेकर युवाओं और आम जनता के बीच विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। लगातार जनसंपर्क अभियान चलाकर रोहित पासी गांव-गांव पहुंच रहे हैं और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचा रहे हैं। साथ ही वे क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में सहभागी बनकर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।रोहित पासी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता स्वर्गीय राजेंद्र चौधरी (पासी) के पुत्र हैं। राजेंद्र चौधरी पूर्व में जगदीशपुर विधानसभा से चुनाव लड़ चुके हैं तथा अंबेडकर नगर लोकसभा सीट से भी प्रत्याशी रहे हैं। राजनीतिक पृष्ठभूमि और सामाजिक सक्रियता के कारण रोहित पासी को क्षेत्र में युवाओं का भरपूर समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है।रोहित पासी पूर्व में भादर ब्लॉक प्रमुख रह चुके हैं। वर्तमान में वे विद्या भारती काशी प्रांत के सह मंत्री तथा अमेठी जनपद के सहसंयोजक प्रशिक्षण वर्ग के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। संगठनात्मक जिम्मेदारियों के साथ-साथ वे लगातार जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर भारतीय जनता पार्टी की नीति, रीति और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में जुटे हुए हैं।जनसंपर्क अभियान के दौरान उनके साथ जिला सहसंयोजक सुशासन विभाग गिरीश चंद्र पांडे उर्फ बिल्लू पांडे भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर लोगों से संवाद स्थापित किया और भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया।मीडिया से बातचीत के दौरान रोहित पासी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी

सरकार की नीतियों से भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ा है, वहीं योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुशासन और रामराज्य की स्थापना हुई है। उन्होंने दावा किया कि डबल इंजन की भाजपा सरकार में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है।बंगाल में भाजपा की सफलता को लेकर पूछे गए सवाल पर रोहित पासी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर जनता का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने अमेठी की पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री दीदी स्मृति इरानी की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि बंगाल में भाजपा को प्रचंड समर्थन मिला और कमल खिल उठा।

धूल भरी आंधी से बदला मौसम का मिजाज, शहर से गांव तक चरमराई बिजली व्यवस्था

बलरामपुर। जिले में बुधवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे अचानक आई तेज धूल भरी आंधी ने मौसम का मिजाज बदल दिया। भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को जहां राहत मिली, वहीं दूसरी ओर आंधी ने बिजली व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ और टहनियां गिर गईं, जिससे विद्युत लाइनों के अटेंशन तार टूट गए और कई इलाकों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। नगर क्षेत्र में आंधी के बाद कुछ समय तक बिजली व्यवस्था बहाल करने का प्रयास किया गया, लेकिन देर शाम तक कई मोहल्लों में बिजली की आंखमिचौली जारी रही। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति और भी खराब रही। कई गांवों में तार टूटने और फाल्ट आने के कारण देर रात तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। बिजली न रहने से लोगों को पेयजल संकट और गर्मी का सामना करना पड़ा।अचानक बदले मौसम के कारण सड़कों पर धूल का गुबार छा गया, जिससे राहगीरों को भी परेशानी हुई। कई जगहों पर छोटे पेड़ और होर्डिंग गिर गए। बिजली विभाग के कर्मचारी फाल्ट खोजने और आपूर्ति बहाल करने में जुटे रहे। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आंधी के कारण कई फीडरों पर तकनीकी खराबी आई है, जिसे ठीक कराने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। आंधी के बाद मौसम सुहावना होने से लोगों ने गर्मी से राहत जरूर महसूस की, लेकिन बिजली संकट ने राहत के इस एहसास को फीका कर दिया। वहीं दूसरी ओर गैसड़ी क्षेत्र में बीते 4 मई को आए तेज आंधी-तूफान के बाद गैसड़ी विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र के करीब 200 गांवों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। आंधी में लगभग 130 बिजली पोल टूट गए थे, लेकिन दस दिन बीत जाने के बाद भी ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। गांवों में टूटे पोल और बिजली के तार अब भी खेतों और सड़कों के किनारे पड़े हैं, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। बिजली न होने से पेयजल संकट भी गहरा

गया है। अधिकांश गांवों में पानी की मोटरें बंद पड़ी हैं। वहीं छात्रों की पढ़ाई और किसानों की सिंचाई व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। गैसड़ी ब्लॉक के खमरिया, परसहिया, चैपुरवा, ठुकरापुर, बिशुनपुर कला, बरगदवा कला, बानगढ़ पिपरी, लालपुर, रमवापुर और रजडेरवा समेत कई गांवों के प्रधानों और जनप्रतिनिधियों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। प्रधानों का कहना है कि आंधी के बाद से अब तक कोई अधिकारी या कर्मचारी गांवों का निरीक्षण करने तक नहीं पहुंचा। उनका आरोप है कि नगर क्षेत्र को प्राथमिकता देकर ग्रामीण इलाकों की अनदेखी की जा रही है।

नाबालिक लड़की के साथ शादी का झांसा देकर अंधेड ने किया दुष्कर्म

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में शादी का झांसा देकर नाबालिक लड़की के साथ 40 वर्षीय अधेड़ ने किया दुष्कर्म पीड़िता के मां के तहरीर पर थाना छावनी थानाध्यक्ष ने गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए आरोपी की तलाश में पुलिस जगह-जगह दविस दे रही है मिली जानकारी के अनुसार वादिनी की पुत्री उम्र लगभग 15 वर्ष कक्षा 9वीं की छात्रा है आरोपी का घर अगल-बगल है आरोपि एवं पीड़िता के बीच सात आठ महीने से प्रेम प्रसंग की बात बताई जा रही है पीड़िता और आरोपी के बीच हमेशा बातचीत करते थे दोनों को एक साथ देखा गया था प्रेम प्रसंग का आरोप लगाते हुए दोनों परिजनों के बीच वाद विवाद हुआ था जिसकी वजह से अभियोग पंजीकृत कराया गया है आरोपी की छावनी कस्बे में फोटोकॉपी की दुकान है और वह शादी विवाह में कैमरा चलाने का काम भी करता है। दोनों का संबंध इतना गहरा था एक दूसरे से अलग नहीं हो पा रहे थे पीड़ता की मां द्वारा खाने पर दी गई तहरीर मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी की तलाश की जा रही है जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा ओम शांति व्यवस्था बनी हुई है।

कलयुगी मां ने 6 साल के मासूम बेटे का गला रेता, फिर खुद की भी जान लेने की कोशिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के दुबौला चौकी इलाके के हरदीबाबू गांव में बुधवार सुबह करीब नौ बजे एक कलयुगी मां ने अपने ही छह वर्षीय बेटे प्रभव सिंह को कमरे के अंदर से सिटकिनी बंद कर धारदार हथियार से गला रेतकर उसकी निर्मम हत्या कर दी और बाद में खुद को भी चाकू से गला रेत लिया। हरदीबाबू गांव निवासी संदीप सिंह उर्फ शनी सिंह की शादी करीब सात-आठ साल पहले सहजनवा, गोरखपुर की कीर्ति सिंह के साथ हुई थी, जिनसे एक पुत्र प्रभव सिंह हुआ था, जिसे आज उसकी मां ने मौत की नींद सुला दिया। घटना के समय संदीप सिंह अपने मुर्गी फार्म पर गए हुए थे।

बच्चे के तेज-तेज रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने गुहार लगाई, लेकिन दरवाजा अंदर से सिटकिनी बंद होने के कारण कोई भी उसे बचा नहीं सका। संदीप सिंह के आने पर दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर का नजारा देखकर सभी की आंखें भर आईं। बेड पर खून से लथपथ बेटे का शव पड़ा था और पत्नी कीर्ति के गले पर चाकू से वार के निशान थे। यह खबर मिनटों में लोगों की जुबान पर आ गई। सूचना पर दुबौला चौकी इंचार्ज विवेकानंद तिवारी सबसे पहले मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद सभी वरिष्ठ अधिकारी और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुट गई। घायल महिला को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना की सूचना पर भारी संख्या में ग्रामीण और आसपास के गांवों के लोग मौके पर जुट गए। घटना के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है।

शिक्षा विभाग की साख कमजोर करे खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी

● नोटिस जारी कर जांच पड़ताल के नाम पर बीईओ विनोद कुमार त्रिपाठी ने की अवैध वसूली - सूत्र

● सन राइज स्कूल में योग्य छात्र -छात्रा न होने के कारण भीड़ इकट्ठा करने के लिए लखनऊ से बुलाया गया था जादूगर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती सदर नगर क्षेत्र खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने एक माह से अधिक का समय बीतने के बाद भी सन राइज स्कूल के खिलाफ कोई कार्रवाई नही की है बल्कि कारण बताओ नोटिस जारी करके कार्यवाही न करने का आश्वासन देकर सन राइज स्कूल से मोटी रकम की वसूली की है और जांच पड़ताल के नाम पर पूर्ण रूप से लीपापोती कर दिया है। खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी द्वारा लगातार मीडिया टीम को आश्वासन दिया जा रहा था कि सन राइज स्कूल के लापरवाही की निष्पक्ष जांच होगी और कार्यवाही भी निश्चित रूप से होगी लेकिन ऐसा क्या एक महीने के अन्दर बीईओ विनोद कुमार त्रिपाठी और सन राइज स्कूल के बीच सेटिंग हो गई कि सन राइज स्कूल के खिलाफ शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्यवाही के नाम पर पूर्ण रूप से लीपापोती की गई। अब आप सोच सकते हैं कि सन राइज स्कूल की लापरवाही का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था और वायरल वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा था कि सन राइज स्कूल के द्वारा मौत के साये में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम कराया गया था फिर भी बीईओ ने जांच के नाम पर खेला कर दिया यदि ऐसे ही शिक्षा विभाग द्वारा लापरवाह खण्ड शिक्षा अधिकारियों को जांच सौंपी जायेगी तो शिक्षा विभाग की साख पूरी तरह कमजोर हो जायेगी और आमजन मानस का शिक्षा विभाग के अधिकारियों से विश्वास खत्म हो जायेगा।

सूत्रों की माने तो बीईओ खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी की जिले में लम्बी तैनाती ही बस्ती सदर/नगर क्षेत्र में भ्रष्टाचार का कारण बना हुआ है जिस घटना का वीडियो/फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो और वायरल वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा हो कि बहुत बड़ी लापरवाही की जा रही है फिर उस मामले में कार्यवाही न होने से भाजपा सरकार की साफ सुथरी छवि धूमिल हो रही है और प्रदेश सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है अब देखना यह है कि बीईओ विनोद कुमार त्रिपाठी के खिलाफ बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा क्या कार्यवाही की जाती है?

बलरामपुर पुलिस ने हत्या की घटना का किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद के थाना गौरा चौराहा क्षेत्रांतर्गत हुई हत्या की सनसनीखेज घटना का बलरामपुर पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की सरिया/छड़ एवं ब्लेड भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, थाना गौरा चौराहा क्षेत्र के ग्राम त्रिलोकपुर निवासी सावित्री देवी पत्नी नानबाबू ने 8 मई को थाना स्थानीय पर सूचना दी थी कि उनका पुत्र राजकुमार घर के सामने खेलते समय अचानक लापता हो गया है। मामले में पुलिस ने मु0अ0सं0-51/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

अगले दिन 9 मई को मृतक के पिता नानबाबू ने सूचना दी कि उनके पुत्र का शव गांव के ही दिनेश यादव के घर के उत्तर स्थित गड्ढे में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी नगर ज्योति श्री के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष हरीश सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए बुधवार को विशुनपुर नहर पुलिया के पास से तीन अभियुक्तों दिनेश यादव, उमेश यादव एवं रमेश यादव निवासी ग्राम त्रिलोकपुर थाना गौरा चौराहा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि 7 मई की शाम राजकुमार तालाब से लौटते समय उन्हें गाली दे रहा था। इसी आक्रोश में उन्होंने उसे पकड़ लिया और कनपटी पर लोहे की सरिया से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को बांस की झाड़ियों में छिपा दिया गया। बाद में रात के अंधेरे में शव को निकालकर ब्लेड से गले पर कई वार किए गए और शव को गड्ढे में पुआल एवं झाड़ियों से ढंककर छिपा दिया गया, ताकि किसी को घटना की जानकारी न हो सके। पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक लोहे की सरिया/छड़ एवं एक ब्लेड 365 बरामद किया है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में पूर्व में दो अन्य अभियुक्त महेश यादव एवं आकाश को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष हरीश सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजेश गुप्ता, उपनिरीक्षक डिग्री प्रसाद गौतम, हेड कांस्टेबल दीपक गुप्ता, कांस्टेबल अरबिंद सिंह, रामबृक्ष चौधरी एवं शैलेश यादव शामिल रहे।

राप्ती में समाए मासूम का तीसरे दिन भी सुराग नहीं, गांव में पसरा मातम

● एनडीआरएफ का सर्च ऑपरेशन जारी, राप्ती में डूबे बालक की तलाश तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उतरौला (बलरामपुर) कोतवाली उतरौला क्षेत्र के ग्राम पंचायत महुआधनी के सुरैय्या देवर गांव में राप्ती नदी में डूबे नौ वर्षीय बालक का तीसरे दिन भी कोई सुराग नहीं मिल सका। लगातार चल रहे खोज अभियान के बावजूद मासूम का पता न चलने से परिजनों में मायूसी और गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। एनडीआरएफ की टीम, स्थानीय प्रशासन और गोताखोर लगातार नदी में तलाश अभियान चला रहे हैं, लेकिन अब तक सफलता हाथ नहीं लगी है। बताया जाता है कि गांव निवासी रक्षा राम का नौ वर्षीय पुत्र बृजेश कुमार राप्ती नदी के किनारे अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में समा गया। बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और नदी में उसकी तलाश शुरू की, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद बालक का कोई पता नहीं चल सका।

घटना की सूचना मिलते ही यूपी-112 पुलिस मौके पर पहुंची और उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। सूचना पाकर एसडीएम उतरौला मनोज कुमार सरोज, कोतवाल अवधेश राज सिंह तथा राजस्व विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। प्रशासन द्वारा तत्काल नाव और स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश अभियान चलाया गया, लेकिन देर शाम तक कोई सफलता नहीं मिली। दूसरे दिन से एनडीआरएफ की टीम को भी खोज अभियान में लगाया गया। मंगलवार सुबह से शुरू हुआ अभियान तीसरे दिन भी लगातार जारी रहा। एनडीआरएफ की टीम आधुनिक उपकरणों और नावों की सहायता से नदी के विभिन्न हिस्सों में सघन तलाश कर रही है, लेकिन तेज बहाव और गहरे पानी के कारण अभियान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

एसडीएम उतरौला मनोज कुमार सरोज ने बताया कि प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है और एनडीआरएफ की टीम लगातार नदी में सर्च ऑपरेशन चला रही है। उन्होंने कहा कि बालक की तलाश पूरी

गंभीरता से कराई जा रही है। इधर, तीन दिनों से बच्चे का कोई पता न चलने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां-बाप समेत पूरे परिवार की हालत बेहद दयनीय बनी हुई है। गांव में मातम जैसा माहौल है और ग्रामीण लगातार पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने में लगे हैं। हर गुजरते घंटे के साथ परिजनों की बेचैनी और चिंता बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि राप्ती नदी के किनारे सुरक्षा इंतजामों और जागरूकता की कमी के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

संक्षिप्त खबरें

एल्पिस ग्लोबल स्कूल का सीबीएसई कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम शानदार

बिसवां/सीतापुर- नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान Elpis Global School ने सीबीएसई कक्षा 12 बोर्ड परीक्षा में एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर शिक्षा जगत में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं नगर का नाम गौरवान्वित किया। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का माहौल छा गया। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। विद्यालय प्रबंधन समिति, निदेशक, प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं में विभूति वर्मा ने 96.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं उम्मे हानी ने 94.20 प्रतिशत तथा भाव्या अग्रवाल ने 93.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अन्य प्रमुख विद्यार्थियों में अनमोल वर्मा ने 93.20 प्रतिशत, आकृति अग्रवाल ने 92.60 प्रतिशत, कशिश खेतान एवं रेहान अंसारी ने 92.40 प्रतिशत, शौनक शुक्ला ने 91.00 प्रतिशत, श्रेयांश अवस्थी ने 90.80 प्रतिशत, रोहन राज एवं अविनाश वर्मा ने 90.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसी क्रम में दैविक रस्तोगी ने 89.00 प्रतिशत, आयुषी शर्मा ने 88.80 प्रतिशत, स्तुति अग्रवाल ने 88.60 प्रतिशत, सक्षम अग्रवाल ने 88.00 प्रतिशत, माही अग्रवाल एवं आत्यंतिक रस्तोगी ने 87.20 प्रतिशत, मोहम्मद हसन बदर, महक दीप कौर एवं अक्षत वर्मा ने 87.00 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसके अतिरिक्त कौस्तुभ द्विवेदी ने 86.60 प्रतिशत, अल्तमश ने 86.20 प्रतिशत, आयुषी त्रिवेदी ने 85.80 प्रतिशत, अनमोल वर्मा ने 85.40 प्रतिशत तथा पियूष मिश्रा ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। विद्यालय के निदेशक एवं प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा ताकि छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

जयपुरिया स्कूल महमूदाबाद का सीबीएसई रिजल्ट रहा शत-प्रतिशत, विराज रस्तोगी बने टॉपर

महमूदाबाद- सीतापुर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (CBSE) द्वारा घोषित कक्षा 12 के परीक्षा परिणाम में सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल, महमूदाबाद का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय से कुल 22 विद्यार्थियों ने कक्षा 12 की परीक्षा में प्रतिभाग किया था, जिसमें सभी छात्र-छात्राएं सफल घोषित हुए। परीक्षा में विराज रस्तोगी ने 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं आस्था यादव ने 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि धैर्य रस्तोगी 90.2 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। साइंस वर्ग में कुल 14 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें लगभग सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। साइंस वर्ग में दिव्यांश पोरवाल ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का मान-सम्मान बढ़ाया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता, डायरेक्टर आशीष गुप्ता एवं प्रिंसिपल विजय कुमार दुबे ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्राथमिक शिक्षक संघ चुनाव में धीरेंद्र पटेल बने अध्यक्ष

बिसवां (सीतापुर)। सकरन के ब्लॉक संसाधन केंद्र में बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद के मुकाबले में धीरेंद्र पटेल ने शिव सिंह को 259 मतों के बड़े अंतर से पराजित कर जीत दर्ज की। मतगणना में प्राथमिक विद्यालय मनकौड़ा के शिक्षक धीरेंद्र पटेल को 416 मत मिले, जबकि कम्पोजिट विद्यालय रतनापुर के शिव सिंह को 157 मत प्राप्त हुए। दो मत अवैध पाए गए। कुल 609 मतदाताओं में से 575 शिक्षकों ने मतदान किया। जीत के बाद समर्थकों ने मिठाई खिलाकर खुशी जताई। नव निर्वाचित अध्यक्ष धीरेंद्र पटेल ने कहा कि वह शिक्षकों की समस्याओं के समाधान एवं उनके सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

अब यूपी के किलों और हेरिटेज साइट्स पर होगी 'डेस्टिनेशन वेडिंग', पर्यटकों को ठहरने में मिलेगी 25 प्रतिशत की छूट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वैश्विक अनिश्चितताओं के मौजूदा दौर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में बुधवार को पर्यटन निदेशालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक हुई। मीटिंग में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को 'आपदा में अवसर' बताते हुए पर्यटन क्षेत्र को नई संभावनाओं से जोड़ने पर बल दिया। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में राज्य के हेरिटेज स्थलों, ईको साइट्स, किलों समेत अन्य स्थलों को डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में बढ़ावा देने तथा 'विजिट माई स्टेट' अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'पर्यटन विभाग 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से काम करेगा। उन्होंने 'विजिट माय स्टेट' अभियान के तहत संग्रहालयों में आगामी दो माह तक निःशुल्क प्रवेश सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही, वाराणसी, आगरा, मथुरा, लखनऊ, प्रयागराज, मिर्जापुर और अयोध्या जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के लिए आकर्षक और अनुभवपरक टूर पैकेज तैयार करने हेतु टूर ऑपरेटर्स के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए।'

सरकारी वाहनों का न्यूनतम उपयोग

पर्यटन मंत्री ने कहा, 'प्रदेश सरकार प्रशासनिक कार्यों में मितव्ययिता, संसाधनों के समुचित उपयोग और बेहतर समन्वय को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में अधिकारियों को सरकारी वाहनों के उपयोग को न्यूनतम रखने, आपसी समन्वय स्थापित कर एक ही वाहन से कार्यालय आने तथा विभागीय फ्लीट में शामिल गाड़ियों की संख्या कम करने के निर्देश दिए गए हैं।'

राही पर्यटक आवास में ठहरने पर दें छूट

मंत्री जयवीर सिंह ने पर्यटन विभाग द्वारा संचालित राही पर्यटक आवासों में पर्यटकों को 25 प्रतिशत तक की रियायत प्रदान कर घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासी विदेश यात्राओं के बजाय उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक धरोहरों का भ्रमण करें। साथ ही, पर्यटकों को गोशालाओं, प्राचीन मंदिरों एवं प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने हेतु विशेष पर्यटन व्यवस्थाएं विकसित किए जाने पर भी जोर दिया गया, जिससे आध्यात्मिक पर्यटन के साथ ग्रामीण और सांस्कृतिक पर्यटन को भी नई गति मिल सके। साथ ही, पर्यटन महानिदेशक को निर्देश दिए कि वे रेस्टोरेंट एसोसिएशन से समन्वय स्थापित कर पर्यटकों को भोजन एवं अन्य सेवाओं पर विशेष छूट उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर कार्य करें।

डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए स्थानीय स्थलों का हो चयन

पर्यटन मंत्री ने स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, कि नागरिक, वेडिंग प्लानर एवं आयोजनकर्ता डेस्टिनेशन वेडिंग सहित अन्य पारिवारिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए प्रदेश के भीतर उपलब्ध विरासत स्थलों को प्राथमिकता दें। उन्होंने पर्यटन विभाग को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के हेरिटेज स्थल, प्राचीन किले, ईको टूरिज्म साइट्स और सांस्कृतिक परिसर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। मंत्री ने मिर्जापुर स्थित ऐतिहासिक चुनार किला एवं राजधानी लखनऊ की छतर मंजिल को शीघ्र तैयार करने की भी निर्देश दिए।

बिना अनुमति निदेशालय आने से बचें- अपर मुख्य सचिव

बैठक में अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित, अनुशासित और प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि 'विभिन्न जनपदों के क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, वरिष्ठ अधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना निदेशालय आने से बचें। आवश्यक बैठकें एवं समन्वय कार्यों के लिए वर्चुअल माध्यमों का अधिकतम उपयोग करें। उन्होंने ये भी कहा कि इस व्यवस्था से समय और संसाधनों की बचत के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।' बैठक में महानिदेशक पर्यटन वेदपति मिश्रा, निदेशक पर्यटन (इको टूरिज्म) पुष्प कुमार के0, यूपीएसटीडीसी एमडी आशीष कुमार सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले नई सड़कें-पुल और पुलियों का होगा निर्माण

● पीडब्ल्यूडी ने जिलों से 25 मई तक मांगे प्रस्ताव

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) आगामी विधानसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश में 36 हजार करोड़ रुपये की नई सड़क, पुल और पुलिया परियोजनाओं को शुरू करने की तैयारी में है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। अगले वर्ष होने वाले विधान सभा चुनाव को देखते हुए लोक निर्माण विभाग इस वर्ष नई सड़कें, पुल व पुलियों के निर्माण कार्यों को जल्द शुरू करा देने की तैयारी में है। इस साल शुरू किए जाने वाले नए निर्माण कार्यों की कार्ययोजना हर हाल में 25 मई तक भेज देने के निर्देश जिलों को दिए गए हैं। जिलों की कार्ययोजना से लगभग 36 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत करते हुए समस्त कार्य अगस्त तक शुरू करा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में लोक निर्माण विभाग को निर्माण कार्यों के लिए 35,156 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जिसमें से एक तिहाई बजट 11,718 करोड़ रुपये से नए निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इस बजट के सापेक्ष शासन स्तर से लगभग 36 हजार करोड़ रुपये के नए निर्माण कार्यों को स्वीकृत किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी के विभागाध्यक्ष एके द्विवेदी ने बताया है कि 47 जिलों के जिलाधिकारियों ने बैठक कर जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों को शामिल करते हुए अपनी कार्ययोजना भेज दी है। बचे हुए जिलों को हर हाल में 25 मई तक कार्ययोजना भेज देने का निर्देश दिया गया है। सभी जिलों की कार्ययोजना मिल जाने पर इस साल कराए जाने वाले कार्यों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया है कि चालू निर्माण कार्यों को गति देने के लिए इस महीने 6200 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, इसी महीने और 1800 करोड़ रुपये चालू कार्यों के लिए दिए जाएंगे। 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 18 परियोजनाओं का शिलान्यास भी जल्द कराए जाने की तैयारी की जा रही है।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत कोतवाली महमूदाबाद पुलिस द्वारा नगर के विभिन्न सार्वजनिक एवं हॉटस्पॉट क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा एवं सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अभियान के दौरान हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 181, 112, 108 एवं 102 आदि के बारे में विस्तार से बताया गया तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। यह जागरूकता अभियान रमकुंडा चौराहा, संकटा देवी धाम, ट्रेंड्स मॉल, पंजाब नेशनल बैंक, बजाज चौराहा, चिक मंडी, रेलवे स्टेशन एवं सिंधौली क्रॉसिंग सहित विभिन्न हॉटस्पॉट स्थानों पर चलाया गया। इस दौरान स्कूलों से आने-जाने वाली छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्य बताते हुए उन्हें महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण के प्रति प्रेरित किया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं को जागरूक करते हुए किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और सशक्त नारी बनने का संदेश भी दिया गया। अभियान में महिला आरक्षी कविता शर्मा, महिला आरक्षी काजल सक्सेना, महिला आरक्षी अंजली, महिला आरक्षी प्रियंका एवं महिला आरक्षी रचना मौजूद रहीं।

तेज आंधी से शिव-पार्वती मंदिर क्षतिग्रस्त तीन शेड गिरने से मंदिर को हुआ नुकसान, बड़ा हादसा टला

रामकोट (सीतापुर)- दिन में आई तेज आंधी और खराब मौसम के चलते ग्राम शुल्तानपुर, पोस्ट रामकोट, जिला सीतापुर स्थित प्राचीन शिव-पार्वती मंदिर के तीन शेड अचानक गिर गए, जिससे मंदिर परिसर क्षतिग्रस्त हो गया।मंदिर के पुजारी श्री राधा कृष्ण अवस्थी ने बताया कि घटना के समय मंदिर परिसर में कोई श्रद्धालु मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। शेड गिरने से मंदिर परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।स्थानीय लोगों के अनुसार तेज हवा और बारिश के कारण शेड कमजोर होकर गिर पड़े। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन मंदिर को काफी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मंदिर की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने इसे भगवान शिव की कृपा बताते हुए कहा कि 'गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई!

राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रतीक यादव को बताया समझदार

● सुलझा हुआ और विवादों से दूर रहने वाला इंसान, निधन पर स्तब्ध

मुलायम सिंह यादव जी के सगे बेटे नहीं थे प्रतीक यादव, लेकिन नेता जी उनको अपने सगे बेटे से कम नहीं मानते थे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव की बुधवार को संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत पर उनको जानने वाले स्तब्ध हैं। प्रतीक यादव के नजदीकी रिश्तेदार और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपनी शोक संवेदना सोशल मीडिया पर पोस्ट की। बिहार विधानसभा में राघोपुर से विधायक तेजस्वी यादव ने प्रतीक यादव को एक सुलझा हुआ इंसान बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि प्रतीक यादव अपनी अलग पहचान बनाना चाहता था। बिहार के उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी यादव की बहन राज लक्ष्मी यादव से अखिलेश यादव के चचेरे भाई तेज प्रताप सिंह यादव तेजू का 2015 में विवाह हुआ था। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सबसे छोटी बेटी राज लक्ष्मी यादव से विवाह करने वाले तेज प्रताप मैनपुरी के करहल से विधायक हैं। तेजस्वी यादव ने मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव के निधन पर बेहद दुख जताने के साथ लिखा कि प्रतीक यादव ने हमेशा कहा कि अखिलेश तो बड़े भाई हैं। राजनीति वही करेंगे, मुझे उसमें कोई बंटवारा नहीं चाहिए। आज नेताजी मुलायम सिंह यादव जी के दूसरी पत्नी साधना गुप्ता जी के बेटे प्रतीक यादव अचानक इस दुनिया को छोड़कर चले गए, ये खबर भीतर तक तोड़ देने वाली है। देश के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार से होने के बावजूद उन्होंने खुद को राजनीति की चकाचौंध से दूर रखा। राष्ट्रीय जनता दल की कमान संभालने वाले तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रतीक ने राजनीति से दूर रहकर फिटनेस, प्रकृति और शांत जीवन को चुना। 38 वर्ष की उम्र में इतना फिट और अनुशासित इंसान यूं अचानक चला जाएगा, यकीन करना मुश्किल है। उनकी बातों में कभी लालच नहीं दिखा, न सत्ता की भूख, न विरासत की लड़ाई... बस एक सुलझा हुआ इंसान, जो अपनी अलग पहचान बनाना चाहता था। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति दें। मुलायम सिंह यादव जी के सगे बेटे नहीं थे प्रतीक यादव, लेकिन नेता जी उनको अपने सगे बेटे से कम नहीं मानते थे। अखिलेश यादव जी के सगे भाई नहीं थे प्रतीक यादव लेकिन अखिलेश जी उनको अपने सगे भाई की तरह मानते थे। कुछ भी लेकिन अपने तो अपने होते हैं और अपनों को जाने का दुःख कोई दूसरा नहीं समझ सकता।

लखनऊ में सैलून मैनेजर की आत्महत्या के मामले में पांच नामजद समेत अज्ञात पर मुकदमा

● फंदे से लटककर दी थी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। शहीद पथ के शालीमार वन वर्ड में सोमवार रात निजी सैलून मैनेजर की आत्महत्या के मामले में बुधवार को पिता की तहरीर पर पांच नामजद समेत अज्ञात पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज हुआ है। गोमती नगर विस्तार थाने की पुलिस तहरीर और आत्महत्या के पहले बनाए गए वीडियो, मृतका के मोबाइल फोन और इंटरनेट मीडिया अकाउंट की मदद से मामले की जांच कर रही है। गोरखपुर के कैंट स्थित बिछिया गांव निवासी 32 वर्षीय रतना सिंह शहीद पथ के शालीमार वन वर्ड टावर सी-1 के फ्लैट 804 में रहती थी। सोमवार रात 2:30 बजे रतना के एक परिचित ने पुलिस को सूचना दी की उन्होने अपने फ्लैट में फंदे से लटककर जान दे दी है। रतना निजी सैलून की मैनेजर थी। देर रात उन्होंने रोते हुए अपनी एक सहेली को फोन किया और कहा कि वह आत्महत्या करने जा रही हैं। सहेली ने रतना के एक परिचित को फोन कर पूरी बात बताई। इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को छत पर लगे पंखे में दुपट्टे के फंदे से नीचे उतारा। घटना के पहले रतना ने 25 सेकंड का एक वीडियो भी बनाया था। पिता सुधीर कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि वीडियो में बेटी ने विरासत कंपनी में साथ करने वाले शरद सिंह, शरद की पत्नी पल्लवी जोशी, मंगल

यादव, वैशाली और प्रशांत वर्मा समेत अज्ञात पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। इसके बारे में बेटी ने उन्हें पहले बताया भी था लेकिन उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। परेशान होकर उसने आत्महत्या कर ली। इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी ने कहा कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की भूमिका पता लगाई जा रही है।

आशुतोष बृजमोहन लाल मेमोरियल कॉलेज का इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम शानदार, श्रीयुत गुप्त ने किया टॉप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद (सीतापुर)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा घोषित इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में क्षेत्र के आशुतोष बृजमोहन लाल मेमोरियल कॉलेज का प्रदर्शन शानदार रहा। विद्यालय के छात्र श्रीयुत गुप्त ने 91.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। सीता ग्रुप ऑफ एजूकेशन की सीबीएसई शाखा आशुतोष बृजमोहन लाल मेमोरियल कॉलेज की टॉप-टेन सूची में आस्था पटेल ने 90.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि अब्दुल्ला अंसारी 90.20 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा आंचल वर्मा ने 88.80 प्रतिशत, वैभव राज वर्मा ने 88.40 प्रतिशत, अंशराज वर्मा ने 88.00 प्रतिशत, आर्यन वर्मा ने 87.60 प्रतिशत, नैंसी पोरवाल ने 86.20 प्रतिशत, प्रांजुल वर्मा ने 85.80 प्रतिशत तथा अदिति वर्मा ने 85.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों की इस सफलता पर संस्था के चेयरमैन आरके वाजपेयी, डिप्टी मैनेजर आंजनेय आशीष, वागीश दिनकर, क्वार्डिनेटर ऋतुजा वाजपेयी, उप प्रधानाचार्य रवि शुक्ल, मनोज गुप्त सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने खुशी व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

तेज आंधी से पेड़ गिरने से दो मकान, एक कार क्षतिग्रस्त

सिद्धार्थनगर। विकास खंड भनवापुर के बुढ़ऊ में बुधवार को आई तेज आंधी में पेड़ गिरने से दो मकान सहित एक कार क्षतिग्रस्त हो गया।बुढ़ऊ निवासी राजकुमार पुत्र देवनाथ के मकान के बगल में स्थिति पेड़ तेज आंधी में टूट कर गिर गया ।जिससे राजकुमार के घर का छज्जा टूट कर गिर गया और बगल के अमित श्रीवास्तव के घर व बाउंड्री सहित खड़ी कार क्षतिग्रस्त हो गई।

रिजल्ट ने छीनी बेटे की मुस्कान, CBSE 12वीं में हुआ फेल; कमरे में फांसी लगाकर दे दी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से एक छात्र की आत्महत्या की दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां के कछवां कोतवाली क्षेत्र में सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम के बाद छात्र इतना गमगीन हो गया कि उसने आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम उठा लिया. इस कदम से एक हंसते खेलते परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं परिजनों ने शव का पंचनामा करने के बाद शव वापस सौंप की मांग कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मामला कछवां कोतवाली के भैसा गांव का है। वीकेएस स्कूल में पढ़ने वाला छात्र शिवांश चौबे बुधवार को सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट की रिजल्ट आने पर घर से निकलकर रिजल्ट देखने गया।

फेल होने पर चुपचाप घर वापस आ गया. एक कमरे में गया और अंदर से कमरा बंद कर लिया बेडशीट का फंदा बनाकर पंखे के हुक से फंदा लगाकर झूल गया. मां कमरे के पास गई और बोली बेटा रिजल्ट देखें कि नहीं देखें, कोई आवाज नहीं आने पर कमरे के पास गई तो देखा दरवाजा अंदर से बंद था।

पंखे से लगाई फांसी

मां ने जब खिड़की से देखा तो उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई. बेटा फांसी के फंदे से लटका हुआ था. मां इस हालत में बेटे को देखकर दहाड़े मारकर कमरे के पास रोने लगी. परिजनों ने पहुंचकर दरवाजे को तोड़कर छात्र को नजदीकी अस्पताल क्रिश्चियन ले गए, जहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया।

घर का इकलौता बेटा था छात्र

बताया जा रहा कछवां थाना क्षेत्र के भाई साहब गांव के रहने वाले अनुज चौबे का इकलौता बेटा शिवांश था जो वी के एस स्कूल में पढ़ता था.वही कछवां थाना प्रभारी अमरजीत चौहान ने बताया कि एक छात्रा ने सुसाइड किया है पंचनामा कारकर पोस्टमार्टम भेजने की तैयारी की जा रही है, लेकिन परिजन चाहते हैं कि पंचनामा कर शव सौप दी जाए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

यूपी में फ्री सिविल सर्विस की तैयारी के लिए 18 मई से शुरू होगा आवेदन

लखनऊ। आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी युवाओं को प्रशासनिक सेवा की परीक्षा की तैयारी के लिए समाज कल्याण विभाग प्रोत्साहित करता रहा है। विभाग ने सत्र 2026-27 के लिए प्रदेश में संचालित आठ आवासीय निश्शुल्क आईएएस-पीसीएस परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्रों में प्रवेश के लिए सम्मिलित प्रवेश परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन 18 मई से 18 जून 2026 तक विभागीय वेबसाइटपर किए जा सकेंगे। प्रवेश पत्र 25 जून से डाउनलोड होंगे, जबकि सम्मिलित प्रवेश परीक्षा पांच जुलाई को होगी। परीक्षा परिणाम 28 जुलाई तक घोषित होगा। वहीं नया शैक्षणिक सत्र एक अगस्त 2026 से शुरू किया जाएगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी एवं जिनके परिवार की वार्षिक आय छह लाख रुपये या उससे कम है, वो आवेदन कर सकते हैं। समाज कल्याण की प्रवेश परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को विषय विशेषज्ञ और वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलेगा। उन्हें निश्शुल्क आवासीय सुविधा, भोजन, पुस्तकालय, आनलाइन और आफलाइन कक्षाएं, टेस्ट सीरीज और मुख्य परीक्षा के साथ ही इंटरव्यू के लिए विशेष सत्र की सुविधाएं दी जाएगी। हाल ही में घोषित परीक्षा में 44 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है।

जल संरक्षण की नई क्रांति, 'एक जिला-एक नदी' अभियान से बदली छोटी नदियों की सूरत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 'एक जिला-एक उत्पाद' की वैश्विक सफलता के बाद अब 'एक जिला-एक नदी' अभियान के जरिए जल संरक्षण और पर्यावरण पुनरुद्धार की नई इबारत लिख रही है। इसके जरिए नदियों को साफ करने, विलुप्त हो चुकी जलधाराओं को पुनर्जीवित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया जा रहा है। स्वच्छ गंगा मिशन के तहत नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने कई विभागों के साथ मिलकर प्रदेशभर में छोटी नदियों के पुनरुद्धार के लिए परिवर्तनकारी पहल की है। पीलीभीत में 16 ग्राम पंचायतों में फैली 47 किलोमीटर के क्षेत्र में गोमती नदी का पुनरुद्धार किया गया। कई जगहों पर नहर को चौड़ा व गहरा किया गया। साथ ही 23 तालाबों का जीर्णोद्धार करने और घाटों के निर्माण के माध्यम से नदी ने अपना निरंतर प्रवाह फिर से प्राप्त कर लिया है। इससे 1,53,000 से अधिक मानव-दिवस का रोजगार सृजित हुआ, जबकि 500 से अधिक किसानों ने प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाया। घाटों पर शाम की आरती और योग सत्रों ने गोमती को एक पवित्र और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में पुनः स्थापित किया है। बुलंदशहर में 'वीबी-जी राम जी' के जरिए 29 किलोमीटर में नीम नदी का पुनरुद्धार किया गया। इसमें किसानों ने भी स्वेच्छा से सहयोग किया। इस पहल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में सराहना भी की थी। इसके साथ ही कारवान नदी और काली नदी का भी पुनरुद्धार किया गया, जहां दर्जनों ग्राम पंचायतों में गाद निकालने, पौधरोपण और सामुदायिक भागीदारी से घाटों पर सिंचाई, जैव विविधता और सांस्कृतिक प्रथाओं को बहाल किया गया।इसी तरह छोटे-छोटे नालों में बदल चुकी संभल की सोत नदी को जनभागीदारी से जीवनदान दिया गया। रामपुर में रेवती, नाहल और नीली, तीन मौसमी धाराओं को पुनर्जीवित किया गया। यहां नहरों की सफाई, रिचार्ज पिट (वर्षा जल संचयन), फिल्टर कक्ष और पौधरोपण से बड़ा बदलाव आया।

पूरे प्रदेश में दिखेंगे बेहतर परिणाम

राज्य स्वच्छ गंगा मिशन परियोजना निदेशक जोगिन्द्र सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में छोटी नदियों के जीर्णोद्धार से शानदार

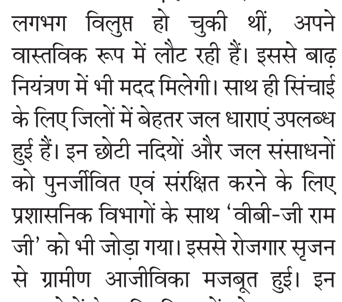

परिणाम सामने आए हैं। ये नदियां जो कभी लगभग विलुप्त हो चुकी थीं, अपने वास्तविक रूप में लौट रही हैं। इससे बाढ़ नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। साथ ही सिंचाई के लिए जिलों में बेहतर जल धाराएं उपलब्ध हुई हैं। इन छोटी नदियों और जल संसाधनों को पुनर्जीवित एवं संरक्षित करने के लिए प्रशासनिक विभागों के साथ 'वीबी-जी राम जी' को भी जोड़ा गया। इससे रोजगार सृजन से ग्रामीण आजीविका मजबूत हुई। इन जलस्रोतों के जरिए किसानों को आस-पास के क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करने में भी मदद मिल रही है। नदियों के पुनरुद्धार के साथ घाटों पर सांस्कृतिक परंपराओं का भी पुनर्जीवन हो रहा है। लगभग सभी जगहों पर अब दैनिक आरती और योग सत्र भी हो रहे हैं। सीएम योगी के विजन 'एक जिला-एक नदी कार्यक्रम' के बेहतरीन परिणाम जल्द ही पूरे उत्तर प्रदेश में देखने को मिलेंगे।

परीक्षा नहीं, भविष्य लीक हुआ है

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएँ अब केवल करियर का माध्यम नहीं रह गई हैं; वे करोड़ों परिवारों की आकांक्षाओं, सामाजिक गतिशीलता और आर्थिक भविष्य का केंद्र बन चुकी हैं। यही कारण है कि जब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 को कथित पेपर लीक और 'क्वेश्चन बैंक' विवाद के बाद रद्द किया गया, तो यह केवल एक परीक्षा का स्थगन नहीं था। यह उस भरोसे पर आघात था, जिसके आधार पर लाखों छात्र वर्षों तक तैयारी करते हैं और परिवार अपनी जमा-पूंजी दांव पर लगाते हैं। देशभर से लगभग 24 लाख छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया था। मेडिकल शिक्षा की सीमित सीटों और अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के बीच यह परीक्षा देश की सबसे कठिन और निर्णायक परीक्षाओं में मानी जाती है। लेकिन परीक्षा के कुछ ही दिनों बाद राजस्थान, उत्तराखंड और अन्य राज्यों से सामने आई रिपोर्टों ने पूरे तंत्र को कटघरे में खड़ा कर दिया। जांच एजेंसियों के अनुसार परीक्षा से पहले एक कथित 'क्वेश्चन बैंक' छात्रों तक पहुंचा, जिसमें मौजूद बड़ी संख्या में प्रश्न वास्तविक परीक्षा से मेल खाते पाए गए।

राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह की जांच में सामने आया कि सीकर, जयपुर और झुंझुनूं जैसे कोचिंग केंद्रों में परीक्षा से पहले प्रश्न सामग्री प्रसारित हुई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह सामग्री व्हाट्सऐप और अन्य एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से कई छात्रों तक पहुंची। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि कथित प्रश्न बैंक में 300 से अधिक प्रश्न थे, जिनमें से लगभग 150 प्रश्न हूबहू परीक्षा में दिखाई दिए। यदि यह तथ्य पूरी तरह सिद्ध होता है, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि संगठित परीक्षा अपराध की श्रेणी में आता है। इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक पक्ष यह नहीं कि पेपर लीक हुआ या नहीं; बल्कि यह है कि अब छात्रों और अभिभावकों का एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में केवल मेहनत पर्याप्त नहीं रह गई। यही भावना किसी भी लोकतांत्रिक शिक्षा व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा संकट है।

भारत में मेडिकल सीटों की स्थिति अत्यंत असंतुलित है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश में एमबीबीएस की कुल सीटें लगभग 1.20 लाख के आसपास हैं, जबकि परीक्षा देने वाले छात्रों की संख्या 24 लाख तक पहुंच चुकी है। इसका सीधा अर्थ है कि हर 20 छात्रों में केवल 1 छात्र को मेडिकल सीट मिल पाती है। यह अनुपात न केवल प्रतियोगिता को असामान्य रूप से कठोर बनाता है, बल्कि मानसिक दबाव को भी कई गुना बढ़ा देता है। कोटा, सीकर, पटना, दिल्ली और हैदराबाद जैसे कोचिंग केंद्र अब केवल शिक्षा के स्थल नहीं, बल्कि एक समानांतर परीक्षा अर्थव्यवस्था में बदल चुके हैं। एक छात्र की वार्षिक तैयारी लागत औसतन 2 लाख से 5 लाख रुपये तक पहुंच जाती है। इसमें कोचिंग फीस, हॉस्टल, भोजन, टेस्ट सीरीज, किताबें और डिजिटल सब्सक्रिप्शन शामिल हैं। लाखों परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा इस उम्मीद में निवेश करते हैं कि परीक्षा प्रणाली निष्पक्ष होगी। लेकिन जब परीक्षा रद्द होती है, तब केवल परीक्षा केंद्र नहीं टूटता- पूरा पारिवारिक संतुलन हिल जाता है।कई छात्रों ने सोशल मीडिया मंचों पर लिखा कि वे दोबारा उसी मानसिक स्थिति में तैयारी नहीं कर पाएंगे। कुछ ने वर्षों की मेहनत को 'अनिश्चित व्यवस्था का शिकार' बताया। यह प्रतिक्रिया केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक थकान का संकेत है जो आज के प्रतियोगी युवा समाज की वास्तविकता बन चुकी है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि आज का युवा केवल परीक्षा नहीं दे रहा, बल्कि वह लगातार तुलना, प्रतिस्पर्धा और सामाजिक दबाव के बीच जी रहा है। एक ओर परिवार की उम्मीदें हैं, दूसरी ओर लगातार बढ़ती फीस, सीमित अवसर और अस्थिर रोजगार बाजार। ऐसे समय में यदि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगें, तो उसका प्रभाव केवल रिजल्ट तक सीमित नहीं रहता; वह युवाओं के आत्मविश्वास और सामाजिक भरोसे को भी प्रभावित करता है। नीट विवाद कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। कभी तकनीकी गड़बड़ी, कभी सर्वर फेल, कभी पेपर लीक और कभी मूल्यांकन विवाद – इन घटनाओं ने परीक्षा एजेंसियों की विश्वसनीयता को कमजोर किया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की स्थापना इसी उद्देश्य से की गई थी कि देश में एक पारदर्शी, आधुनिक और तकनीकी रूप से सुरक्षित परीक्षा प्रणाली विकसित हो सके। लेकिन आज वही संस्था लगातार विवादों के केंद्र में दिखाई दे रही है। यह केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं, बल्कि संस्थागत जवाबदेही का प्रश्न है। परीक्षा प्रणाली केवल तकनीक से सुरक्षित नहीं होती। किसी भी परीक्षा की विश्वसनीयता पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध कार्रवाई पर आधारित होती है। यदि इन तीनों में कमी आए, तो तकनीकी सुरक्षा भी पर्याप्त नहीं रह जाती।

नीट 2026 विवाद ने यह भी स्पष्ट किया कि डिजिटल युग में परीक्षा अपराधों का स्वरूप बदल चुका है। पहले प्रश्नपत्र फोटोकॉपी और कागजों के माध्यम से लीक होते थे; अब एन्क्रिप्टेड ऐप, निजी चैनल, क्लाउड शेयरिंग और 'फॉरवर्डेड मेनी टाइम्स' जैसे डिजिटल संकेत पूरे नेटवर्क का हिस्सा बन चुके हैं। यानी परीक्षा सुरक्षा अब केवल परीक्षा केंद्र तक सीमित नहीं रह सकती। इस पूरे विवाद की सबसे गहरी परत सामाजिक असमानता से जुड़ी हुई है। भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं लंबे समय तक सामाजिक गतिशीलता का माध्यम रही हैं। गांवों और छोटे शहरों के लाखों छात्रों के लिए यह अवसर था कि वे सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन की दिशा बदल सकें। लेकिन जब परीक्षा प्रक्रिया पर संदेह बढ़ने लगे, तब यह विश्वास कमजोर होता है कि 'मेहनत से सफलता संभव है।' एक ओर वे छात्र हैं जो लाइब्रेरी, किराये के कमरों और सीमित संसाधनों के बीच तैयारी करते हैं। दूसरी ओर कुछ ऐसे नेटवर्क दिखाई देते हैं जिनके पास तकनीकी पहुंच, प्रभाव और गोपनीय सूचना पहले से उपलब्ध रहती है। यही वह बिंदु है जहां प्रतियोगिता धीरे-धीरे समान अवसर से हटकर 'संपर्क आधारित लाभ' में बदलने लगती है। यदि यह धारणा युवाओं के मन में स्थायी रूप से बैठ जाती है, तो उसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास को भी कमजोर करेगा। परीक्षा रद्द होने का आर्थिक प्रभाव भी अत्यंत गंभीर है। लाखों छात्रों को पुनः यात्रा, आवास, अध्ययन सामग्री और मानसिक तैयारी की प्रक्रिया से गुजरना होगा। जिन परिवारों ने पहले ही भारी खर्च किया है, उनके लिए यह दोहरी मार जैसी स्थिति है। यदि औसतन प्रत्येक छात्र की तैयारी और परीक्षा से संबंधित लागत 3 लाख रुपये मानी जाए, तो 24 लाख छात्रों पर यह राशि लगभग 72 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचती है। यह केवल एक अनुमानित गणना है, लेकिन इससे स्पष्ट होता है कि प्रतियोगी परीक्षाएं आज एक विशाल आर्थिक ढांचे में बदल चुकी हैं।

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है, लेकिन यही युवा वर्ग आज सबसे अधिक असुरक्षित और बेचैन दिखाई देता है। रोजगार की सीमित संभावनाएं, बढ़ती प्रतियोगिता, परीक्षा विवाद और आर्थिक दबाव – ये सभी मिलकर एक गहरी सामाजिक अस्थिरता पैदा कर रहे हैं। युवाओं की नाराजगी केवल किसी एक परीक्षा को लेकर नहीं है; यह उस भावना से जुड़ी है कि व्यवस्था उनकी मेहनत के अनुरूप भरोसेमंद नहीं रह गई। यही कारण है कि सोशल मीडिया पर केवल विरोध नहीं, बल्कि व्यंग्य, निराशा और अविश्वास का स्वर भी तेज होता जा रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह अत्यंत गंभीर संकेत माना जाता है। क्योंकि किसी भी राष्ट्र की स्थिरता केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि उसकी युवा पीढ़ी के भरोसे से तय होती है। सरकार ने मामले की जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दी है और पुनर्परीक्षा की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लेकिन प्रश्न केवल दोषियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। आवश्यकता उस व्यापक ढांचे की समीक्षा की है जिसमें देश की सबसे बड़ी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। यह समय केवल तकनीकी सुधारों का नहीं, बल्कि संस्थागत पुनर्विश्वास का है। परीक्षा प्रणाली को इस स्तर तक पारदर्शी बनाना होगा कि छात्रों को यह महसूस हो सके कि उनका भविष्य किसी 'नेटवर्क' या 'लीक' से नहीं, बल्कि उनकी मेहनत से तय होगा। नीट 2026 विवाद ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की सबसे बड़ी चुनौती केवल रोजगार या शिक्षा नहीं, बल्कि भरोसे की पुनर्स्थापना है। क्योंकि जब युवाओं का विश्वास टूटता है, तब केवल परीक्षा नहीं हारती – पूरा समाज असुरक्षित महसूस करने लगता है।

अवनीश कुमार गुप्ता

एन टी ए की नाकामयाबी,अब नीट क्लीन नहीं...

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

एक बार फिर एनटीए की विश्वसनीयता धूल में मिल गई है। नीट यूजी 2026 परीक्षा, जो चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश का सबसे बड़ा द्वार मानी जाती है, कथित पेपर लीक के घिनौने कांड में फंस गई। लाखों छात्रों के सपनों को एक रात में कुचल दिया गया है और अब यह सवाल हर किसी के मन में है - क्या एनटीए अब किसी भी परीक्षा को 'क्लीन' तरीके से आयोजित कर पाने में सक्षम है? राजस्थान पुलिस की एसओजी टीम ने जो 'गेस पेपर' बरामद किया, उसमें वास्तविक नीट प्रश्नों से भारी समानता पाई गई। केमिस्ट्री और बायोलॉजी के दर्जनों प्रश्न पहले से व्हाट्सएप ग्रुप्स और कोचिंग सेंटर्स (खासकर सीकर क्षेत्र) में घूम रहे थे। कुछ रिपोर्ट्स में इसे लाखों रुपये में बेचे जाने का भी आरोप है। 22 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने मेहनत की, रात-दिन पढ़ाई की और परिवारों ने आर्थिक बलिदान दिए - सब कुछ कुछ घंटों की साजिश के आगे बेकार हो गया।

यह एनटीए की निरंतर नाकामयाबी का दुखद प्रमाण है। पिछले कई वर्षों से लगातार विवाद, ग्रेस मार्किंग, पेपर लीक और प्रक्रियागत खामियों ने इस संस्था का भरोसा लगातार क्षीण किया है। जीपीएस, बायोमेट्रिक और एआई निगरानी जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं के बावजूद पेपर लीक हो जाना सिस्टम की जड़ों में गहरी सड़न को उजागर करता है। कोचिंग माफिया, भ्रष्ट अधिकारियों और लापरवाह निगरानी का गठजोड़ युवा पीढ़ी के भविष्य को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है।

नीट अब 'क्लीन' नहीं रहा। यह शब्द अब व्यंग्य बन गया है। छात्रों का आक्रोश जायज है। उनकी मेहनत, समय और भावी सपनों के साथ बार-बार खिलवाड़ हो रहा है। एनटीए को अब सिर्फ दोषियों पर सख्त कार्रवाई और सीबीआई जांच से आगे बढ़कर सोचना होगा। पूरी परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी, डिजिटल और लीक-प्रूफ बनाने के लिए ठोस सुधार अनिवार्य हैं। समय आ गया है कि सरकार और एनटीए दोनों जिम्मेदारी लें। देरी न हो। दोषियों पर तुरंत कार्रवाई हो, जल्द से जल्द स्वच्छ पुनर्परीक्षा आयोजित की जाए और सबसे महत्वपूर्ण- छात्रों के भरोसे को वापस जीता जाए। क्योंकि नीट सिर्फ एक परीक्षा नहीं, लाखों सपनों का नाम है।

नीट परीक्षा रद्द होना- सरकार की साख पर बड़ा सवाल

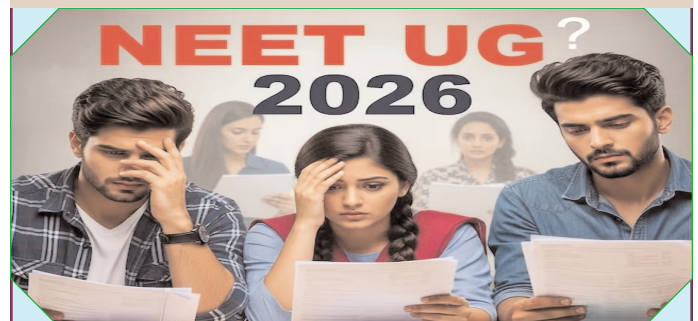

देश में हाल ही में आयोजित नीट परीक्षा में करीब 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इन विद्यार्थियों ने डॉक्टर बनने का सपना साकार करने के लिए वर्षों तक कठिन परिश्रम किया, घर-परिवार से दूर रहकर दिन-रात पढ़ाई की और अपने भविष्य को संवारने के लिए हर संभव त्याग किया। लेकिन परीक्षा समाप्त होते ही पेपर लीक की खबरों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। जांच एजेंसियों के लगातार खुलासों से यह स्पष्ट हो गया कि प्रश्नपत्र बड़े पैमाने पर और सुनियोजित तरीके से लीक किए गए थे। यह कार्य इतनी सफाई और चालाकी से किया गया कि प्रारंभ में किसी को संदेह तक नहीं हुआ। आखिरकार सरकार को इस गंभीर मामले को स्वीकार करते हुए परीक्षा रद्द करनी पड़ी तथा सीबीआई जांच के आदेश जारी करने पड़े। साथ ही परीक्षा दोबारा आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

देश की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा का पेपर लीक होना केवल एक परीक्षा की विफलता नहीं, बल्कि पूरे सरकारी तंत्र की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन संस्थाओं पर लाखों विद्यार्थियों के भविष्य की जिम्मेदारी थी, वे अपनी गोपनीयता और विश्वसनीयता बनाए रखने में असफल साबित हुईं। इसका सबसे बड़ा नुकसान उन मेहनती विद्यार्थियों को हुआ, जिन्होंने ईमानदारी और संघर्ष के बल पर सफलता पाने का सपना देखा था। नीट परीक्षा का रद्द होना सरकार के लिए भी किसी बड़े झटके से कम नहीं है। यह घटना सरकार की साख और परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता दोनों पर गहरा आघात करती है। हालांकि सीबीआई जांच से उम्मीद की जा रही है कि इस घोटाले में शामिल बड़े चेहरे बेनकाब होंगे, लेकिन इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और गोपनीय प्रक्रिया के बावजूद प्रश्नपत्र बाहर कैसे पहुंच जाते हैं?

आज देश में लगातार हो रहे पेपर लीक के मामलों ने प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता को कमजोर किया है। यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि देश के युवाओं के सपनों और भविष्य के साथ खिलवाड़ है। केंद्र और राज्य सरकारों को इस समस्या को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों पर सख्त कानूनी प्रावधानों के तहत मुकदमे दर्ज हों, ताकि भविष्य में कोई भी विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने का साहस न कर सके।

देश का युवा वर्ग केवल निष्पक्ष अवसर चाहता है। यदि परीक्षा प्रणाली पर ही विश्वास समाप्त हो गया, तो यह किसी भी राष्ट्र के लिए अत्यंत चिंताजनक स्थिति होगी। इसलिए सरकार को केवल दोषियों को पकड़ने तक सीमित न रहकर ऐसी मजबूत व्यवस्था विकसित करनी होगी, जिससे भविष्य में किसी भी परीक्षा की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न न लगे।

अरविंद रावल

अंतरिक्ष से आई 'संगीत' जैसी लहरें

मानव सभ्यता ने सदियों तक आकाश को केवल चमकते तारों की दुनिया माना। कभी उसे देवताओं का निवास कहा गया, कभी भाग्य का दर्पण और कभी अनंत रहस्यों का महासागर। लेकिन विज्ञान ने जब दूरबीनों और रेडियो उपकरणों की सहायता से अंतरिक्ष को सुनना शुरू किया, तब पता चला कि ब्रह्मांड केवल दृश्य संसार नहीं है, बल्कि वह लगातार संकेतों, तरंगों और अदृश्य कंपन से भरा हुआ है। हाल के वर्षों में खगोलविदों ने ऐसी अनेक रेडियो तरंगें पकड़ी हैं, जिन्होंने वैज्ञानिकों को चौंका दिया। अब एक बार फिर अंतरिक्ष से आने वाली एक रहस्यमयी रेडियो लहर चर्चा में है। इस संकेत में एक निश्चित लय है, जो सुनने में किसी तबले की थाप जैसी प्रतीत होती है। वैज्ञानिक इसे किसी न्यूट्रॉन तारे की गतिविधि से जोड़ रहे हैं, जबकि सामान्य लोग इसे 'ब्रह्मांड का संगीत' कहकर रोमांचित हो रहे हैं।

यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्यतः अंतरिक्ष को मौन माना जाता है। वास्तव में अंतरिक्ष में ध्वनि वैसे नहीं फैलती जैसे पृथ्वी के वातावरण में फैलती है, क्योंकि वहाँ हवा नहीं होती। लेकिन रेडियो तरंगें अंतरिक्ष में बहुत आसानी से यात्रा करती हैं। वैज्ञानिक इन रेडियो तरंगों को विशेष उपकरणों की सहायता से पकड़ते हैं और फिर उन्हें श्रव्य रूप में परिवर्तित करते हैं। जब यह परिवर्तन किया जाता है तो कई बार इन संकेतों में लय, ताल और दोहराव सुनाई देता है। यही कारण है कि लोग उन्हें संगीत जैसा अनुभव करने लगते हैं। जिस संकेत की चर्चा हो रही है, उसमें कुछ मिनटों या घंटों के अंतराल पर नियमित धड़कन जैसी तरंगें दर्ज की गई हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह किसी अत्यंत घने मृत तारे से आ सकती हैं। ऐसे तारों को न्यूट्रॉन तारा कहा जाता है। जब कोई विशाल तारा अपने जीवन के अंतिम चरण में विस्फोट करता है, तब उसके केंद्र का भाग अत्यधिक संकुचित होकर न्यूट्रॉन तारे में बदल जाता है। इन तारों का आकार बहुत छोटा होता है, लेकिन उनका घनत्व इतना अधिक होता है कि एक चम्मच पदार्थ का भार करोड़ों टन तक हो सकता है।

न्यूट्रॉन तारे अत्यंत तीव्र गति से घूमते हैं। कई तारे प्रति सेकंड कई बार घूम सकते हैं। जब उनके चुंबकीय ध्रुवों से रेडियो तरंगें निकलती हैं और वे पृथ्वी की दिशा में आती हैं, तब हमें वे नियमित अंतराल पर दिखाई देती हैं। इस प्रक्रिया को समझाने के लिए वैज्ञानिक अक्सर प्रकाश स्तंभ का उदाहरण देते हैं। जैसे समुद्र में खड़ा प्रकाश स्तंभ घूमते हुए समय समय पर जहाजों की दिशा में प्रकाश भेजता है, उसी प्रकार न्यूट्रॉन तारा भी घूमते हुए पृथ्वी की ओर रेडियो संकेत भेजता है। इन्हें पल्सर कहा जाता है।

अब तक वैज्ञानिकों ने 3000 से अधिक पल्सर खोजे हैं, लेकिन हाल की खोजों ने पुराने सिद्धांतों को चुनौती दी है। कुछ संकेत ऐसे मिले हैं जिनकी धड़कनें बहुत धीमी हैं। एक संकेत हर 22 मिनट में दोहराता पाया गया, जबकि एक अन्य स्रोत लगभग 54 मिनट बाद सक्रिय होता था। इतना ही नहीं, 2025 में वैज्ञानिकों ने एक ऐसे न्यूट्रॉन तारे का संकेत दर्ज किया जिसकी घूर्णन अवधि लगभग 6.45 घंटे थी। यह खोज वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत आश्चर्यजनक थी क्योंकि पुराने सिद्धांतों के अनुसार इतनी धीमी गति वाले न्यूट्रॉन तारों से रेडियो तरंगें नहीं निकलनी चाहिए थीं। इन संकेतों को 'लॉन्ग पीरियड ट्रांजिएंट' नाम दिया गया है। इसका अर्थ है ऐसे स्रोत जो लंबे अंतराल के बाद दोहराए जाने वाले रेडियो संकेत उत्पन्न करते हैं। वैज्ञानिक अभी तक यह पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि ये संकेत आखिर उत्पन्न कैसे होते हैं। कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह अत्यंत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र वाले मैग्नेटार नामक तारों से जुड़े हो सकते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि दो तारों की परिक्रमा के कारण भी ऐसी लय उत्पन्न हो सकती है। हाल ही में एक अध्ययन में यह संभावना व्यक्त की गई कि एक मृत तारा और एक लाल बौने तारे की संयुक्त गतिविधि भी ऐसी रेडियो धड़कनें पैदा कर सकती है।

वैज्ञानिकों के लिए सबसे रोचक बात यह है कि इन संकेतों में नियमितता दिखाई देती है। अंतरिक्ष में अधिकांश घटनाएँ अव्यवस्थित और अनियमित होती हैं, लेकिन जब कोई संकेत लगातार एक निश्चित समयांतराल पर प्राप्त होता है तो वह किसी व्यवस्थित भौतिक प्रक्रिया की ओर संकेत करता है। यही नियमितता लोगों को संगीत का अनुभव कराती है। जब कंप्यूटर इन संकेतों को ध्वनि में बदलते हैं तो वे कभी ढोलक, कभी तबले और कभी इलेक्ट्रॉनिक संगीत जैसी प्रतीत होती हैं। सोशल मीडिया ने इस विषय को और भी लोकप्रिय बना दिया है। लाखों लोग इन संकेतों को सुनकर आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं। कई लोग इसे 'ब्रह्मांड की धड़कन' कह रहे हैं, तो कुछ इसे किसी अनजानी सभ्यता का संदेश मानने लगे हैं। हालांकि वैज्ञानिक इस संभावना को बहुत कम मानते हैं। उनके अनुसार अब तक प्राप्त सभी प्रमाण प्राकृतिक खगोलीय प्रक्रियाओं की ओर संकेत करते हैं। फिर भी यह सच है कि ब्रह्मांड का यह रहस्य आम लोगों की कल्पना को गहराई से प्रभावित कर रहा है।

मानव इतिहास में पहली बार 1967 में जब नियमित रेडियो संकेत खोजे गए थे, तब कुछ वैज्ञानिकों ने मजाक में उन्हें 'छोटे हरे जीवों' का संकेत कहा था। बाद में स्पष्ट हुआ कि वे पल्सर थे। आज भी जब कोई नया और असामान्य संकेत मिलता है, तो लोगों की कल्पनाएँ सक्रिय हो जाती हैं। लेकिन विज्ञान का कार्य कल्पना नहीं, बल्कि प्रमाणों के आधार पर सत्य तक पहुँचना है। इन रेडियो संकेतों को पकड़ने के लिए अत्यंत विशाल रेडियो दूरबीनों का उपयोग किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका जैसे देशों में स्थापित रेडियो वेधशालाएँ लगातार आकाश का निरीक्षण करती रहती हैं। कनाडा का सीएचआईएमई उपकरण और ऑस्ट्रेलिया का एएसकैप तंत्र हाल की कई महत्वपूर्ण खोजों में शामिल रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले वर्षों में और अधिक शक्तिशाली दूरबीनें स्थापित की जाएँगी, जिनसे ऐसे संकेतों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। इन खोजों का महत्व केवल रोमांच तक सीमित नहीं है। इनके माध्यम से वैज्ञानिक ब्रह्मांड की संरचना, तारों के जीवनचक्र और अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्रों के व्यवहार को समझने का प्रयास कर रहे हैं। न्यूट्रॉन तारे पदार्थ की ऐसी अवस्था प्रस्तुत करते हैं जिसे पृथ्वी पर प्रयोगशाला में बनाना लगभग असंभव है। इसलिए इनके अध्ययन से भौतिकी के कई अनसुलझे प्रश्नों के उत्तर मिल सकते हैं।

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि तेज रेडियो विस्फोट, जिन्हें 'फास्ट रेडियो बर्स्ट' कहा जाता है, भी न्यूट्रॉन तारों से जुड़े हो सकते हैं। ये संकेत केवल कुछ मिलीसेकंड तक रहते हैं,

लेकिन उनकी ऊर्जा इतनी अधिक होती है कि वे पूरी आकाशगंगा से अधिक चमकदार हो सकते हैं। 2025 में वैज्ञानिकों ने एक ऐसे फास्ट रेडियो बर्स्ट की पुष्टि की जो संभवतः न्यूट्रॉन तारे के अत्यंत निकट क्षेत्र से उत्पन्न हुआ था। इन घटनाओं ने वैज्ञानिकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि शायद ब्रह्मांड में अभी भी बहुत कुछ ऐसा है जिसे हम नहीं समझते। कभी जो तारे केवल चमकते बिंदु लगते थे, आज वे रहस्यमयी संकेतों और अद्भुत ऊर्जा स्रोतों के रूप में सामने आ रहे हैं। हर नई खोज यह बताती है कि मानव ज्ञान अभी शुरुआती अवस्था में है।

'ब्रह्मांड का संगीत' वास्तव में वैज्ञानिक भाषा में रेडियो तरंगों का नियमित पैटर्न है, लेकिन यह नाम लोगों के मन में एक गहरा भाव पैदा करता है। जब कोई व्यक्ति यह सोचता है कि अरबों प्रकाशवर्ष दूर स्थित कोई मृत तारा अपनी धड़कन जैसी तरंगें भेज रहा है और पृथ्वी पर बैठा मानव उन्हें सुन पा रहा है, तो यह अनुभव किसी कविता से कम नहीं लगता। शायद यही विज्ञान की सबसे सुंदर विशेषता है। वह तथ्यों और गणनाओं के बीच भी आश्चर्य को जीवित रखता है। अंतरिक्ष से आने वाली ये लहरें हमें केवल तारों की कहानी नहीं सुनातीं, बल्कि यह भी याद दिलाती हैं कि ब्रह्मांड जीवंत है, गतिशील है और रहस्यों से भरा हुआ है। हर नई रेडियो तरंग मानो अनंत अंतरिक्ष की ओर से भेजा गया एक संदेश है, जो मानवता को लगातार पुकार रहा है कि वह खोज जारी रखे।

महेन्द्र तिवारी

दैनिक राशिफल

मेष- आज आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। **शुभ रंगः** लाल 7 शुभ **अंकः** 9

वृषभ-आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की सराहना होगी। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। **शुभ रंगः** सफेद 7 शुभ **अंकः** 6

मिथुन-शुक्र का प्रभाव लाभकारी रहेगा। नई योजनाओं में सफलता मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ है। **शुभ रंगः** हरा 7 शुभ **अंकः** 5

कर्क- भावुकता अधिक रह सकती है। किसी पुराने तनाव से राहत मिलेगी। करियर में धीरे-धीरे प्रगति होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। **शुभ रंगः** सिल्वर 7 शुभ **अंकः** 2

सिंह-बड़ा ऑफर या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। निवेश से लाभ होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ **अंकः** 1

कन्या-नए अवसर मिलेंगे। बिजनेस में लाभ के संकेत हैं। मानसिक तनाव कम होगा।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ **अंकः** 7

तुला- भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।
शुभ रंगः गुलाबी 7 शुभ **अंकः** 6

वृश्चिक- पदोन्नति या सम्मान मिलने की संभावना है। विरोधियों पर विजय मिलेगी। स्वास्थ्य में सावधानी रखें। **शुभ रंगः** मैरून 7 शुभ **अंकः** 8

धनु- करियर में सफलता मिलेगी। नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। खर्च नियंत्रित रखें।
शुभ रंगः पीला 7 शुभ **अंकः** 3

मकर- भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं। परिवार में खुशियां आएंगी। **शुभ रंगः** नीला 7 शुभ **अंकः** 10

कुंभ- आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। किसी पुराने विवाद का समाधान हो सकता है। मेहनत का फल जल्द मिलेगा। **शुभ रंगः** आसमानी 7 शुभ **अंकः** 4

मीन- धन लाभ के योग हैं। व्यापार में फायदा मिलेगा। मन थोड़ा चिंतित रह सकता है, लेकिन परिवार का सहयोग मिलेगा। **शुभ रंगः** बैंगनी 7 शुभ **अंकः** 12

सपनों की उड़ान अकेले नहीं, परिवार के पंखों से ऊँची होती है

मुश्किल वक्त सिर्फ परीक्षा है, और परिवार उसका सबसे मजबूत उत्तर
जब सब कुछ बदल जाए, लेकिन जो साथ कभी न बदले—वह परिवार है

टूटते रिश्तों की खामोशी जब जीवन में फैलती है, तो हर दिशा सूनी और अर्थहीन लगने लगती है। इंसान जीता तो है, पर भीतर से खाली हो जाता है। 15 मई, अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, इसी सच को उजागर करता है कि परिवार ही वह अटूट आधार है, जो हमें स्थिरता देता है, कठिन समय में संभालता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा बनता है। यह दिन केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की जड़ों को मजबूत करने का आह्वान है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसकी घोषणा का उद्देश्य भी यही था—परिवार बिखरा, तो समाज का संतुलन डगमगा जाएगा। आज बढ़ती असमानताओं के दौर में यह दिवस हमें चेताता है कि परिवार ही वह सुदृढ़ कवच है, जो बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखता है। परिवार की संरचना सदियों से बदल रही है, लेकिन उसका मूल मर्म आज भी प्रेम, सहयोग और जिम्मेदारी ही है। 1980 के दशक से संयुक्त राष्ट्र ने पारिवारिक मुद्दों पर ध्यान दिया, जिसके चलते 1994 से यह दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन परिवारों को प्रभावित करने वाली सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय चुनौतियों की याद दिलाता है। आधुनिक युग में न्यूक्लियर परिवार बढ़े हैं, फिर भी संयुक्त परिवार की गर्मजोशी कई संस्कृतियों में बरकरार है। भारत में जहां 'परिवार' शब्द ही संस्कृति का पर्याय है, यह दिवस हमें सिखाता है कि परिवार सिर्फ रक्त के रिश्ते नहीं, बल्कि भावनात्मक बंधन है। 2026 की थीम 'परिवार, असमानताएँ और बाल कल्याण' दर्शाती है कि सशक्त परिवार ही समानता और बच्चों के सुरक्षित भविष्य का मार्ग बनाते हैं।

परिवार व्यक्ति के विकास की पहली पाठशाला है, जहाँ बच्चा भाषा के साथ संस्कार, नैतिकता और संघर्ष की क्षमता सीखता है। शोध बताते हैं कि मजबूत पारिवारिक सहारे वाले बच्चे चुनौतियों का सामना अधिक दृढ़ता से करते हैं। चंद्रयान-3 मिशन के दौरान वैज्ञानिकों के परिवारों ने लगातार समर्थन देकर लंबे कार्यदबाव में उनका मनोबल बनाए रखा—यह परिवार की अदृश्य शक्ति का उदाहरण है। परिवार आत्मविश्वास का आधार है, जो गिरने पर संभालता है और डर में हिम्मत देता है। इसके अभाव में बच्चे अकेलेपन और मानसिक तनाव से जूझ सकते हैं। इसलिए परिवार दिवस हर बच्चे के लिए इस सहारे की आवश्यकता याद दिलाता है। दौड़ती-भागती आधुनिक जिंदगी ने परिवारों के सामने कई नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। शहरीकरण, काम का दबाव, सोशल मीडिया और आर्थिक असमानताएँ रिश्तों में दूरी बढ़ा रही हैं। कई माता-पिता रोज़गार के कारण बच्चों से दूर रहते हैं, जिससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर होता है। बढ़ती विषमताएँ गरीब परिवारों को शिक्षा और स्वास्थ्य से वंचित कर देती हैं। फिर भी कुछ परिवार इन हालात में मजबूत बनकर उभरते हैं। महामारी के दौरान कई परिवारों ने साथ रहकर संकट झेला—बच्चों ने ऑनलाइन पढ़ाई की, माता-पिता ने घर से काम किया। यह दिखाता है कि एकजुट परिवार कठिन समय में बड़ी शक्ति बनता है। परिवार टूटने से समाज में अपराध, अवसाद और अस्थिरता बढ़ती है, जो विकास को भी प्रभावित करती है।

राष्ट्र की नींव परिवारों पर ही टिकी होती है। सशक्त परिवार जिम्मेदार नागरिक गढ़ते हैं, जो देश के विकास में योगदान देते हैं। आर्थिक रूप से परिवार उपभोक्ता बनकर बाजार को गति देते हैं और मानव संसाधन भी तैयार करते हैं। बच्चों के कल्याण की शुरुआत परिवार से होती है—पोषण, शिक्षा और नैतिक दिशा यहीं मिलती है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि परिवार-केंद्रित नीतियाँ सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार हैं। भारत में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान भी परिवारों की भागीदारी से सफल हुए हैं। स्पष्ट है, स्वस्थ परिवार ही स्वस्थ समाज बनाते हैं; अन्यथा असमानताएँ बढ़ती जाएँगी। परिवार दिवस हमें यही सिखाता है कि नीतियों में परिवार को प्राथमिकता दी जाए।

तुर्की और सीरिया के हालिया भूकंप ने दुनिया को यह दिखाया कि टूटते मलबे के बीच भी परिवार की डोर नहीं टूटती—माँ ने बच्चों को बचाने के लिए घंटों उन्हें अपनी बाहों में थामे रखा, यह दृश्य वैश्विक संवेदना का प्रतीक बना। इसी तरह केरल के निपाह संकट में अस्पताल में भर्ती माता-पिता ने दूरी के बावजूद बच्चों की पढ़ाई और मानसिक साहस बनाए रखने के लिए लगातार संपर्क साधा। भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में भी अनेक परिवार सीमित साधनों के बीच शिक्षा को प्राथमिकता देकर बच्चों का भविष्य संवारते हैं। ये घटनाएँ साबित करती हैं कि परिवार केवल सामाजिक इकाई नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में भी जीवित रहने वाली गहरी भावनात्मक शक्ति है। मजबूत परिवार ही बच्चों को हर संकट में स्थिर रखते हैं और जीवन की हर परीक्षा के लिए तैयार करते हैं। रिश्तों की नींव छोटे रोज़मर्रा के प्रयासों से मजबूत होती है। परिवार को सशक्त बनाने के लिए व्यावहारिक कदम जरूरी हैं। माता-पिता बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएँ और संवाद को प्राथमिकता दें। सरकारें परिवार-समर्थक नीतियाँ जैसे मातृत्व अवकाश, बाल देखभाल और आर्थिक सहायता लागू करें। स्कूलों में परिवार

शिक्षा शामिल हो ताकि संबंधों की समझ बढ़े। समुदाय स्तर पर ऐसे कार्यक्रम हों जहाँ परिवार अनुभव साझा कर सीखें। डिजिटल युग में सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग भी रिश्तों को जोड़ सकता है। इन प्रयासों से असमानताएँ घटेंगी और बच्चों का कल्याण मजबूत होगा। अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल तिथि नहीं, बल्कि निरंतर सुधार का संकल्प है।

अंधकार के बीच जो निरंतर स्थिर प्रकाश बनकर मार्ग दिखाता है, वह परिवार ही है। इस अवसर पर संकल्प होना चाहिए कि हर घर को सशक्त और संवेदनशील बनाया जाए, हर बच्चे को स्नेह, सुरक्षा और सम्मान मिले तथा समाज में एकता और भरोसा लगातार मजबूत हो। मजबूत परिवार ही मजबूत राष्ट्र और सुदृढ़ दुनिया की नींव बनते हैं। यह केवल भावनात्मक विचार नहीं, बल्कि व्यावहारिक सत्य है—जैसे गहरी और मजबूत जड़ें पेड़ को हर तूफान, आंधी और विपरीत परिस्थितियों में भी टिकाए रखती हैं। यह दिन हमें गहराई से याद दिलाता है कि परिवार की शक्ति को केवल समझना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन में अपनाकर हर रिश्ते में सहेजना और आगे बढ़ाना ही सच्चा संकल्प है।

कृति आरके जैन

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में आइन्स्टीन पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने लहराया सफलता का परचम

लालगंज, प्रतापगढ़। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम मे धधुआ गाजन स्थित आइन्स्टीन पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने सफलता का परचम लहराया है। विद्यालय के इण्टरमीडिएट परीक्षा परिणाम के तहत मेधावी शशांक मिश्र ने कॉमर्स संकाय विषय में 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, गणित संकाय में श्रेया मौर्या 92.4 के तहत द्वितीय एवं शिवा शुक्ला 89.6 व अशद अहमद 86.4 के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। बायो संकाय में साक्षी शुक्ला 86.4 प्रथम, अनन्या जायसवाल 85.8 द्वितीय तथा आस्था मिश्रा 85 व पीयूष मिश्रा ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। निदेशिका श्रुति शुक्ला ने परीक्षा परिणाम को विद्यालय के पठन पाठन के परिवेश की मजबूती का प्रतीक ठहराया। सरंक्षक विभवभूषण शुक्ल ने सफल मेधावियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस मौके पर गरिमा मिश्रा, आन्द्रे डिसिल्वा, महेन्द्र पाठक आदि मौजूद रहे।

शनिधाम मंदिर में 16 मई को धूमधाम से मनाई जाएगी शनि जयंती

शनि अमावस्या पर होंगे विशेष धार्मिक अनुष्ठान

ललितपुर। शहर के सुमेरा तालाब के बीच स्थित बंध पर बने श्रीश्री 1008 सिद्धपीठ शनिधाम मंदिर, तालाबपुरा में आगामी 16 मई 2026, शनिवार को शनि अमावस्या महापर्व एवं शनि जयंती श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई जाएगी। इस दौरान मंदिर परिसर में दिनभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। मंदिर से जुड़े सिद्धपीठ शनिधाम सेवा समिति, तालाबपुरा के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष शनि जयंती शनिवार के दिन पड़ने से पर्व का महत्व कई गुना बढ़ गया है। इसी को लेकर मंदिर में विशेष तैयारियां की जा रही हैं और श्रद्धालुओं के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे भगवान शनिदेव के विशेष तेल अभिषेक के साथ होगी। इसके बाद सुबह 7 बजे से हवन-यज्ञ एवं मंगल अर्जियों का आयोजन किया जाएगा, जहां श्रद्धालु परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और मंगलकामना के लिए पूजा-अर्चना करेंगे। दोपहर बाद शाम 4 बजे मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल के बीच श्री सुंदरकांड मानस पाठ किया जाएगा। वहीं रात्रि 9 बजे भव्य महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने जनपद एवं आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान शनिदेव का आशीर्वाद प्राप्त करें और धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभाएं।

घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट व अभद्रता का आरोप

पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के एक गांव में दबंगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट, महिलाओं के साथ अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। स्थानीय पुलिस से कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि गांव के ही कुछ लोगों से उनके परिवार की पुरानी रंजिश चली आ रही है। इसी रंजिश के चलते आरोपी एकजुट होकर उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने परिवार के सदस्यों के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। शोर सुनकर जब घर की महिलाएं बीच-बचाव करने पहुंचीं तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पीड़िता ने आरोप लगाया कि महिलाओं के साथ अभद्रता करते हुए कपड़े खींचे गए और छेड़खानी की गई। साथ ही घर में रखी नकदी और जेवरात छीनने का प्रयास भी किया गया। पीड़िता का कहना है कि घटना के बाद आरोपियों ने पूरे परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी। मामले की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी गई, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने प्रभाव में आकर उचित कार्रवाई नहीं की और गंभीर धाराओं में मामला दर्ज नहीं किया। स्थानीय स्तर पर सुनवाई न होने से परेशान पीड़िता अब जिले के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंची है। पीड़िता ने एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। अब इस मामले में पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

राजनीतिक संरक्षण में फल-फूल रहा फर्जी बैंकिंग कारोबार, करोड़ों के खेल की जांच की मांग

● बड़हलगंज में अवैध बैंकिंग नेटवर्क का खुलासा, शत्रु संपत्ति कनेक्शन की भी जांच तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार, गोरखपुर। गोला तहसील अंतर्गत बड़हलगंज थाना क्षेत्र में कथित फर्जी बैंकिंग कारोबार का मामला सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण और स्थानीय प्रभाव के दम पर लंबे समय से अवैध बैंकिंग गतिविधियों का संचालन किया जा रहा था। शुरुआती स्तर पर मिली जानकारियों में करोड़ों रुपये के लेनदेन और संदिग्ध संपत्ति निवेश की बात सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, कुछ लोग ग्रामीणों और कम जानकारी रखने वाले निवेशकों को अधिक ब्याज, आकर्षक बचत योजनाओं और त्वरित लाभ का लालच देकर धन जमा करा रहे थे। भरोसा जीतने के लिए खुद को वैध वित्तीय संस्थानों से जुड़ा बताकर रसीदें और दस्तावेज भी उपलब्ध कराए जाते थे। धीरे-धीरे यह नेटवर्क व्यापक होता गया और कथित तौर पर करोड़ों रुपये का निवेश जुटा लिया गया। मामले को लेकर यह आरोप भी लग रहे हैं कि स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों का संरक्षण मिलने के कारण शिकायतों को दबाया जाता रहा। पीड़ितों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, जिससे फर्जी कारोबार करने वालों के हौसले बढ़ते गए।

जमीन और संपत्तियों में लगाया गया अवैध धन

जानकारी के मुताबिक, अवैध रूप से अर्जित धन को जमीन, मकान और अन्य संपत्तियों में निवेश किया गया। कुछ मामलों में शत्रु संपत्ति से जुड़े विवादित भूखंडों के उपयोग और लेनदेन की भी चर्चा सामने आई है। इस पहलू को लेकर राजस्व विभाग और अन्य एजेंसियां अलग से जांच की तैयारी में जुटी हैं। प्रशासनिक सूत्रों का मानना है कि यदि पूरे नेटवर्क की वित्तीय जांच कराई जाए तो कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं। बैंक खातों, संपत्ति दस्तावेजों और संदिग्ध व्यक्तियों की भूमिका की गहन पड़ताल की आवश्यकता बताई जा रही है।

क्षेत्र में आक्रोश, पीड़ितों ने लगाई न्याय की गुहार

मामला उजागर होने के बाद क्षेत्र में भय और नाराजगी का माहौल है। कई लोगों ने अपनी जमा पूंजी फंसने की आशंका जताई है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और धन वापसी की मांग की है।

प्रशासन की अपील प्रशासन ने आम जनता से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी संस्था में निवेश करने से पहले उसकी वैधता और पंजीकरण की पूरी जांच जरूर करें। साथ ही किसी भी संदिग्ध वित्तीय गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या संबंधित विभाग को देने को कहा गया है।

प्रमुख बिंदु

» ग्रामीणों को अधिक ब्याज और आकर्षक योजनाओं का लालच देकर धन जमा कराया गया।

» अवैध धन को जमीन, मकान और अन्य संपत्तियों में निवेश किए जाने का आरोप।

» शत्रु संपत्ति से जुड़े विवादित भूखंडों के लेनदेन की जांच की मांग।

» राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोपों से मामला और गंभीर।

» पीड़ितों ने दोषियों पर कठोर कार्रवाई और धन वापसी की मांग की।

» प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और निवेश से पहले जांच करने की अपील की।

दहेज हत्या मामले का आरोपी गिरफ्तार, तालबेहट पुलिस की कार्रवाई

ललितपुर। अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना तालबेहट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दहेज हत्या के मामले में वांछित एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन तथा एएसपी कालू सिंह एवं सीओ तालबेहट आशीष मिश्रा के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना तालबेहट पुलिस ने यह कार्रवाई की। थाना तालबेहट में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 07/2026, धारा 85/80(2) बीएनएस एवं 4 डीपी एक्ट के तहत वांछित अभियुक्त रामलाल कुशवाहा उर्फ अल्ले को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ग्राम थानागांव मजरा प्यासी, थाना तालबेहट का निवासी है। बताया गया कि पीड़िता पक्ष द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश की जा रही थी। बुधवार को पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार न्यायालय में पेश कर दिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा, उपनिरीक्षक बलराम सिंह तथा कांस्टेबल विक्रम सिंह शामिल रहे।

असली ताकत बंदूक की नली में नहीं बल्कि संविधान की धाराओं में है- नरसिंह पाण्डेय

● बुधवार को एक प्रेस वार्ता में- अवैध रूप से कब्जा करना अपराधियों की आदत, गोरखपुर एक जमीनी मामले में वीडियो वायरल

नौतनवा में गैर कानूनी ढंग से अनुसूचित जनजाति की जमीनों को अपनी संस्थाओं के नाम कराना- नरसिंह पांडेय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नौतनवा/महराजगंज ब्यूरो। हियुवा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने प्रेस वार्ता के दौरा अपने विरोधियों पर हमलावर दिखे। बताया कि मेरे विरोधियों के तीन पीढ़ियों का आपराधिक इतिहास है उनकी तीन पीढ़ियां हत्या के मामले में सजा काट चुकी है उनका विश्वास है कि असली ताकत बंदूक की नली में है यही कारण है की एक के बाद एक अपराध वह करते चले आ रहे हैं उक्त बातें हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष व पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता के माध्यम से कहीं उन्होंने यह भी कहा कि सरीफ लोगों को डराना धमकाना उनकी जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा करना अपराधियों की आदत बन चुकी है। गोरखपुर एक जमीनी मामले में उनका वीडियो वायरल हो रहा है नौतनवा में गैर कानूनी ढंग से अनुसूचित जनजाति की जमीनों को अपनी संस्थाओं के नाम करा लिए हैं। और जब इसकी शिकायत कानून के दायरे में रहकर उच्च अधिकारियों से की गई तो अब बौखलाहट में आ गए हैं। यही कारण है जांच का सामना करने के बजाय डरा धमका कर जांच को दबाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं ।शायद उन्हें यह नहीं पता कि मेरा परिवार न तो अपराध करता है और न तो अपराधियों से डरता है। हम लोग जानते हैं कि असली ताकत बंदूक की नली में नहीं बल्कि संविधान की धाराओं में है इसलिए हमलोग कभी कानून को हाथ में लेने का प्रयास नहीं करते हैं। इतिहास साक्षी है जिसने भी कानून को हाथ में लेने की भूल किया है उसका वजूद मिट गया है। मेरे विरोधियों ने फिर कानून को हाथ में लिया है जिसकी भारी कीमत तो उन्हें चुकानी पड़ेगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि हिम्मत हो तो विरोध के बजाय जांच का सामना करें।

ख़जनीः शादी का झांसा देकर युवती का शोषण

● विरोध पर मारपीट और धमकी; खजनी पुलिस ने आरोपी को दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने, विरोध करने पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में खजनी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ बीएनएस और एससी/एसटी एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर डॉ कौस्तुभ के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी और अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक दक्षिणी और क्षेत्राधिकारी खजनी विवेक तिवारी के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक जयन्त कुमार सिंह के नेतृत्व में खजनी पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक थाना खजनी

पर दर्ज मुकदमा संख्या 140/2026 में आरोपी कन्हैया विश्वकर्मा पुत्र हरिराम निवासी खुटभार थाना खजनी जनपद गोरखपुर की तलाश की जा रही थी। उस पर आरोप है कि उसने युवती को शादी का भरोसा देकर संबंध बनाए। जब पीड़िता ने शादी करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की, जातिसूचक गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 69, 191(2), 115(2), 352, 351(3) बीएनएस तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(V), 3(2)(5क), 3(1)(द,ध) के तहत मुकदमा दर्ज किया था। लगातार दबिश के बाद पुलिस ने आरोपी को खुटहना तिवारी के पास से 12 मई 2026 की रात करीब 10:55 बजे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी कन्हैया विश्वकर्मा

करीब 20 वर्ष का बताया जा रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ थाना खजनी में पहले से भी आपराधिक मामला दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक जयन्त कुमार सिंह, उपनिरीक्षक जितेन्द्र यादव तथा आरक्षी अंकित पाण्डेय की प्रमुख भूमिका रही। खजनी पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है और पुलिस ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गोरखपुरः मृतक के नाम पर 20 साल बाद हुई रजिस्ट्री! चार एकड़ जमीन के कथित फर्जीवाड़े से मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद में जमीन से जुड़े कथित फर्जीवाड़े का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने रजिस्ट्री प्रक्रिया और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि वर्ष 1996 में मृत हो चुके बृज गोपाल दास शाह के नाम पर वर्ष 2016 में करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन की रजिस्ट्री करा दी गई। मामले में सविता त्रिपाठी का नाम सामने आने के बाद पीड़ित परिवार ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामला कैंपियरगंज क्षेत्र के अलगटपुर स्थित लगभग चार एकड़ मूल्यवान जमीन से जुड़ा है। परिजनों का आरोप है कि जमीन के वास्तविक मालिक उस समय बाहर नौकरी कर रहे थे, जिसका फायदा उठाकर कथित रूप से फर्जी व्यक्ति खड़ा कर रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी कराई गई। परिवार का कहना है कि बृज गोपाल दास शाह की मृत्यु वर्ष 1996 में हो चुकी थी और इसका रिकॉर्ड सरकारी अभिलेखों में दर्ज है। इसके बावजूद 2016 में उन्हीं के नाम से रजिस्ट्री होना बड़े फर्जीवाड़े की ओर इशारा करता है।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, नाम की समानता और पहचान संबंधी दस्तावेजों में कथित हेरफेर कर पूरी साजिश को अंजाम दिया गया। परिवार ने दावा किया कि पूर्व में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्तर से हुई जांच में यह स्पष्ट हो चुका है कि 'बृज गोपाल दास' और 'बृज गोपाल दास शाह' एक ही व्यक्ति थे तथा उनकी मृत्यु 1996 में ही हो गई थी। न्याय की मांग को लेकर मृतक के परिजन जिलाधिकारी दीपक मीणा से मिले और फर्जी रजिस्ट्री निरस्त करने की मांग की। इसके बाद गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में विजय कृष्ण गर्ग, प्रियमबदा गर्ग, महेंद्र अग्रवाल और सुरेंद्र अग्रवाल सहित अन्य परिजन मौजूद रहे। इस दौरान परिजन भावुक हो उठे और कहा, 'अगर हमारे मृत बाबा जिंदा हैं, तो उन्हें सामने लाकर खड़ा कर दीजिए। 'परिवार ने तिलक नगर निवासी राजेश यादव को पूरे कथित फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड बताते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

सीबीएसई इण्टरमीडिएट में पं0 नागेशदत्त पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने किया नाम रोशन

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज, प्रतापगढ़। सीबीएसई इण्टरमीडिएट की परीक्षा में अझारा स्थित पं0 नागेशदत्त पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने शत प्रतिशत सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। बुधवार को जैसे ही परीक्षा परिणाम घोषित हुआ शत प्रतिशत सफलता को लेकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे। सिद्धार्थ सिंह ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। सफल मेधावियों को संस्थापक रमेशचंद्र मिश्र, प्रबंधक सुनीता मिश्रा, संरक्षक प्रकाशचंद्र मिश्र, एचआर हेड गौरव मिश्र, रीमा मिश्रा व सीमा मिश्रा ने मुंह मीठा कराकर हौंसला आफजाई की। प्रधानाचार्य एसएन त्रिपाठी ने मेधावियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ0 पूनम त्रिपाठी, राहुल सिंह, शारदा प्रसाद विश्वकर्मा, नारायण मुकेश, हिमांशु शुक्ला, श्याम शंकर मिश्र, राजीव रत्न त्रिपाठी, मनोज शुक्ल, रवीन्द्र शुक्ल, प्रदीप शुक्ल, विवेक पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, रितेश सिंह व दुर्गेश सिंह तथा अनिल आदि मौजूद रहे।

बिना ई-पास मशीन के धान बीज वितरण करने का आरोप

● नियमों को ताक पर रखकर जिम्मेदार वसूल रहे पूरी कीमत, सरकारी सब्सिडी डूबने की आशंका से किसानों में नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां क्षेत्र के रतनपुर स्थित कृषि रक्षा इकाई पर धान बीज वितरण में भारी अनियमितता का मामला सामने आया है। आरोप है कि पिछले करीब दस दिनों से विभागीय नियमों को ताक पर रखकर बिना ई-पास मशीन के ही किसानों को मनमाने तरीके से धान का बीज वितरित कर गोदाम को लगभग खाली कर दिया गया है। विभागीय गाइडलाइन के अनुसार बीज वितरण के समय ई-पास मशीन पर किसानों का फिंगर प्रिंट अपडेट करना और मौके पर रसीद देना अनिवार्य है, क्योंकि इसी पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में शासन द्वारा निर्धारित सब्सिडी भेजी जाती है।

इसके विपरीत रतनपुर केंद्र पर नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। किसानों का आरोप है कि गोदाम इंचार्ज मशीन में स्टॉक न दिखने का बहाना बनाकर उनसे

बीज की पूरी कीमत वसूल रहे हैं और सब्सिडी के लिए बाद में फिंगर अपडेट कराने का झांसा दे रहे हैं। किसानों ने आशंका जताई है कि यदि समय पर ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो किसान सरकारी अनुदान से पूरी तरह वंचित हो जाएंगे। इस गंभीर लापरवाही को लेकर किसानों ने विभागीय उच्चाधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि बिना ई-पास मशीन और बिना रसीद के बीज वितरण पूरी तरह गैरकानूनी है। उन्होंने कहा कि रतनपुर इकाई की जांच कराकर सम्बंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बानपुर पुलिस ने तीन वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ललितपुर। वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बानपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी महरौनी रक्षपाल सिंह के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बानपुर पुलिस ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए वारंटी अभियुक्तों में कैलगुवां निवासी अखलेश पुत्र रतुआ एवं भज्जू उर्फ रामस्वरूप पुत्र कमल शामिल हैं। दोनों अभियुक्त केस संख्या 245/18, धारा 323/504 आईपीसी से संबंधित मामले में वांछित चल रहे थे। इसके अलावा पुलिस ने बानपुर निवासी जयसिंह पुत्र काशीराम यादव को भी गिरफ्तार किया, जो केस संख्या 162/18, धारा 354(क) आईपीसी के मामले में वारंटी था। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक विकास यादव, उपनिरीक्षक मानवेन्द्र सिंह तथा हेड कांस्टेबल सर्वेश सिंह शामिल रहे।

पीएमश्री विद्यालय सेमरी में गूंजा भारतीय भाषाओं का संगम, 7 दिवसीय ग्रीष्मकालीन भाषा शिविर का भव्य शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार, गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र के समयथान भीटी संकुल अंतर्गत स्थित पीएमश्री विद्यालय सेमरी में बुधवार को 7 दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारतीय भाषा शिविर का भव्य शुभारम्भ उत्साह और सांस्कृतिक उमंग के बीच हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सदन तिवारी ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षकों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। मुख्य अतिथि सदन तिवारी ने कहा कि भारत अनेक भाषाओं और संस्कृतियों का देश है। बच्चों को विभिन्न भारतीय भाषाओं का ज्ञान देना राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यालय की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को पूरे उत्साह के साथ शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक एवं राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि शिविर में बच्चों को विभिन्न भारतीय भाषाओं के सामान्य शब्द, अभिवादन शैली, लोकगीत, संवाद कला, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं भाषाई खेलों के माध्यम से सीखने का अवसर मिलेगा। शासन द्वारा निर्धारित गतिविधियों के अनुरूप प्रतिदिन ज्ञानवर्धक एवं रोचक कार्यक्रम

आयोजित किए जाएंगे। पहले दिन विद्यार्थियों ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में अभिवादन प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ सहायक अध्यापक रामसिंह, पंकज कुमार गुप्ता, गुलाब, अशोक कुमार चौहान, प्रिन्स एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कानपुर शहर में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान 72 वाहनों के चालान, 3 को किया सीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। दिनांक 13.05.2026 को अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. विपिन ताडा की उपस्थिति में सुगम यातायात योजना (RTC) के अंतर्गत एडीसीपी यातायात कपिल देव सिंह द्वारा हैलट अस्पताल के आस-पास क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान अस्पताल के दोनों ओर लगभग एक-एक किलोमीटर के दायरे में चलाया गया, अभियान का उद्देश्य सुगम, सुरक्षित व सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना एवं आमजन को जाम की समस्या से राहत दिलाना रहा। अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से किए गए अतिक्रमणों को हटवाया गया तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 72 वाहनों का चालान किया गया। साथ ही 03 वाहनों को मौके पर सीज भी किया गया। इस दौरान मौके पर उपस्थित मध्य जोन टीआई, सेक्टर

प्रभारी, रूट मार्शल, चौकी प्रभारी हैलट एवं अन्य यातायात कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रतिदिन क्षेत्र में सक्रिय रहकर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को पुनः स्थापित न होने दें। हैलट अस्पताल के सामने स्थित दो कटों की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि इनमें से एक कट को बंद किया जाएगा, जबकि दूसरे कट को पैदल यात्रियों के आवागमन हेतु सुरक्षित रूप से उपयोग में लाया जाएगा, जिससे मरीजों एवं आम नागरिकों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित हो सके।

छत पर आधी रात तमंचे पर डिस्को, आबादी के बीच दनादन फायरिंग; गिरफ्तार होते ही गिड़गिड़ाने लगा युवक

आगरा। सोशल मीडिया पर रील बनाकर पोस्ट और उन पर लाइक्स की चाहत युवाओं को कुछ भी करा दे रही है। बिना परिणाम सोचे वीडियो बनाए जा रहे हैं। आगरा में भी दो युवकों ने आबादी के बीच फायरिंग कर वीडियो बनाया। अब माफी मांग रहे हैं। न्यू आगरा क्षेत्र में तमंचे पर डिस्को और फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसके साथी की तलाश की जा रही है। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि दो युवकों का फिल्मी गाने पर डांस और तमंचे से हवाई फायरिंग करने का वीडियो सोमवार को प्रसारित हुआ था। न्यू आगरा थाना पुलिस ने सोमवार रात आरोपित कौशलपुर निवासी दीपक पुत्र महेश को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। पूछताछ में उसने बताया कि वीडियो कुछ दिन पहले एक निजी कार्यक्रम में बनाया गया था। वहां उसने तमंचे से फायरिंग की थी। उसके साथ फायरिंग करने वाले दूसरे युवक का नाम दिल्ली निवासी विकास है।

गंदगी के ढेर में तब्दील हुआ सामुदायिक शौचालय

●देखरेख के अभाव में बदहाल पड़ा गनेशपुर 'अ' का सामुदायिक शौचालय, टंकी गायब और यूरिनल भी टूटा पड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। स्वच्छ भारत मिशन को पलीता लगाते हुए नौतनवा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत गनेशपुर 'अ' में बना सामुदायिक शौचालय खुद बदहाली के आंसू बहा रहा है। ग्रामीणों को स्वच्छता की सुविधा देने के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए इस शौचालय के भीतर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। इस बदहाली का सबसे बड़ा कारण जिम्मेदार तंत्र की घोर लापरवाही है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि इस शौचालय की देखरेख और नियमित साफ-सफाई की जिम्मेदारी 'मां वैष्णो स्वयं सहायता समूह' को सौंपी गई है। समूह को इसके एवज में प्रशासन द्वारा बकायदा मासिक वेतन का भुगतान भी किया जा रहा है। इसके बावजूद वेतन डकार कर सफाई व्यवस्था को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। शौचालय के अंदर बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी हैं। पुरुष और महिला ब्लॉक में लगा यूरिनल उखड़कर जमीन पर गिरा पड़ा है, वहीं सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि छत से पानी की टंकी ही गायब है। बिना पानी और टूटी व्यवस्था के कारण यह सरकारी भवन सिर्फ एक ढांचा बनकर रह गया है। इसके चलते गांव की महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और वे आज भी मजबूरन खुले में शौच जाने को विवश हैं। स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन और खंड विकास अधिकारी से इस वित्तीय अनियमितता की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ तत्काल दंडात्मक कार्रवाई करने और शौचालय को

पुनः चालू कराने की मांग की है।

इस संबंध में एडीओ पंचायत रामकृष्ण प्रसाद ने कहा कि सफाई व्यवस्था में लापरवाही मिलने पर सम्बंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पी.डब्लू डी.: प्रांतीय खंड में टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर खड़े हो रहे सवाल

अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड कार्यालय में तैनात बाबू पर अपने रिश्तेदारों की फर्मो को अधिकांश ठेके दिए जाने के आरोप

लखीमपुर खीरी– मामला पी डब्ल्यू डी विभाग के प्रांतीय खंड के लखीमपुर खीरी का बताया जाता है। जहां पर लिपिकीय कार्य शैली को लेकर मामला चर्चा का विषय बना है। विभागीय सूत्रों द्वारा नाम ना उजागर करने की शर्त पर साझा की गई जानकारी के मुताबिक अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड में तैनात बाबू द्वारा अपने सगे भाई की पत्नी नफीस बानो की फर्म मेसर्स हिंदुस्तान कॉन्टैक्टर्स एंड सप्लायर के नाम पंजीकृत तथा सीडी-1में मेट के पद पर तैनात चाचा की पत्नी के नाम पंजीकृत फर्म पर अधिकांश कार्य योजनाओं के ठेके दिए जाने तथा पर्दे के पीछे स्वयं ठेकेदारी करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।बड़ा सवाल यह पैदा होता है कि साहब की नाक के नीचे खेल चलता रहा और उनको इसकी भनक तक नहीं लगी। बताया तो यहां तक गया है कि यह बाबूजी ठेका दिलाने से लेकर भुगतान तक काफी सक्रिय रहते हैं। अब तो बाबू द्वारा आलीशान हवेली लग्जरी कार व लग्जरी सुविधाओं का उपयोग करते देखे जा सकते हैं। मामले की सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई सूचना में अपनी कलम फसते और घपले का खुलासा होने के डर से वांछित सूचनाएं भी नहीं दी जा रही हैं। मामला अखबारी सुर्खियां बनते देखा शहर के नामचीन लोगों के द्वारा फोन कर कराकर और धनबल के द्वारा ऐन केन प्रकारेण मामले को मैनेज करने का दबाव बनाया जा रहा है। यदि उक्त दोनों चहेती फर्मों को विगत तीन चार वर्षो में दिए गए कामों और कराए गए कार्यो की करा ली जाए स्थलीय जांच /भौतिक सत्यापन तो कई अनियमितताएं आएंगी सामने और बाबू समेत कई अन्य जिम्मेदारों के ईमानदार चेहरे बेनकाब होंगे और आएगी कार्रवाई की आंच। इस संबंध में जब अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो साहब ने बड़े ही तल्ख लहजे में बताया कि मेरे यहां ऐसा कुछ भी नहीं है आप हमारे यहां आइए मैं आपको कन्याकुमारी से लेकर पूरे भारत तक के टेंडर की जानकारी देता हूं जब सी. डी. - 1 मेट के पद पर कार्यरत बाबू के चाचा की पत्नि के नाम रजिस्टर्ड फर्म को तीन साल में दिए गए कामों की जानकारी करते ही साहब ने फोन काट दिया और फिर उठाया ही नहीं।

वन रेंज मैलानी की जटपुरा बीट और सलेमपुर बीट की कुंबिंग कराए जाने की मांग

मैलानी खीरी– प्रभागीय बनाधिकारी उत्तरी की सख्ती और त्वरित कार्यवाही मिजाज के बावजूद भी वन दरोगा जटपुरा बीट और सलेमपुर बीट के फॉरेस्ट गार्ड के भ्रष्टाचार पर रोक लगती नजर नहीं आ रही है ।सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड के काले कारनामों को वन रेंज मैलानी के रेंजर का अप्रत्यक्ष संरक्षण प्राप्त होने के चलते जांच और कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है ।नाम न छापने की शर्त पर एक विभागीय सूत्र ने बताया कि वन दरोगा ,फॉरेस्ट गार्ड और रेंजर साहब की मूक सहमति से जटपुरा बीट में वॉटर पूल में पानी भरने के लिए गत वर्षो पूर्व क्रय किए गए इंजन/ पंपसेट को वन दरोगा द्वारा कबाड़ में बेच दिया गया और कंपार्टमेंट 8 और 9 में लकड़कटों से साठगांठ करके जमकर लकड़ी का कटान कराया जाता रहा। बताया तो यहां तक गया है कि रोजाना 20 से 30 साइकिलों पर लकड़ी लदवा कर निकासी की जाती रही है। और इसके एवज में ?500 प्रति साइकिल प्रतिदिन वसूले जाने के आरोप वन दरोगा जटपुरा और सलेमपुर बीट के फॉरेस्ट गार्ड पर लगाए जा रहे हैं। उक्त मामले की आइजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कंपार्टमेंट 07में मात्र एक कच्चा वॉटरपूल है इस पर बोरिंग नहीं कराई गई है, वहीं कंपार्टमेंट 8 में न वॉटर पूल है ना बोरिंग, कंपार्टमेंट 9 में एक वाटर पूल पर बोरिंग कराई गई है ।सलेमपुर बीट में वाटर पूल न होने की बात रेंजर मैलानी द्वारा स्वयं कही गई है ।रेंजर साहब आखिर मीडिया से झूठ क्यों बोल रहे हैं ?महज एक बोरिंग होने के बाद भी चार वाटर पूल पर 4 बोरिंग होने की भ्रामक जानकारी दिया जाना इनकी संलिप्त को की ओर संदेह पैदा करता है। मैलानी रेंज में व्याप्त भ्रष्टाचार की बात करें तो शासन के पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद वन दरोगा और रेंजर द्वारा उल्ल नदी में शिकार करने का ठेका दे दिया गया विभागीय जानकारी के अनुसार उक्त का ठेका 1,25,000 रुपए में दिए जाने की बात सामने आई है।

जिसे वन दरोगा राजा राम तिवारी ने भी स्वीकार किया है ऑन कैमरा यदि डीएफओ उत्तरी वन प्रभाग कराए मामले की गोपनीय निष्पक्ष जांच और कुंबिंग तो वन संपदा के दोहन किए जाने तथा वॉटर पूल और उन पर कराई गई बोरिंग का मामला खुलकर आएगा सामने साथ ही शिकार कराए जाने के मामले का भी होगा पर्दाफाश। इस सम्बंध में जब वनाधिकारी उत्तरी से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में आया है मामले की जांच कराई जाएगी।

भारत-नेपाल सीमा पर जाली नोटों का बढ़ता जाल, लखीमपुर खीरी बना तस्करी का नया ट्रांजिट पॉइंट

● मास्टरमाइंड अब भी पुलिस की रडार से दूर; ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चोट पहुँचाने की बड़ी साजिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। भारत-नेपाल की खुली सीमा सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बार फिर सिरदर्द बन गई है। सीमावर्ती इलाकों से लेकर लखीमपुर खीरी के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों तक नकली भारतीय मुद्रा (FICN) का नेटवर्क मकड़जाल की तरह फैल चुका है। हाल ही में तिकुनियां और खखरौला बॉर्डर पर हुई बरामदगी ने पुलिस के कान खड़े कर दिए हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि दर्जनों गिरफ्तारियों के बावजूद इस पूरे काले कारोबार का 'आका' अब भी कानून की गिरफ्त से बाहर है।

खखरौला घाट से खुले तस्करी के राज

बीते दिनों खखरौला घाट पर एसएसबी (SSB) और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में नकली नोट बरामद किए गए थे। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। सूत्रों के अनुसार, सीमा पार से जाली नोटों की खेप छोटे-छोटे पैकेटों में जिले के भीतर भेजी जा रही है। तस्करों ने अब अपनी रणनीति बदलते हुए स्थानीय बेरोजगार युवकों को निशाना बनाना शुरू किया है। कम समय में अमीर बनने का लालच देकर इन युवाओं को 'कैरियर' (माल पहुँचाने वाला) के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्रामीण और छोटे दुकानदार तस्करों के निशाने पर जांच एजेंसियों के विश्लेषण के अनुसार, तस्करों का मुख्य केंद्र हाट-बाजार, मेले और ग्रामीण इलाके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग असली और नकली नोट के सूक्ष्म अंतर को नहीं समझ पाते। साप्ताहिक बाजारों में अत्यधिक भीड़ के कारण दुकानदार जल्दबाजी में नोटों की जांच नहीं कर पाते।? 'जब तक पुलिस इस नेटवर्क की जड़ यानी छपाई केंद्र और मुख्य सप्लायर तक नहीं पहुँचती, तब तक प्यादों को पकड़ने से यह कारोबार नहीं थमेगा। '- स्थानीय निवासी

संगठित गिरोह की सक्रियता: नए चेहरों का इस्तेमाल

पुलिस रिकॉर्ड बताते हैं कि सीमा क्षेत्र में यह कोई पहला मामला नहीं है। गौर करने वाली बात यह है कि हर बार गिरफ्तारी के बाद गिरोह में 'नए चेहरे' शामिल हो जाते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि सीमा पार बैठा मास्टरमाइंड एक बेहद संगठित सिंडिकेट चला रहा है, जिसके पास गुर्गो की कोई कमी नहीं है। सुरक्षा एजेंसियों को संदेह है कि इन नोटों के तार नेपाल के रास्ते किसी अंतर्राष्ट्रीय गिरोह से जुड़े हो सकते हैं। व्यापार जगत में खौफ, मशीनों का सहारा जाली नोटों की आवक ने स्थानीय व्यापारियों की नींद उड़ा दी है। स्थिति यह है कि ग्रामीण बाजारों में दुकानदार 500 के नोट लेने में कतरा रहे हैं। कस्बों के व्यापारियों ने अब अपनी दुकानों पर 'नोट डिटेक्टर' मशीनें लगानी शुरू कर दी हैं। व्यापारिक संगठनों ने पुलिस से सीमा पर सघन तलाशी अभियान चलाने की मांग की है पुलिस

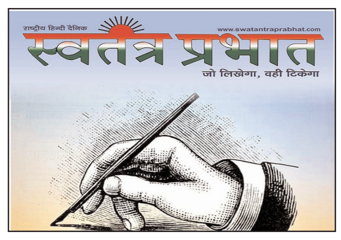

के समक्ष चुनौतियां हालांकि पुलिस अधिकारियों का दावा है कि निगरानी बढ़ा दी गई है और संदिग्धों की लिस्ट तैयार है, लेकिन कुछ सवाल अब भी अनुत्तरित हैं कि ?नकली नोटों की छपाई का मुख्य केंद्र (Base) कहाँ है? सीमा पार से खेप भेजने वाला मुख्य हैंडलर कौन है? स्थानीय स्तर पर इस नेटवर्क को राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण तो प्राप्त नहीं? फिलहाल, लखीमपुर खीरी पुलिस और एसएसबी के लिए यह एक बड़ी अग्निपरीक्षा है। यदि समय रहते मास्टरमाइंड को दबोचा नहीं गया, तो यह जाली मुद्रा न केवल जिले की अर्थव्यवस्था को खोखला करेगी, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा साबित हो सकती है।

शान्तिभंग मे हैदराबाद ने तीन अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी– थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा दिनांक 13.05.2026 को शान्ति भंग करने वाले 04 नफर अभियुक्तगण प्रथम पक्ष 1. शिवम कुमार पुत्र राकेश कुमार उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम तकिया थाना हैदराबाद जिला खीरी व द्वितीय पक्ष के 2. श्याम जी पुत्र इतवारी लाल उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम तकिया थाना हैदराबाद जिला खीरी दोनो पक्षो के मध्य बच्चो के विवाद व पुरानी रंजिश को लेकर दोनो पक्ष आपस मे आमदा फौजदारी हो रहे थे तथा प्रथम पक्ष 3.बिन्द कुमार पुत्र मूलचन्द उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम तकिया थाना हैदराबाद जिला खीरी व द्वितीय पक्ष के 4.जितेन्द्र कुमार उर्फ पप्पू पुत्र गंगाराम उम्र करीब 50 वर्ष निवासी ग्राम तकिया थाना हैदरबाद जिला खीरी के मध्य मकान के सामने प्रथम पक्ष के खेत होने के कारण दीवार बनाने की बात को लेकर दोनो पक्ष आपस मे विवाद के दृष्टिगत 04 अभियुक्तगणो को अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में वास्ते विधिक कार्यवाही हेतु मा0 न्यायालय गोला के समक्ष भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का नाम पता 1. शिवम कुमार पुत्र राकेश कुमार उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम तकिया थाना हैदराबाद जिला खीरी 2. श्याम जी पुत्र इतवारी लाल उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम तकिया थाना हैदराबाद जिला खीरी अभियुक्तगणो को गिरफ्तार करने वाली टीम मे उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह चौकी प्रभारी अजान, आरक्षी धर्मेन्द्र वर्मा, व बन्टी सागर थाना हैदराबाद जनपद खीरी मुख्य रूप से सामिल रहे।

.राजश्री नर्सिंग कॉलेज में उत्साह से मनाया "इन्टरनेश्नल नर्सेस डे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा– राजश्री कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल, में मंगलवार को''इन्टरनेशनल नर्सेस डे'' के अवसर पर कॉलेज परिसर में विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य समाज में नर्सो के योगदान एवं सेवा भावना के महत्व को उजागर करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान की वाइस चेयरपर्सन डॉ0 मोनिका अग्रवाल, एकेडमिक एडवाइजर इं0 तूलिका अग्रवाल एवं प्राचार्या प्रो0 लथा0 पी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप-प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण करके किया। संस्थान की वाइस चेयर पर्सन डॉ0 मोनिका अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में नर्सिंग पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बताया कि नर्सिंग स्वास्थ्य सेवाओं एवं चिकित्सा पद्धतियों की रीढ़ होती हैं ,जिसमें मरीजों की देखभाल के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य लाभ एवं बीमारी के प्रति लड़ने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संस्थान की एकेडमिक एडवाइजर इं0 तूलिका अग्रवाल ने नर्सिंग पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को पेशेवर तरीके से प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राजश्री संस्थान द्वारा हॉस्पिटल पोस्टिंग एवं क्षेत्र में संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर अधिक से अधिक प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। साथ ही रोगियों के साथ भावनात्मक जुड़ाव, करूणा और समर्पण को पेशे की खासियत बताया। कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने नर्सिंग सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता तथा मानवता की सेवा जैसे विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में छात्र भानुप्रताप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम, प्रियांशी ने द्वितीय एवं समीर ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

दिव्यांगों के उपकरण वितरण किए गए पंजीकरण

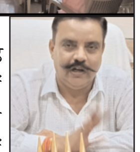

बरेली/ विकासखंड भदपुरा में आज दिव्यांगों को उपकरण वितरण करने हेतु ब्लॉक सभागार में पंजीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया किस कार्यक्रम में 82 लोगों का पंजीकरण किया गया। यह सूची जिला स्तर पर रखी जाएगी शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए उपकरण का वितरण किसी पंजीकरण के लाभार्थियों को दिया जाएगा इस पर भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने सरकार की निष्पक्ष यह बम भ्रष्टाचार करने की देश से सरकार द्वारा पहले लाभार्थियों का चयनकर पंजीकरण किया जा रहा है इसके बाद उपकरणों का वितरण किया जाएगा जैसा कि पूर्व विधि किया जा चुका है। पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य पंजीकरण कराया जा रहा है अब पैसा नहीं होगा की अभिलेख किसी के और आदमी कोई कारण ले जाए यह भाजपा शासन की कार्य करने की प्रणाली है इसमें दलाल से लेकर अधिकारी तक कोई भी मनमानी नहीं कर सकता है।

डीएम अंजनी कुमार सिंह का औचक निरीक्षण

● एआरटीओ दफ्तर से लेकर ADTC तक खंगाली हकीकत, दिए निर्देश

काउंटर, अभिलेख और आवेदन की डीएम ने खुद की जांच, सेंसर ट्रैक व सिम्युलेटर सिस्टम का लिया जायजा, अफसरों को जनता-केंद्रित व्यवस्था के सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के अभियान के तहत डीएम अंजनी कुमार सिंह ने बुधवार को एआरटीओ कार्यालय और प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र छाउछ का औचक निरीक्षण कर पूरी व्यवस्था की गहन पड़ताल की। डीएम के अचानक पहुंचने से कार्यालय में अफसरों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान डीएम स्वयं एक-एक काउंटर पर पहुंचे और वहां मौजूद अभिलेखों को बारीकी से देखा। उन्होंने आवेदकों से जुड़े दस्तावेजों की जांच करते हुए मौके पर मौजूद कार्मिकों से उनके कार्य दायित्वों की जानकारी ली। डीएम ने कार्यालय के तीनों तल का विस्तृत निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की स्थिति परखी और संबंधित अधिकारियों को जरूरी सुधारात्मक निर्देश दिए। एआरटीओ शांति भूषण पांडे से डीएम ने कार्यालय की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से राउंड करें और कार्यालय में आने वाले आवेदकों से सीधे संवाद कर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान डीएम ने परिसर में मौजूद लोगों से भी बातचीत की और उनके आवेदन एवं दस्तावेजों की जांच कर कार्य प्रगति की पुष्टि की। साथ ही उन्होंने जिले में ड्राइविंग टेस्ट एवं प्रशिक्षण हेतु संचालित प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी ली। ADTC पहुंचे डीएम, सेंसर ट्रैक से लेकर ऑटोमेटेड टेस्टिंग सिस्टम तक बारीकी से परखी व्यवस्था, दिए निर्देश इसके बाद डीएम अंजनी कुमार सिंह सीधे प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र छाउछ पहुंचे, जहां उन्होंने व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। डीएम ने सेंसर बेस्ड ट्रैक, सिम्युलेटर मशीनों और ऑटोमेटेड टेस्टिंग सिस्टम का बारीकी से अवलोकन करते हुए प्रशिक्षक दीपक शुक्ला से केंद्र की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान रंजीत कुमार पुत्र सुरेश का ऑटोमेटेड टेस्टिंग सिस्टम के माध्यम से ड्राइविंग कौशल का मूल्यांकन किया जा रहा था। रंजीत ने डीएम के समक्ष निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए कार्ड स्कैन कर अपनी टेस्ट प्रकिया पूरी की। डीएम ने पूरी प्रक्रिया को करीब से देखा और प्रशिक्षक से केंद्र के संचालन एवं तकनीकी व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इसके बाद डीएम ने सिम्युलेटर कक्ष एवं प्रशिक्षण कक्ष का भी निरीक्षण किया और व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाए जाने के निर्देश दिए।

स्वगणना को लेकर जिले में दिखा जबरदस्त उत्साह

● केंद्रीय कर्मियों ने बढ़-चढ़कर निभाई जिम्मेदारी

एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने किया जागरूक

बैंक, डाक, आयकर व सुरक्षा बलों ने भी अभियान में दिखाई सक्रिय भागीदारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले में बुधवार को स्वगणना अभियान को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। केंद्रीय कर्मचारियों, कोषागार कर्मियों और पेंशनर्स ने न सिर्फ अपनी स्वगणना पूरी की, बल्कि सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अन्य लोगों को भी इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। जिला जनगणना अधिकारी/एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह के आव्हान पर बड़ी संख्या में लोगों ने स्वगणना में सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। बैंक कर्मियों, आयकर विभाग, डाक विभाग और एसएसबी जवानों ने भी अभियान में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जिला प्रशासन द्वारा इस दिन को विशेष रूप से केंद्रीय कार्मिकों के लिए समर्पित किया गया था। एडीएम ने बताया कि स्वगणना अभियान के प्रथम चरण में नागरिकों को मकान गणना एवं सूचीकरण करना होगा। पोर्टल पर 34 प्रश्नों के उत्तर देकर कोई भी व्यक्ति अपनी स्व-गणना पूरी कर सकता है। फाइनल सबमिट के बाद एक यूनिक आईडी जनरेट होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है। 22 मई से 22 जून तक प्रगणक घर-घर जाकर विवरण का सत्यापन करेंगे, जिसमें नागरिक अपनी जनरेटेड आईडी के माध्यम से डेटा की पुष्टि करा सकेंगे। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने जनपदवासियों से अपील की कि 15 दिवसीय इस अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें और इसे सफल बनाने में सहयोग दें।

जिला जज ने की स्वगणना, न्यायिक अफसरों ने भी निभाई जिम्मेदारी

स्वगणना अभियान की गूंज अब न्यायालय परिसर तक पहुंच गई है। जिला न्यायालय में जनपद न्यायाधीश शिव कुमार सिंह ने स्वयं स्वगणना प्रक्रिया पूरी कर अभियान को मजबूती दी। तहसीलदार सदर मुकेश कुमार ने न्यायालय पहुंचकर न्यायिक अधिकारियों को स्वगणना की प्रक्रिया समझाई और ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण कराई। न्यायिक अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी से अभियान को नई ऊर्जा मिली और 'पहले स्वयं, फिर प्रेरित करें' का संदेश भी मजबूती से सामने आया।

व्यापारियों ने मां पूर्णागिरी झंडी यात्रा का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

बरेली/गजरौला। मां के भक्तों ने जयकारा शेरावाली का लगाकर मंगलवार को जराकोठी के व्यापारियों ने गजरौला में झंडी यात्रा का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत - सम्मान किया।ज्ञात रहे हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी गांव लालपुर से भक्तों का जत्था पहाड़ों वाली माता पूर्णागिरी के दरबार झंडी यात्रा के साथ रवाना हुई। झंडी यात्रा का रात्रि में गजरौला पहुंचने पर व्यापारी शनि गुप्ता , सचिन गुप्ता,रजनी गुप्ता,नूतन गुप्ता, आस्था,आदि,काव्या गुप्ता, देव गुप्ता, सूरज, तनु गुप्ता, महेंद्र राठौर सहित दर्जनों व्यापारियों एवं नागरिकों ने स्वागत -सम्मान किया। मां शेरा वाली के जयकारों से पूरा परिवेश भक्तिमय हो गया।

प्रधान संघ अध्यक्ष ने प्रधानों के साथ भदपुरा ब्लॉक प्रमुख हो ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार ने भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ज्ञापन सौंप कर उन्होंने मांग की है के उनका समय से पंचायत चुनाव कराया जाए यदि ऐसा नहीं होता है तो प्रशासक बतौर ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त किया जाए। ताकि ग्राम पंचायत की संचालन में विवधान उत्पन्न ना हो सके क्योंकि ज्ञात रहे 26 में को ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है परंतु चुनाव अभी ना होने की स्थिति में ग्राम प्रधानों द्वारा 20 में को लखनऊ पहुंचने का निर्णय लिया है जिसमें वह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करेंगे क्योंकि पंचायत का चुनाव सर्वप्रथम समय से कराया जाए यदि नहीं हो पा रहा तो ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बतौर नियुक्त किया जाए।

जैसा अन्य प्रदेशों में भी किया जा चुका है प्रधानों ने 20 में को अपने साथ चलने के लिए भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार को भी आमंत्रित किया है जिसे उन्होंने जाना स्वीकार कर लिया है उन्होंने स्वतंत्र प्रभात से बात करते हुए कहा आज प्रधान संघ अध्यक्ष के साथ प्रधान साथियों ने जो मांग की गई है यह मेरे स्तर की नहीं है इस पर शासन जोभी निर्णय लेगा बाय सर्वोपरि होगा । परंतु ग्राम प्रधानों की मांग ठीक है यदि प्रधान गढ़ लखनऊ ले जाने की बात कर रहे हैं मुझे जाने में कोई आपत्ति नहीं है इस मौके पर भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार रफीक अहमद लाला खा त्रिवेंद्र कुमार गुड्डू यादव दीपू समेत भारी संख्या में प्रधानगढ़ उपस्थित थे।

बिना बोर्ड, बिना रजिस्ट्रेशन: महेवागंज में 'पारस' की जगह अब 'सहारा' के नाम पर मरीजों की जान से खिलवाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महेवागंज खीरी। स्वास्थ्य विभाग की नाक के नीचे महेवागंज कस्बे में अवैध अस्पतालों का काला कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला पारस हॉस्पिटल वाली उसी पुरानी बिल्डिंग का है, जहां अब 'सहारा हॉस्पिटल' के नाम से मौत का खेल शुरू हो गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस अस्पताल का न तो कोई साइन बोर्ड है और न ही कोई वैध रजिस्ट्रेशन, फिर भी यहाँ धड़ल्ले से मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। स्थानीय लोगों और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस कथित सहारा अस्पताल में इलाज के नाम पर मरीजों की जिंदगी के साथ भद्दा मजाक हो रहा है। यहाँ बिना किसी मेडिकल डिग्री के कुछ अनट्रेंड लड़के मरीजों को ड्रिप चढ़ाने, इंजेक्शन लगाने और गंभीर हालत में भर्ती करने जैसा जोखिम भरा काम कर रहे हैं। चर्चा तो यहाँ तक है कि बंद कमरों में बिना किसी विशेषज्ञ डॉक्टर के अवैध रूप से ऑपरेशन भी निपटा दिए जाते हैं। नियमों के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग को हर महीने निजी अस्पतालों का सघन निरीक्षण करना चाहिए, लेकिन महेवागंज की हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। जिस बिल्डिंग में पहले से विवादित पारस अस्पताल संचालित था, उसी पते पर बिना बोर्ड के नया अस्पताल खुल जाना विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

आखिर किसकी शह पर ये 'मुन्ना भाई' मरीजों की जान खतरे में डाल रहे हैं सीएचसी प्रभारी की भूमिका पर टिकी नजरें महेवागंज में ऐसे दर्जनों अस्पताल बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहे हैं, जो सीधे तौर पर गरीबों की जेब और जान पर डाका डाल रहे हैं। अब देखना यह होगा कि फूलबेहड़ सीएचसी प्रभारी इस मामले का संज्ञान लेकर अस्पताल को सील करते हैं या फिर जांच के नाम पर महज़ खानापूर्ति की जाएगी।

खाद की कालाबाजारी पर डीएम हुए सख्त,पीओएस मशीन से ही होगी बिक्री, ओवररेटिंग पर जेल की तैयारी

● खरीफ सीजन 2026 की तैयारियों को लेकर जिला उर्वरक समिति की बैठक; भारत-नेपाल सीमा पर सतर्कता बढ़ाने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। खरीफ सीजन 2026 के आगमन से पूर्व जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने और किसानों को निर्धारित दरों पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। मंगलवार देर शाम कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में आयोजित जिला स्तरीय उर्वरक समिति की बैठक में जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने सख्त लहजे में कहा कि उर्वरक बिक्री में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले के सभी उर्वरक विक्रेता सुबह 9:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक अपने बिक्री केंद्र अनिवार्य रूप से संचालित रखेंगे। खाद का वितरण केवल पीओएस (POS) मशीन के माध्यम से ही किया जाएगा। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए किसानों से खतौनी और फार्म रजिस्ट्री की प्रति लेना अनिवार्य होगा। डीएम ने चेताया कि स्टॉक और वितरण रजिस्टर अपडेट न मिलने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी। बैठक में केवल खाद की उपलब्धता ही नहीं, बल्कि मिट्टी की सेहत पर भी चर्चा हुई। डीएम ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे किसानों को 'पीएम प्रणाम योजना' के प्रति जागरूक करें। उन्होंने यूरिया के अंधाधुंध प्रयोग को रोकने और उसके स्थान पर एनपीके (NPK) व एसएसपी (SSP) जैसे उर्वरकों के संतुलित इस्तेमाल को बढ़ावा देने की अपील की। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा सुझाई गई मात्रा के अनुसार ही खाद डालने के लिए किसानों को प्रेरित किया जाएगा। लखीमपुर खीरी की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए भारत-नेपाल सीमा से सटे इलाकों में उर्वरक की तस्करी की संभावना बनी रहती है। इसे रोकने के लिए डीएम ने सीमावर्ती क्षेत्रों और प्रमुख बिक्री केंद्रों पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ?जनपद, तहसील और विकासखंड स्तर पर गठित निगरानी समितियां नियमित निरीक्षण करेंगी। खाद के साथ किसी अन्य उत्पाद की 'टैगिंग' (जबरन अन्य सामान बेचना) की शिकायत पर लाइसेंस रद्द किया जाएगा। शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए कंट्रोल रूम को 24/7 सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह और सहायक आयुक्त (सहकारिता) ने बैठक में आश्वस्त किया कि खरीफ 2026 के लिए जिले में यूरिया, डीएपी (DAP), एनपीके, एमओपी और एसएसपी की पर्याप्त उपलब्धता है। सहकारी समितियों, गन्ना विभाग और निजी विक्रेताओं के माध्यम से विकासखंडवार उर्वरकों का आवंटन सुचारू रूप से कर दिया गया है ताकि ऐन वक्त पर किसानों को भटकना न पड़े। 'किसानों का शोषण किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। यदि कोई विक्रेता निर्धारित मूल्य से एक रुपया भी अधिक वसूलता पाया गया या कालाबाजारी में संलिप्त मिला, तो उसके खिलाफ कठोरतम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। '– अंजनी कुमार सिंह, जिलाधिकारी।

संक्षिप्त खबरें

मिर्जापुरः 5 एसडीएम के कार्यक्षेत्र बदले, उप जिला अधिकारी अजीत कुमार को न्यायिक चुनार जो परियोजना निदेशक डूडा को लालगंज बनाए गए

लालगंज मीरजापुर। मीरजापुर जिले में प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 5 अधिकारियों के स्थानांतरण/नवीन तैनाती के आदेश जारी किए गए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।किसे कहां मिली तैनाती महेंद्र कुमार सिंह ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी लालगंज से ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर बनाए गए।गुलाब चन्द्र उप जिलाधिकारी सदर को अपर उप जिलाधिकारी सदर के साथ-साथ विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, सहायक अभिलेख अधिकारी, सहायक पर्यटन अधिकारी, प्रभारी अधिकारी धर्मार्थ कार्य, प्रभारी अधिकारी ट्रस्ट का कार्यभार सौंपा गया। राजेश कुमार उप जिलाधिकारी चुनार अब अपने कार्य के साथ-साथ उप जिलाधिकारी (न्यायिक) चुनार का कार्य भी देखेंगे।अजीत कुमार उप जिलाधिकारी (न्यायिक) चुनार एवं परियोजना निदेशक डूडा को उप जिलाधिकारी लालगंज के साथ-साथ उप जिलाधिकारी (न्यायिक) का कार्यभार दिया गया। संतोष कुमार ओझा अतिरिक्त अधिकारी/उप जिलाधिकारी अपने पूर्व कार्यों के साथ-साथ परियोजना निदेशक डूडा का कार्य भी देखेंगे। आदेश में सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यभार ग्रहण कर अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

22 किलो से अधिक गांजा के साथ अंतर्जनपदीय तस्कर गिरफ्तार

भदोही। औराई पुलिस व स्वाट/सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी करने वाले एक अंतर्जनपदीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 22 किलो 494 ग्राम अवैध गांजा, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा एंड्राइड मोबाइल बरामद किया है। बरामद गांजे की कीमत करीब 10 लाख 34 हजार 900 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी विकास उर्फ दीपक भारतीय निवासी थाना हंडिया, जनपद प्रयागराज है। उसे पुरूषोत्तमपुर तिराहा से कोठरा ओवरब्रिज मार्ग के पास मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सस्ते दामों में गांजा खरीदकर महंगे दामों में बेचता था और मुनाफे का पैसा साथियों में बांटता था। मामले में थाना औराई पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

गैर इरादतन हत्या में पति-पत्नी को सजा, कोर्ट ने सुनाई 10 व 7 वर्ष की कैद

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा

भदोही। 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत प्रभावी पैरवी और साक्ष्यों के आधार पर गैर इरादतन हत्या के मामले में अदालत ने पति-पत्नी को दोषी ठहराते हुए सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। मामला सुरियावां थाना क्षेत्र के विजयीपुर गांव का है। वर्ष 2018 में हुए विवाद के दौरान इन्द्रजीत उर्फ बोले और उसकी पत्नी वंदना देवी पर लाठी और लोहे की रॉड से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप था। घायल व्यक्ति को प्रयागराज रेफर किया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी हालत गंभीर बनी रही। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल और डीजीसी दिनेश कुमार पाण्डेय की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप सत्र न्यायाधीश अखिलेश दुबे की अदालत ने आरोपी इन्द्रजीत उर्फ बोले को धारा 304/34 आईपीसी में 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अभियुक्ता वंदना देवी को 7 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 20 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। अदालत ने अर्थदंड न जमा करने पर दोनों दोषियों को अतिरिक्त छह माह के साधारण कारावास की सजा भुगतने का आदेश भी दिया है।

सड़क निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, डीएम ने कराई गुणवत्ता जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में निर्माणाधीन सड़क परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा के तहत जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बुधवार को ज्ञानपुर क्षेत्र के विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कन्सापुर मार्ग पर चल रहे डीबीएम कार्य की मशीन से कटिंग कराकर सड़क की चौड़ाई एवं गुणवत्ता की जांच कराई। डीएम ने निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री, सड़क की मोटाई और चौड़ाई का गहन परीक्षण करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही कराया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके बाद जिलाधिकारी मुशीलॉटपुर पहुंचे, जहां सड़क निर्माण कार्य के बीच मार्ग किनारे लगे विद्युत खंभों के कारण कार्य प्रभावित मिला। इस पर उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग को तत्काल प्रभाव से विद्युत पोल शिफ्ट कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि खंभों के हटने के बाद निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए तथा जून 2026 तक सड़क निर्माण हर हाल में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी परियोजनाओं में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग संदीप सरोज, सहायक अभियंता सुभाष चंद्र, अपर अभियंता अंशु मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बोलेरो बाइक की टक्कर में एक की मौत दूसरा घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर के लालगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात बोलेरो और बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा लालगंज कलवारी रोड पर पतार कला के पास हुआ। टक्कर के बाद बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए मिर्जापुर ड्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

मिर्जापुर ड्रामा सेंटर में इलाज के दौरान देर रात 65 वर्षीय अवधेश पुत्र बलनाथ की मौत हो गई। मृतक लालगंज क्षेत्र के मेढ़रा गांव के निवासी थे। वहीं गंभीर रूप से घायल 25 वर्षीय पंकज पुत्र कमलेश को हालत नाजुक होने पर ड्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार अवधेश और पंकज रिश्तेदारी में बनकी गांव बारात मे जा रहे थे। तभी रास्ते में हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है साथी बोलेरो और बाइक को कब्जे में लेकर दुबार कलां चौकी पर खड़ा कर दिया गया है।

असंतुलित बाइक सवार नाले में गिरा बाइक सवार की मौत

लालगंज (मीरजापुर): क्षेत्र के महुलार गांव में स्थित ददरी बरकछ मार्ग पर बुधवार को शाम चार बजे बाइक सवार युवक बाइक से असंतुलित हो कर नाले में गिर गया और मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान 37 वर्षीय श्याम बहादुर कोल के रूप में हुई है। वह लालगंज थाना क्षेत्र के झिंगहा गांव का निवासी है। बताया जा रहा है कि मृतक श्याम बहादुर बाइक से दादरी बांध की तरफ से अपने घर झिंगहा गांव आ रहा था। अचानक असंतुलित बाइक सहित नाले में गिर गया और मृत्यु हो गई है। श्याम बहादुर को छोटे छोटे तीन बच्चे हैं जिसमें एक सबसे छोटा तीन माह का है। मौके पर पहुंची पुलिस शव को बरामद करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। और परिजनों को सूचना दिया गया सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग लेकर निकली गविष्ठ यात्रा 14 मई को भदोही पहुंचेगी

● सपा नेता राजेन्द्र दुबे ने की गविष्ठ यात्रा को सफल बनाने की अपील

औराई गोपीगंज ज्ञानपुर में होगा भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ज्ञानपुर। गौ माता को 'राज्य माता' और 'राष्ट्र माता' घोषित किए जाने की मांग को लेकर ज्योतिष्पीठाधीश्वर बदरिकाश्रम के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा निकाली जा रही 'गविष्ठ यात्रा' 14 मई को भदोही जिले में प्रवेश करेगी। यात्रा के स्वागत की तैयारियां जिलेभर में तेज कर दी गई हैं। 393 विधानसभा क्षेत्र ज्ञानपुर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं सपा नेता राजेंद्र दुबे ने आमजन से गविष्ठ यात्रा को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के दौरान राजेश कुमार दुबे एवं राजेंद्र दुबे ने गौ सेवा करते हुए गायों को गुड़ खिलाया और गौ संरक्षण का संदेश दिया।

यात्रा के स्वागताध्यक्ष, उत्तर प्रदेश विद्यालय प्रबंधक महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय पंचायत महासभा के राष्ट्रीय सचिव एवं शिक्षाविद् राजेश कुमार दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि गविष्ठ यात्रा सेवापुरी मार्ग से भदोही जिले के ब्रह्माश्रम चौरी में प्रवेश करेगी। चौरी में स्वागत कार्यक्रम के बाद यात्रा औराई पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे यात्रा गोपीगंज नगर स्थित वैभव लॉन पहुंचेगी। यहां जगद्गुरु शंकराचार्य का भव्य अभिनंदन किया जाएगा तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण होगा।

15 मई को जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती मीडिया से बातचीत करने के बाद ज्ञानपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। ज्ञानपुर में आजादी के अमर सेनानी शीतल पाल की प्रतिमा स्थल पर भी उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद यात्रा भदोही, मोढ़, सुरियावां होते हुए बरसठी-निगोह मार्ग से जौनपुर जिले में प्रवेश करेगी। इस अवसर पर 393 विधानसभा क्षेत्र ज्ञानपुर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं सपा नेता राजेंद्र दुबे ने आमजन से गविष्ठ यात्रा को सफल बनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान राजेश कुमार दुबे एवं राजेंद्र दुबे ने गौ सेवा करते हुए गायों को गुड़ खिलाया और गौ संरक्षण का संदेश दिया। गौरतलब है कि यह यात्रा देशभर में गौ संरक्षण और गौ माता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने की मांग को लेकर निकाली जा रही है, जिसे विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है। यह यात्रा यूपी के सभी 403 विधान सभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
www.swatantraprabhat.com
स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

जनता की उम्मीदों की नई पहचान बनीं डीएम कृतिका ज्योत्स्ना

● संवेदनशील कार्यशैली और त्वरित निर्णयों से जीत रहीं लोगों का भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में अपनी कार्यशैली, संवेदनशील प्रशासनिक दृष्टिकोण और त्वरित निर्णय क्षमता को लेकर लगातार चर्चा में हैं। एक जिलाधिकारी के रूप में उनका काम करने का तरीका आम जनता के बीच भरोसे और उम्मीद की नई मिसाल बनता जा रहा है। फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना, मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश देना और मामलों के शीघ्र निस्तारण की पहल करना उनकी प्रशासनिक कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान बन चुकी है। सुबह ठीक 10 बजे जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना अपने कार्यालय पहुंच जाती हैं और उसके बाद जनसुनवाई का सिलसिला शुरू हो जाता है। उनके कार्यालय में रोजाना जिले के अलग-अलग हिस्सों से लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। खास बात यह है कि जिलाधिकारी केवल औपचारिकता निभाने तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि हर शिकायत को गहराई से सुनकर समाधान की दिशा में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने की कोशिश करती हैं। जब जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा तो वहां फरियादियों की लंबी कतार लगी हुई थी। इसी दौरान एक अधिवक्ता अपने मुवक्किल के साथ जिलाधिकारी के समक्ष पहुंचे। मामला तीन भाइयों के बीच लंबे समय से चल रहे भूमि बंटवारे का था। जिलाधिकारी ने पूरे मामले को ध्यान से सुना और सीधे फरियादी से पूछा कि क्या वह पहले भी इस मामले में कार्यालय आया है। फरियादी ने वर्ष 2025 में आवेदन देने की बात कही। इस दौरान वह अपने वकील की ओर देखने लगा तो जिलाधिकारी ने मुस्कुराते हुए कहा कि 'उधर मत देखिए, सीधे बताइए।' इसके बाद उन्होंने तत्काल अपने स्टाफ को निर्देश देते हुए उपजिलाधिकारी हर्रैया से संपर्क कराया और आगामी थाना दिवस में मामले को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के इस व्यवहार और तत्परता से फरियादी संतुष्ट होकर खुशी-खुशी वापस लौटा। इसी बीच एक महिला अपनी समस्या लेकर पहुंची। जिलाधिकारी ने पूरे धैर्य के साथ उसकी बात सुनी और संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। महिला के चेहरे पर संतोष साफ दिखाई दे रहा था।

जनसुनवाई के दौरान एक अन्य व्यक्ति ने जिलाधिकारी को नाली की गंदगी से जुड़ी शिकायत दी और बातचीत में यह भी बताया कि सिद्धार्थनगर के एडीएम उनके रिश्तेदार हैं। जिलाधिकारी ने बिना किसी प्रभाव में आए पूरी निष्पक्षता के साथ शिकायतकर्ता से मौके की तस्वीरें मांगीं। जब वह तत्काल फोटो उपलब्ध नहीं करा सका तो जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'मैं अभी 12 बजे तक कार्यालय में हूं, फोटो मंगवाकर दिखा दीजिए, तभी प्रभावी कार्रवाई हो सकेगी।' यह संवाद प्रशासनिक पारदर्शिता और तथ्यों के आधार पर निर्णय लेने की उनकी शैली को दर्शाता है।

सबसे उल्लेखनीय मामला कृषक दुर्घटना बीमा से जुड़ा रहा, जिसमें एक व्यक्ति ने बताया कि आवेदन दिए एक वर्ष बीत चुका है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिलाधिकारी

ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारी को तत्काल निर्देशित किया। परिणाम यह रहा कि जो काम एक साल में नहीं हो सका था, वह कुछ ही घंटों में पूरा हो गया। फरियादी के चेहरे पर राहत और संतोष साफ दिखाई दे रहा था। दिनभर जिलाधिकारी कार्यालय में फरियादियों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन कृतिका ज्योत्स्ना हर शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए यथासंभव समाधान का प्रयास करती रहती हैं। खास बात यह भी है कि जनसुनवाई के साथ-साथ वह कार्यालय के अन्य प्रशासनिक कार्यों, लंबित फाइलों और विभागीय समीक्षा बैठकों को भी समान रूप से संभालती चलती हैं। बीच-बीच में अपने अधीनस्थ अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश देना भी उनकी कार्यशैली का हिस्सा है। बस्ती जिले में आम लोगों के बीच यह धारणा तेजी से मजबूत हो रही है कि जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना के पास पहुंचने वाला फरियादी खाली हाथ या निराश होकर वापस नहीं लौटता। उनकी संवेदनशीलता, अनुशासन और त्वरित निर्णय क्षमता ने उन्हें जिले में एक सक्रिय और जनहितैषी अधिकारी के रूप में स्थापित कर दिया है। इस दौरान CRO, के साथ कुछ समय के लिए अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

तेज आंधी तूफान में पेड़ पौधे मकान पर रखे गए तीन सेट हुए ध्वस्त

हलिया मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र में तेज आंधी तूफान में कई मकानों पर रखे गए टिन सेट हुए ध्वस्त रास्ते में पेड़ पौधे भी हुए नष्ट काफी रफ्तार से आया तूफान रास्ते में चल रहे यात्री जगह-जगह रुक कर आंधी निकालने का कर रहे इंतजार तूफान ने किया 1 घंटे तक लोगों को व्यस्त रास्ते में दुकानों का होटल का सहारा लेकर रुके यात्री बगीचे में फेयर आम हुए हवा के शिकार लोग घरों से भाग कर आम बिन में रहे परेशान आज की तूफान से लोगों का जीवन किया अस्त व्यस्त रखे गए घर के ऊपर तीन सेट हो गए नष्ट मार्केट में लोग अपनी दुकान बंद कर आंधी निकालने का करते रहे इंतजार पूरे क्षेत्र में रहा आंधी का कहर।

सिलेंडर लदा ट्रक पलटा चालक गंभीर रूप से घायल 342 सिलेंडर इंडियन के गैस गोदाम में ले जा रहा था ट्रक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के गलरिया गांव में बुधवार को सुबह एक गैस सिलेंडर लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया इस हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया ट्रक में 342 रसोई गैस सिलेंडर लदे थे जिन्हें गोदाम पर उतारने ले जा रहा था। यह घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई जब नीरज इंडियन गैस एजेंसी बबुरा कला का ट्रक वाराणसी से सिलेंडर लेकर गलरिया गांव स्थित गोदाम जा रहा था। गोदाम से लगभग 200 मीटर पहले इंटरलॉकिंग सड़क के मोड पर सड़क किनारे से उखड़ी होने के कारण ट्रक अनियंत्रित होकर तीन फीट नीचे खेत में पलट गया। हादसे के बाद ग्रामीण और गोदाम कर्मचारिय महेश कोल ने मिलकर घायल चालक सरोज यादव 41 निवासी फिरोजपुर थाना जंगीपुर जिला गाजीपुर को ट्रक से बाहर निकाला तुरंत एंबुलेंस सेवा 108 पर फोन किया लेकिन एंबुलेंस 1 घंटे बाद पहुंची जिस पर ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग के रवैए पर नाराजगी जताई घायल चालक को पीएचसी हलिया भेजा गया।

पीएचसी हलिया में प्राथमिक उपचार के बाद प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने चालक की पसलियों में गंभीर चोट को देखते हुए उसे मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया नीरज इंडियन गैस एजेंसी के मालिक सूरज सिंह पटेल ने बताया कि सड़क के मोड पर इंटरलॉकिंग सड़क क्षतिग्रस्त होने और रास्ता सकरा होने के कारण यह हादसा हुआ उन्होंने यह भी बताया कि क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत के लिए वीडियो और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को पहले ही सूचित किया जा चुका है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

100 शैय्या अस्पताल निर्माण में लापरवाही पर डीएम सख्त

● परियोजना प्रबंधक पर कार्रवाई के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाली 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय परियोजना में निर्माण कार्य की धीमी प्रगति और अव्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बुधवार को कड़ा रुख अपनाया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान कार्य की स्थिति असंतोषजनक मिलने पर उन्होंने परियोजना प्रबंधक को फटकार लगाते हुए कार्रवाई एवं स्थानांतरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी शशिकांत, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग तथा कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम सोनभद्र इकाई के अधिकारी मौजूद रहे। परियोजना प्रबंधक ने बताया कि 770.99 लाख रुपये की लागत वाली इस परियोजना का लगभग 69 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और मुख्य भवन को 30 जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मौके पर 32 श्रमिक कार्य करते मिले। हालांकि निरीक्षण में निर्माण स्थल पर साफ-सफाई का अभाव, सामग्री की अव्यवस्थित स्थिति और सीमित संख्या में श्रमिक काम करते पाए गए।

जिलाधिकारी ने मौके की स्थिति देखकर नाराजगी जताई और कहा कि वर्तमान प्रगति के आधार पर तय समय में कार्य पूरा होना संभव नहीं दिख रहा है। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि अस्पताल भवन के पीछे प्रस्तावित नर्सिंग हॉस्टल एवं आवासीय भवनों का निर्माण अभी शुरू तक नहीं हुआ है, जबकि मुख्य भवन में विद्युत कार्य भी बंद मिला। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि अधिकांश निरीक्षणों में केवल 10 से 12 श्रमिक ही कार्य करते मिलते हैं, जिससे निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। इस पर डीएम ने परियोजना प्रबंधक को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल मैनपावर बढ़ाने और निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को परियोजना प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई एवं स्थानांतरण के संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र भेजने के निर्देश दिए। वहीं मुख्य चिकित्साधिकारी को कार्यदायी संस्था के परियोजना प्रबंधक के खिलाफ विधिक कार्रवाई सुनिश्चित कराने को कहा। इसके बाद जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत निर्माणाधीन 50 शैय्यायुक्त क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना पर 45 श्रमिक कार्यरत हैं और दिसंबर 2026 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य है। निरीक्षण में भवन के विभिन्न हिस्सों में निर्माण कार्य प्रगति पर मिला, हालांकि कुछ स्थानों पर बीम में हनीकॉम्बिंग भी दिखाई दी, जिसकी जांच लखनऊ की संस्था से कराए जाने की जानकारी दी गई।

मेडिकल कॉलेज में जातिगत उत्पीड़न का आरोप

● राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने लिया संज्ञान

● एसोसिएट प्रोफे.डा.घनश्याम अहिरवार की शिकायत पर डीजीएमई को नोटिस, 15 दिन में मांगी गई रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, ललितपुर एक बार फिर गंभीर विवादों के केंद्र में आ गया है। मेडिकल कॉलेज में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर डा. घनश्याम अहिरवार ने कार्यस्थल पर जातिगत भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न और प्रशासनिक प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। मामले को गंभीर मानते हुए आयोग ने संज्ञान लिया है और महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, लखनऊ से 15 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

शिकायतकर्ता डा. घनश्याम अहिरवार, जो मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में तैनात हैं, ने अपने प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उनकी नियुक्ति के बाद से विभागाध्यक्ष द्वारा लगातार जातिगत पूर्वाग्रह के चलते मानसिक, व्यावसायिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षण कार्य में लगातार बाधाएं उत्पन्न की गई, विभागीय जिम्मेदारियों से अलग किया गया, चिकित्सा अवकाश स्वीकृत नहीं किया गया और वार्षिक गोपनीय आख्या सहित कई प्रशासनिक मामलों में भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया गया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि अन्य कर्मचारियों को मिलने वाली प्रशासनिक सुविधाएं उन्हें समान रूप से उपलब्ध नहीं कराई गईं, जिससे उनके कार्य करने का माहौल प्रभावित हुआ।

डा.अहिरवार का कहना है कि छात्रों के बीच भी उनकी जाति को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां की गईं, जिससे उनकी पेशेवर गरिमा प्रभावित हुई। आयोग ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए मामले की जांच शुरू की है। आयोग द्वारा भेजे गए नोटिस के बाद महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण ने मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डा.मयंक शुक्ला को

शिकायतकर्ता प्रोफेसर

पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की तथ्यात्मक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मामला सामने आने के बाद चिकित्सा एवं प्रशासनिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। वहीं यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि मामला पहले से कॉलेज प्रशासन के संज्ञान में था तो शिकायतकर्ता को आयोग तक जाने की नौबत क्यों आई। फिलहाल कॉलेज प्रशासन या संबंधित अधिकारियों की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यदि निर्धारित समय में जवाब नहीं दिया गया तो आयोग आगे दीवानी न्यायालय जैसी शक्तियों का प्रयोग करते हुए समन जारी कर सकता है।

भदोही में तूफ़ान के दौरान मकान पर गिरा पेड़, महिला समेत तीन की मौत दो घायल

●पूरा परिवार मलबे के नीचे दबा,मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। सुरियावां थाना क्षेत्र के खरगसेनपट्टी गांव में बुधवार की शाम तेज आंधी-तूफान के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ है। मकान पर पेड़ गिरने से घर में मौजूद पूरा परिवार दब गया और चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों की मदद से मलबे में फँसे लोगों को बाहर निकाला गया मगर मौके पर ही एक महिला और बच्ची की मौत हो चुकी थी जबकि तीन लोग घायल थे। घटना के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहाँ एक और बच्ची ने भी दम तोड़ दिया जबकि दो घायल का इलाज चल रहा है। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई और घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से पूरे इलाके में मातम पसर गया है,घटनास्थल पर भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में पुलिस ने शवों को क़ब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

सुरियावां थाना क्षेत्र के खरगसेनपट्टी गांव निवासी अशोक गौतम पुत्र स्वर्गीय हंसराज गौतम मुंबई में नौकरी करता है। अशोक पाँच भाई है। अशोक की पत्नी और बच्चे और अशोक का भाई विनोद घर पर ही रहता है। बुधवार की शाम अचानक तेज हवाओं के साथ तूफान आया और अशोक के घर के सामने मौजूद नीम का पेड़ टूटकर मकान पर गिर पड़ा। मकान पर पेड़ गिरने के कारण मकान भरभराकर ढह गया और मकान के नीचे अशोक का पूरा परिवार दब गया। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई और कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों ने आनन-फ़ानन में मलबे में फँसे लोगों को बाहर निकाला मगर तब तक मलबे में दबकर अशोक की पत्नी सुधा(28) और बेटी आरुषि(6) की मौत हो चुकी थी और सुधा की बेटी जूही(4),बेटा आदर्श(8) और आरुही(4) घायल हो गई। ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहाँ जूही(4) की मौत हो गई जबकि आदर्श और आरुही का इलाज चल रहा है। इस हादसे में अशोक की पत्नी और दो बेटियों समेत तीन लोगों की मौत हुई है जबकि दो घायलों का इलाज चल रहा है। हादसे से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटनास्थल पर घर के सामने मलबा फैला हुआ है। प्रधानपति फ़ुलचंद गौतम ने पीड़ित परिवार को पच्चीस हज़ार रुपये सहायता देने की बात कही है। हादसे ने पूरे परिवार की खुशियां छीन ली।

संक्षिप्त खबरें

सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र का इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम शानदार

नैनी, प्रयागराज। सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र में आज सीबीएसई बोर्ड द्वारा इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय के छात्र क्रियांश सिन्हा ने 93.6 प्रतिशत अंक (468/ 500) प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं प्रवीण कुमार ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शशिकांत तिवारी 87 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहे। इसके अतिरिक्त वैष्णवी मिश्रा ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चौथा स्थान तथा आशु ने 84.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पांचवां स्थान हासिल किया।विद्यालय से इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 182 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए थे, जिनका कुल परीक्षा परिणाम 80.21 प्रतिशत रहा।विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र ने सफल छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे तथा विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मेरठ में वर्दी की गुंडागर्दी, ढाबे में मारपीट और तोड़फोड़ की, SSP ने 2 कांस्टेबल को किया सस्पेंड

उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से पुलिसकर्मियों की दबंगई का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक ढाबे पर खाना खाने पहुंचे दो पुलिसकर्मियों ने ढाबे में काम करने वाले लोगों से मारपीट की. आरोप है कि दोनों पुलिसकर्मी शराब के नशे थे, इस दौरान उन्होंने अपशब्द भी कहे. आरोप है कि वीडियो बनाए जाने पर पुलिसकर्मियों ने फोन तोड़ दिया. वहीं अब इन आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई है। मेरठ के दो पुलिसकर्मी शायद खुद को बदमाश समझ रहे थे. देर रात मेरठ के रोहटा थाना क्षेत्र के ढाबे में दो पुलिसकर्मी भरत और अमित कुमार नशे की हालत ढाबा संचालक को पीट दिया. आरोप है कि भोला झाल स्थित यशपाल ढाबे पर खाना बना रहे यशपाल और सोनू के साथ रोहटा थाने में तैनात दो सिपाहियों ने बेरहमी से मारपीट की. आरोपी सिपाही नशे की हालत में थे और ढाबे पर अपने साथियों के साथ खाना खाने के लिए आए थे. घटना का वीडियो बनाए जाने पर मोबाइल फोन भी तोड़ दिए गए। दरअसल, दोनों पुलिसकर्मी पर लगे आरोप सही पाए जाने पर, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई है.इस मामले में आरोपी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया. बता दें कि दोनों सिपाहियों को निलंबित कर गया है. साथ ही विभागीय जांच के आदेश दिए हैं. आरोप है कि दोनों पुलिसकर्मियों ने नशे की हालत में एक ढाबे में काम करने वाले लोगों के साथ मारपीट की थी। इस मामले में सीओ सरधना आशुतोष कुमार ने बताया कि 13 तारीख की रात्रि में थाना रोहटा पर तैनात दो सिपाही अमित कुमार और भारत द्वारा थाना जानी अंतर्गत एक भोला झाल के पास ढाबे में खाने के दौरान अभद्रता की गई. पुलिसकर्मियों के द्वारा की गई अनुशासनहीनता के चलते एसएसपी मेरठ द्वारा इनको निलंबित कर दिया गया है और विभागीय जांच की जा रही है।

एक दशक से ट्रेनों में आतंक मचाने वाले कुख्यात लूटेरे को प्रयागराज पुलिस ने दबोचा, लूट और चोरी के 26 मुकदमे हैं दर्ज

प्रयागराज। ट्रेनों में यात्रियों, विशेषकर महिलाओं के लिए एक दशक से सिरदर्द बना शातिर लुटेरा शानू उर्फ शान मोहम्मद पुलिस एक बार फिर जीआरपी-आरपीएफ के हत्थे चढ़ गया है। पिछले 10 सालों में इसके विरुद्ध चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट जैसी धाराओं में कुल 26 मुकदमे दर्ज हैं। यह शातिर जेल जाने और जमानत पर छूटने के बाद फिर से चोरी और छिनैती के काम में जुट जाता था। इस बार इसे महिला यात्री की मंगलसूत्र छीनने के मुकदमे में दबोचा गया है। घटना 10 मई 2026 की है, जब काशी एक्सप्रेस (ट्रेन नं. 15017) के कोच नंबर एस-टू में यात्रा कर रही सरिता त्रिपाठी के गले से इसने मंगलसूत्र छीना था। 13 मई प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक से इसे दबोचा गया। सोरांव के पुरानी बाजार शाहगंज मोहल्ला निवासी शान मोहम्मद पर वर्ष 2015 में जीआरपी प्रयागराज ने ही पहला मुकदमा दर्ज था। वर्ष 2022 में सर्वाधिक आठ मुकदमे दर्ज हुए। 2019 के कोरोना काल को छोड़कर, यह हर साल वारदातों को अंजाम देता रहा। इसका मुख्य निशाना चलती ट्रेनों में महिलाएं होती थीं, जिनसे यह जेवरात और मंगलसूत्र छीनकर भाग निकलता था। सवाल यहां यह भी है कि शान मोहम्मद आखिर कब तक जेल में रहेगा ? उसे फिर जमानत मिलेगी और फिर से आतंक शुरू हो जाएगा। प्रभारी निरीक्षक जीआरपी अकलेश कुमार सिंह ने बताया कि शान मोहम्मद अक्सर आउटर पर चलती ट्रेन की गति कम होने का इंतजार करता था। जैसे ही ट्रेन धीमी होती, यह झपट्टा मारकर कीमती सामान छीनता और ट्रेन से कूदकर गायब हो जाता था।

नीट परीक्षा का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, याचिका में कहा- NTA से भरोसा उठा दोबारा कराए जाए एग्जाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। नीटयूजी 2026 पेपर लीक मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने याचिका दायर कर एनटीए को हटाकर नई और अधिक पारदर्शी संस्था गठित करने की मांग की है। साथ ही याचिका में यह भी कहा गया है कि मामले की जांच कर रही सीबीआई से चार सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट मांगी जाए। याचिका में परीक्षा प्रक्रिया में व्यापक सुधार की मांग करते हुए कहा गया है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को या तो पूरी तरह भंग किया जाए या उसमें बड़े स्तर पर बदलाव किए जाएं, ताकि एक मजबूत, आधुनिक और स्वतंत्र परीक्षा संस्था बनाई जा सके। संगठन ने सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में चिकित्सा प्रवेश परीक्षा दोबारा कराने की मांग भी की है।याचिका में यह मांग की गई है कि वह केंद्र सरकार को एनईटी परीक्षा आयोजित करने के लिए एनटीए को एक ' अधिक मजबूत, तकनीकी रूप से उन्नत और स्वायत्त निकाय' से बदलने का निर्देश दे। याचिका के अनुसार, पुनर्परीक्षा की निगरानी के लिए अदालत की ओर से एक उच्चस्तरीय समिति गठित की जाए, जिसकी अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करें। समिति में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और फॉरेंसिक वैज्ञानिक को भी शामिल करने का सुझाव दिया गया है। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि जब तक राष्ट्रीय परीक्षा अखंडता आयोग नाम की नई संस्था का गठन नहीं हो जाता, तब तक यही समिति परीक्षा सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करे। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने की व्यवस्था लागू करने की मांग की गई है। साथ ही पेपर लीक की आशंका को समाप्त करने के लिए परीक्षा को पारंपरिक लिखित प्रणाली के बजाय संगणक आधारित प्रणाली से आयोजित करने का सुझाव दिया गया है। परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी, जिसमें करीब 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, पेपर लीक का संबंध पांच राज्यों से जुड़ा हुआ है।

अब तक की जांच में सामने आया है कि प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लीक हो गया था। जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान के कई प्रश्न परीक्षा में हूबहू पाए गए। इसके बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने आधिकारिक घोषणा करते हुए परीक्षा रद्द कर दी और कहा कि दोबारा परीक्षा कराई जाएगी, जिसकी नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी।

प्रयागराज में तेज आंधी के कारण जौनपुर रेल रूट पर गिरा विशालकाय पेड़

प्रयागराज। संगम नगरी और आसपास के इलाकों में आई तेज आंधी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। आंधी के कारण प्रयागराज-जौनपुर रेल मार्ग पर थारवई रेलवे स्टेशन के पास एक विशालकाय पेड़ रेलवे ट्रैक पर गिर गया, जिससे इस रूट पर ट्रेनों का संचालन पूरी तरह ठप हो गया है। घटना शाम लगभग सात बजे की है। ट्रैक पर पेड़ गिरने से अप और डाउन, दोनों लाइनों पर यातायात बाधित है। घटना थरवई और सरायचंडी रेलवे स्टेशन के बीच गेम नंबर आठ-सी पर हुई है। इससे कामायनी एक्सप्रेस, बुंदेलखंड एक्सप्रेस, पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस समेत गाजीपुर डेमू और पैसेंजर ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर खड़ा किया गया है। मौजूदा स्थिति यह है कि पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस को प्रयागराज जंक्शन पर रोका गया है, जबकि गाजीपुर डेमू और पैसेंजर ट्रेनें प्रयागराज संगम स्टेशन से रवाना नहीं हो सकी हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेस जंघई स्टेशन पर खड़ी है। रेलवे प्रशासन को सूचना मिलते ही अधिकारी और तकनीकी कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंच गई है। पेड़ को काटकर ट्रैक से हटाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ट्रैक पूरी तरह खाली होने और सुरक्षा जांच के बाद ही ट्रेनों का संचालन पुनः बहाल किया जाएगा।

तमिलनाडु विधानसभा में विजय सरकार ने जीता विश्वास मत,144 विधायकों का मिला समर्थन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने आज विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया। सदन में हुए फ्लोर टेस्ट में उनकी पार्टी टीवीके सरकार को स्पष्ट बहुमत मिला। विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री के विश्वास प्रस्ताव के समर्थन में 144 विधायकों ने वोट डाला, जबकि 22 सदस्यों ने प्रस्ताव का विरोध किया। इसके अलावा 5 विधायक तटस्थ रहे। तमिलनाडु विधानसभा में यह विश्वास मत नई सरकार की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आयोजित किया गया था। कुल 171 सदस्यों की मौजूदगी में हुई इस प्रक्रिया में विजय सरकार ने आसानी से बहुमत साबित कर दिया। इसके साथ ही राज्य में सरकार के बने रहने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। विश्वास मत की प्रक्रिया शुरू होने से पहले विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर ने सदन में मौजूद विधायकों की गिनती की। इस दौरान डीएमके के वॉकआउट के बाद टीवीके, वामपंथी दलों, वीसीके, आईयूएमएल, बीजेपी, डीएमडीके, पीएमके और अन्य सहयोगी दलों के विधायक सदन में मौजूद रहे। वोटिंग के दौरान टीवीके सरकार को मजबूत समर्थन मिला और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया। 22 विधायकों ने सरकार के खिलाफ मतदान किया, जबकि 5 सदस्य मतदान प्रक्रिया से दूर रहे। विश्वास मत जीतने के बाद तमिलनाडु में टीवीके सरकार की स्थिति और मजबूत मानी जा रही है। राजनीतिक हलकों में इस फ्लोर टेस्ट को विजय सरकार के लिए अहम माना जा रहा था, क्योंकि इससे सरकार की स्थिरता और सदन में समर्थन का आंकड़ा साफ होना था।विश्वास प्रस्ताव में मिली बड़ी जीत ने यह संकेत दिया है कि विधानसभा में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को सहयोगी दलों का मजबूत समर्थन हासिल है।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते दो अभियुक्त व एक अभियुक्ता गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुट्ठीगंज/प्रयागराज। अपराध एवं अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मुट्ठीगंज पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए दो अभियुक्तों और एक अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 52 ताश के पत्ते, 20,870 रुपये नकद तथा जामा तलाशी के दौरान 3,200 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार थाना मुट्ठीगंज क्षेत्र में गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर बैठकर हार-जीत की बाजी लगाते हुए जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों तथा एक अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने जुआ खेलने में प्रयुक्त 52 ताश के पत्ते और 20,870 रुपये नकद बरामद किए। वहीं गिरफ्तार आरोपियों की जामा तलाशी से 3,200 रुपये अतिरिक्त नकद भी बरामद हुआ। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किए जाने की तैयारी की जा रही है।

भीषण आग घटना से पूरे नैनी क्षेत्र में शोक व्यापार मंडल ने शोक व्यक्त किया

नैनी, प्रयागराज– नैनी बाजार स्थित एक मकान में मंगलवार रात भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग राम लाल केसरवानी के मकान में लगी, । हादसे में दुकान संचालक संजीव केसरवानी की पत्नी अर्चना केसरवानी गंभीर रूप से झुलस गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं9 उनकी 13 वर्षीय बेटी की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है।घटना से पूरे नैनी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। नैनी व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने अर्चना केसरवानी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। व्यापार मंडल के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शोक सभा में व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष चंद्र केसरवानी, पार्षद राकेश जायसवाल, महामंत्री घनश्याम जायसवाल, उपाध्यक्ष नाजिम खान, राजेश केसरवानी, मो. अजहर सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

नैनी बाजार में भीषण अग्निकांडः मां की मौत, बेटी बाल-बाल बची,दो पुलिसकर्मी झुलसे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयखगराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के चैंपियन गली स्थित नैनी बाजार में मंगलवार देर रात एक रिहायशी मकान में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि मकान में मौजूद महिलाएं और बच्चे अंदर फंस गए। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी 13 वर्षीय बेटी को सुरक्षित बचा लिया गया। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान दो पुलिसकर्मी भी झुलस गए। जानकारी के अनुसार, मकान के निचले हिस्से में 'संजीव क्रॉकरी' नाम से गोदाम संचालित होता है, जबकि परिवार उसी भवन में रहता था। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। देखते ही देखते आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया और चारों ओर धुआं व लपटें फैल गई।घटना के समय परिवार के पुरुष सदस्य नैनी बाजार स्थित दुकान पर मौजूद थे, जबकि घर की महिलाएं दूसरे और तीसरे तल पर थीं। आग बढ़ने पर कई लोगों ने पड़ोस की छत पर छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। हालांकि अर्चना केसरवानी, उनकी 13 वर्षीय बेटी तथा भाभी सरिता घर के अंदर फंस गई थीं।स्थानीय लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर बचाव कार्य शुरू किया। किसी ने दरवाजे तोड़े तो किसी ने छतों के रास्ते लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को बाहर निकाला गया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

इलाज के दौरान अर्चना केसरवानी की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी को जांच के बाद सुरक्षित घर भेज दिया गया। सरिता को भी बाहर निकाल लिया गया।सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। दर्जनों दमकल वाहनों ने घंटों मशक्कत के बाद देर रात करीब दो बजे आग पर काबू पाया। हादसे के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में जुटे पुलिसकर्मी राहुल और धर्मेंद्र भी झुलस गए, लेकिन उन्होंने लोगों को सुरक्षित निकालने का कार्य जारी रखा। उनके साहस और समर्पण की क्षेत्र में सराहना हो रही है।घटना के बाद पूरे चैंपियन गली और नैनी बाजार क्षेत्र में शोक का माहौल है। जिस घर में कुछ घंटे पहले तक रौनक थी, वहां अब राख, धुआं और चीख-पुकार की यादें बाकी हैं। बुधवार सुबह मृतका का अंतिम संस्कार दारागंज घाट पर किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा से गुवाहाटी क्राइम ब्रांच ने की पूछताछ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा बुधवार को असम के गुवाहाटी स्थित क्राइम ब्रांच कार्यालय पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराए गए मामले में पूछताछ का सामना किया। अधिकारियों के मुताबिक, खेड़ा जांच में सहयोग करने के लिए दिन में क्राइम ब्रांच दफ्तर पहुंचे और अधिकारियों के सवालों के जवाब दिए। क्राइम ब्रांच कार्यालय के बाहर मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में पवन खेड़ा ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वह कानून का पालन करेंगे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें मामले में अग्रिम जमानत देते हुए गिरफ्तारी से अंतरिम राहत प्रदान की थी, लेकिन साथ ही जांच में सहयोग करने का निर्देश भी दिया था। यह मामला उस शिकायत से जुड़ा है, जो रिनिकी भुइयां सरमा ने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह दावा किया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनके वित्तीय हित जुड़े हुए हैं। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की कई धाराएं लगाई गई हैं। इनमें चुनाव से जुड़े मामलों में झूठे बयान देना, धोखाधड़ी, मूल्यवान दस्तावेजों की जालसाजी, सरकारी रिकॉर्ड में फर्जीवाड़ा, फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल, जानबूझकर अपमान और मानहानि जैसी धाराएं शामिल हैं। मामले में कानूनी लड़ाई भी लंबी चली। पवन खेड़ा ने पहले तेलंगाना हाई कोर्ट का रुख किया था, जहां उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिली थी ताकि वे असम की सक्षम अदालत में नियमित राहत मांग सकें। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उस ट्रांजिट जमानत पर रोक लगा दी और स्पष्ट किया कि असम की अदालत स्वतंत्र रूप से मामले पर फैसला करेगी। इसके बाद खेड़ा ने गुवाहाटी हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया। हाई कोर्ट ने कहा था कि मामला केवल साधारण मानहानि का नहीं है और यह जानने के लिए हिरासत में पूछताछ जरूरी है कि खेड़ा द्वारा बताए गए दस्तावेज आखिर कहां से आए। इसी बीच, जांच के तहत असम पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर तलाशी भी ली थी। साथ ही हैदराबाद में भी जांच से जुड़े कदम उठाए गए थे।

ए डी एम प्रशासन नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) के द्वारा स्वरूपरानी नेहरू हास्पिटल, का किया गया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज– अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूजा मिश्रा ने अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) के साथ मंगलवार को समय लगभग प्रातः 10.30 बजे स्वरूपरानी नेहरू हास्पिटल, प्रयागराज का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डा0 वी0के0 पाडेण्य, प्रधानाचार्य, मोती लाल नेहरू कालेज, प्रयागराज, अधीक्षक, स्वरूपरानी नेहरू हास्पिटल, डा0 अमित सिह एवं हास्पिटल के अन्य कर्मचारी/स्टाफ उपस्थिति रहे तथा निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय की व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया गया। चिकित्सकों की उपस्थिति चेक करने दौरान अधिकांश चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ अपने अपने निर्धारित ड्यूटी पर उपस्थित पाये गये। विभिन्न विभागों यथा पी0एम0एस0वाई विभाग, डेन्टल विभाग, सर्जरी विभाग, रेडियोलॉजी विभाग, कार्डियोलॉजी विभाग आदि विभागों में तैनात चिकित्सकों / स्टाफ के उपस्थित पंजिका का अवलोकन किया गया तथा उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर बनाया गया। निरीक्षण के समय सभी चिकित्सकों एवं स्टाफ को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित समय पर अपने ड्यूटी स्थल पर उपस्थिति सुनिश्चित करें। अनुस्पथिति की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेना सुनिश्चित करे। यह भी निर्देश दिये गये कि उपस्थिति पंजिका का रख रखाव नियमानुसार और समयबद्ध तरीके से किया जाय ताकि उत्तरदायित्व और पारदिर्शित बनी रहे।

स्वरूपरानी हास्पिटल में तैनात डाक्टरों / चिकित्सकों के निजी प्रैक्टिक्स के संबंध में ऐसा कोई तथ्य प्रकाश में नही आया। प्रधानाचार्य, मेडिकल कालेज तथा अधीक्षक, स्वरूपरानी हास्पिटल से अपेक्षा की गयी कि शासन द्वारा निर्धारित नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय एंव किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर नियमानुसार संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। स्वरूपरानी हास्पिटल के ट्रामा सेन्टर का निरीक्षण किया गया।

संगम तट पर अब दिखेगा काशी और हरिद्वार जैसा नजारा

प्रयागराज। गंगा दशहरा 26 मई से पावन संगम पर भी वाराणसी और हरिद्वार की तर्ज पर भव्य व दिव्य आरती का शुभारंभ किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। यह आरती फ्लोटिंग जेटी पर होगी, जबकि मोटर बोट पर सवार होकर श्रद्धालु इस धार्मिक आयोजन में शामिल हो सकेंगे। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी तट पर वर्ष पर्यंत विशेष धार्मिक कार्य की ओर कदम बढ़ाते हुए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने कदम उठाया है। यह आयोजन न सिर्फ मनमोहक दृश्य वाला होगा, बल्कि मंत्रोच्चार व दीपों के बीच धार्मिक और भक्तिपूर्ण माहौल भरा होगा। संगम तट पर आरती के लिए फ्लोटिंग रहेगी, जिस पर पुरोहितगण गंगा की आरती उतारेंगे और सामने स्टीमर, मोटर बोट तथा अन्य नावों पर श्रद्धालुजन होंगे। लगभग 40 मिनट के इस आयोजन की भव्यता और दिव्यता बढ़ाने के लिए हर कोशिश की जा रही है। संगम के पास रामघाट तथा उसके पास में और अरैल तट पर प्रतिदिन शाम को आरती का आयोजन होता है। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि गंगा दशहरा से संगम पर आरती का आयोजन शुरू कराया जाएगा, फिर भविष्य में इसे और भव्य बनाया जाएगा।

प्रतीक यादव के निधन पर सपाइयों ने जताया शोक

नैनी, प्रयागराज– पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव के निधन पर नैनी में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तारीख आफताब के नेतृत्व में आयोजित शोक सभा में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।मोहम्मद तारीख आफताब ने कहा कि प्रतीक यादव के निधन से समाजवादी परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दुख की इस घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने की कामना की।इस अवसर पर इशरत सिद्दीकी, सानू कुरैशी सहित अन्य समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में दिल्ली के वकीलों की जज नियुक्ति पर बार एसोसिएशन ने जताई आपत्ति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर हाईकोर्ट में दिल्ली में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों की जज के रूप में नियुक्ति पर आपत्ति जताई। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में वकालत करने वाले कई वकीलों को इलाहाबाद हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया। एसोसिएशन ने कहा कि पहले भी ऐसी नियुक्तियां हुई हैं लेकिन भविष्य में इस प्रक्रिया को रोका जाना चाहिए। पत्र में कहा गया कि जब दिल्ली के वकीलों के नाम जज नियुक्ति के लिए सुझाए जाते है तब कॉलेजियम यह नहीं बताता कि उनके पास ऐसा कौन-सा वस्तुनिष्ठ आधार या सामग्री है, जिसके आधार पर उन वकीलों की सिफारिश की जाती है, जिनकी इलाहाबाद हाईकोर्ट में नियमित पैरवी या फाइलिंग तक नहीं होती। बार एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि इलाहाबाद में लंबे समय से प्रैक्टिस कर रहे वकीलों की अक्सर अनदेखी की जाती है। पत्र में कहा गया, 'जो वकील दिल्ली या अन्य अदालतों में प्रैक्टिस कर रहे हैं और वहां के कॉलेजियम द्वारा उपयुक्त नहीं माने गए या सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों को इलाहाबाद हाईकोर्ट में जज नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, बड़ी संख्या में ऐसे वकीलों को यहां जज बनाया गया। इससे यह संकेत मिलता है कि हाईकोर्ट स्तर का कॉलेजियम भी स्वतंत्र निर्णय लेने में कमी दिखा रहा है।' एसोसिएशन ने यह भी कहा कि ऐसी नियुक्तियों से भाई-भतीजावाद और पक्षपात की आशंकाएं पैदा होती हैं।

पत्र में कहा गया कि कॉलेजियम प्रणाली का उद्देश्य सबसे योग्य और प्रतिभाशाली लोगों को हाईकोर्ट का जज बनाना था ताकि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और गरिमा बनी रहे। लेकिन मौजूदा व्यवस्था पर लगातार सवाल उठ रहे हैं और कई फैसले अपारदर्शी दिखाई देते हैं।

इंसानियत सिर्फ इंसानों तक सीमित नहीं होती.. इस की मिसाल है पहल 'दाना-पानी'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। गर्मी जब अपने चरम पर होती है, तो इंसान छाँव ढूँढ लेता है, कहीं बाहर होने पर या न मिलने पर पानी खरीद कर पी लेता है, कुल मिलाकर प्यास बुझाने के हजार रास्ते तलाश लेता है.. लेकिन, उन बेजुबान परिंदों और जानवरों का क्या, जो न तो किसी के घर का दरवाज़ा खटखटा सकते हैं, न ही अपनी प्यास की वजह से हुए अपने बेहाल हुए हाल की दास्ताँ बयाँ कर सकते हैं? तेज धूप में झुलसती सड़कों पर, सूखी छतों और वीरान कोनों में जब कोई चिड़िया अपनी चोंच खोलकर बेबस निगाहों से आसमान की तरफ देखती है, यह मंज़र ही काफी है दिल को भीतर तक हिला देने के लिए। ये वही पल होते हैं, जब इंसानियत की असली परीक्षा होती है और कुछ लोग इस परीक्षा में खरे उतरते हैं। शहर की तेजी से उभरती संस्था बीइंग रेस्पॉन्सिबल इस भावना को लगभग चार वर्षों से सर्वोपरि रखे हुए है। संस्था इस भावना को अपने कार्यों में उतारते हुए हर साल गर्मियों में 'दाना-पानी' अभियान संचालित करती है। वो बोल नहीं सकते.. इसलिए उनकी प्यास सुनाई नहीं देती। वो माँग नहीं सकते.. इसलिए उनकी तकलीफ दिखाई नहीं देती। लेकिन, उनका दर्द उतना ही सच्चा है, जितना कि हमारा। 'बेजुबान हैं तो क्या हुआ, प्यास उन्हें भी लगती है..' थीम पर यही एहसास, पिछले कई वर्षों से एक खूबसूरत पहल को जिंदा रखे हुए है। यह पहल कोई एक बार का प्रयास नहीं, बल्कि लगातार कई वर्षों से हर गर्मी में दोहराई जा रही एक जिम्मेदारी है, जो बेजुबानों के लिए जीवन का सहारा बनती जा रही है। इस वर्ष भी संस्था ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 200 से अधिक मिट्टी के सकोरे और दाने वितरित किए हैं, ताकि पक्षियों और जानवरों को इस भीषण गर्मी में थोड़ी राहत मिल सके। ये सकोरे सिर्फ मिट्टी के बर्तन नहीं हैं.. ये उम्मीद हैं, राहत हैं, और कई जिंदगियों के लिए जीवन की डोर हैं। संस्था बीइंग रेस्पॉन्सिबल का मानना है कि यदि हर व्यक्ति अपने घर के बाहर, छत पर या आसपास सिर्फ एक सकोरा रख दे और हर दिन उसमें पानी भरने की जिम्मेदारी ले ले, तो न जाने कितने ही मासूम जीवन बचाए जा सकते हैं। यह छोटा-सा प्रयास किसी के लिए पूरी दुनिया बन सकता है। संस्था इस पहल को सिर्फ सेवा नहीं, बल्कि एक एक विचार के रूप में आगे बढ़ा रही है, एक ऐसा संवेदनशील विचार, जो हमें यह एहसास कराता है कि इस दुनिया में सिर्फ इंसानों का ही नहीं, बल्कि हर जीव का समान हक है। जब एक चिड़िया प्यास से तड़पती है, तो वह सिर्फ एक पक्षी नहीं होती, वह हमारे भीतर की इंसानियत का आईना होती है। बीइंग रेस्पॉन्सिबल द्वारा की जा रही यह अद्भुत पहल सालों से बिना किसी शोर के चल रही है, जिसमें न तो कोई दिखावा और न ही किसी प्रकार की अपेक्षा.. यह सिर्फ और सिर्फ एक सच्चा प्रयास है, जो हर गर्मी में किसी बेजुबान पंछी की प्यास के लिए राहत बन जाता है। धीरे-धीरे यह भावना लोगों के दिलों तक पहुँच रही है। अब कई लोग खुद आगे आकर अपने घरों और आसपास पानी रखने लगे हैं, इस पहल को अपनाने लगे हैं। क्योंकि सच्चाई यही है कि इंसानियत सिर्फ इंसानों तक सीमित नहीं होती.. वह हर उस जीवन में होती है, जो इसे महसूस करता है, भले ही बोल नहीं पाता। और शायद, यही वह पल होता है, जब हम सिर्फ जीते नहीं, बल्कि किसी और को भी जीने देने का कारण बन जाते हैं। मिट्टी के एक छोटे-से सकोरे में पानी भरकर रखना भले ही हमें साधारण लगे.. लेकिन हमें यह भूलना नहीं चाहिए कि शहरों में ऊँची-ऊँची इमारतें खड़ी करने की होड़ में पेड़ों और जलस्त्रोतों को खत्म करके हम इन नन्हें जीवों से उनके हक के आशियाने और पीने के संसाधन धीरे-धीरे करके छीनते चले जा रहे हैं। ऐसे में ये सकोरे किसी डूबते को तिनके के सहारे के समान हैं।

संक्षिप्त खबरें

स्टेट टॉपर के बाद अब इंडिया टॉपर: कसमार की भव्या कुमारी ने रचा इतिहास

कसमार, बोकारो, झारखंड- कसमार प्रखंड की प्रतिभाशाली छात्रा भव्या कुमारी ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा में देशभर में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। भव्या की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे बोकारो जिले सहित राज्यभर में खुशी और गर्व का माहौल है। पाड़ी निवासी लक्ष्मीकांत महतो की पुत्री एवं गोमियां के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो की भतीजी भव्या कुमारी की सफलता की खबर मिलते ही कसमार, गोमियां और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह की लहर दौड़ गई। परिजनों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर की तथा भव्या को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। भव्या शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं। पढ़ाई के प्रति उनकी गंभीरता, अनुशासन और निरंतर मेहनत ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। परिवार के सदस्यों के अनुसार भव्या नियमित रूप से अध्ययन करती थीं तथा हर विषय की गहराई से तैयारी करती थीं। उनकी सफलता में माता-पिता के मार्गदर्शन और शिक्षकों के सहयोग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने भव्या की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे झारखंड की उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं और भव्या ने राज्य के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। क्षेत्र के कई सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों एवं शिक्षा प्रेमियों ने भी भव्या कुमारी को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। लोगों ने उम्मीद जताई कि भव्या भविष्य में भी इसी तरह नई ऊंचाइयों को छूते हुए देश और समाज की सेवा करेंगी। भव्या कुमारी की इस उपलब्धि से कसमार प्रखंड एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बन गया है। पूरे क्षेत्र में गर्व और उत्साह का वातावरण है तथा लोग लगातार उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

पाकुड़ जिले में चलाया गया नब्बे दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान

पाकुड़, झारखंड:- झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर तथा डालसा प्रभारी सचिव विशाल मांझी के मार्गदर्शन में नब्बे दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पाकुड़ मंडल कारा सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों के शहरकोल, पाडेरकोला, डोमनगढ़िया, डांगापाड़ा पंचायत, जीतको, सिंदरी एवं बामनीपहाड़ गांवों में पहुंचकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैरा लीगल वॉलिंटियर्स चंदन कुमार रविदास, सौरभ कुमार यादव, मल्लिका सरकार एवं उर्मिला हेंब्रम ने लोगों को विभिन्न सामाजिक कुरीतियों एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, बाल श्रम एवं डायन प्रथा जैसे विषयों पर विशेष अभियान चलाया गया। पीएलवी चंदन कुमार रविदास ने बाल श्रम के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों से उनकी उम्र, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के प्रतिकूल कार्य करवाना बाल श्रम की श्रेणी में आता है। वहीं पीएलवी मल्लिका सरकार ने दहेज प्रथा के कारण उत्पन्न होने वाली घरेलू हिंसा, मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना तथा कानूनी विवादों के संबंध में जानकारी दी। पीएलवी सौरभ कुमार यादव ने डायन बिसाही प्रथा को अंधविश्वास पर आधारित सामाजिक कुप्रथा बताते हुए कहा कि इसके कारण महिलाओं को प्रताड़ित, बहिष्कृत तथा कई बार हत्या तक का शिकार होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से इस कुप्रथा को समाप्त किया जा सकता है। इधर मंडल कारा पाकुड़ में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ संजीव कुमार मंडल एवं पैनल अधिवक्ता अजय कुमार सौरभ ने संयुक्त रूप से बंदियों को कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने बंदियों को कानूनी विवादों से बचने, अनुशासित जीवन जीने तथा समाज में अच्छे विचारों के साथ मिलजुलकर रहने की अपील की। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता योजनाओं की जानकारी भी दी गई। मौके पर पैरा लीगल वॉलिंटियर्स मोकमाउल शेख एवं सुजाता घोष भी उपस्थित रहे।

बिहार के प्राइवेट स्कूलों पर सरकार सख्त, फीस और ड्रेस में मनमानी पर लगेगी रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना: बिहार सरकार ने निजी स्कूलों की मनमानी पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि अब सूबे के प्राइवेट स्कूल अपनी मर्जी से फीस नहीं बढ़ा सकेंगे और अभिभावकों को किसी खास दुकान से ड्रेस या किताबें खरीदने के लिए मजबूर भी नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और अभिभावकों को आर्थिक बोझ से राहत देने के लिए नए निर्देश जारी किए हैं।

स्कूलों कोफीस स्ट्रक्चर सार्वजनिक करना होगा

सरकार के नए निर्देश के मुताबिक सभी निजी स्कूलों को अपनी फीस का पूरा विवरण सार्वजनिक करना अनिवार्य होगा। बिना ठोस कारण के हर साल फीस बढ़ाने पर अब सरकार की नजर रहेगी। अनावश्यक शुल्क वसूलने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि निजी विद्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि छात्रों और अभिभावकों के हितों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

स्कूल या फिक्स दुकान से ड्रेस और किताबों की खरीद में मिलेगी आजादी

नई व्यवस्था के तहत स्कूल अब अभिभावकों पर किसी विशेष दुकान से यूनिफॉर्म, किताबें या अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने का दबाव नहीं बना सकेंगे। अभिभावक अपनी सुविधा और बजट के अनुसार कहीं से भी सामान खरीद सकेंगे।

फीस बकाया होने पर परीक्षा से नहीं रोक सकेंगे

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि फीस बकाया होने की स्थिति में किसी छात्र को परीक्षा देने या रिजल्ट पाने से वंचित नहीं किया जा सकेगा। ऐसा करने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यबाही की चेतावनी दी है और कहा कि आदेशों का पालन नहीं करने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। सरकार का दावा है कि इन फैसलों से बिहार की शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी, न्यायसंगत और आम लोगों के लिए सुलभ बनेगी।

ओरिया में ठनका गिरने से भैंस की हुई मौत

मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्य ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की

हजारीबाग, झारखण्ड:- हजारीबाग सदर प्रखण्ड मुफ्फसिल थाना क्षेत्रान्तर्गत ओरिया गांव में मंगलवार की देर संध्या को अचानक हुई बारिश के दौरान ठनका गिरने से एक नरभैंस जानवर की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृत जानवर भैंस (काडा) ओरिया गांव के निवासी जयनंदन यादव पिता हुलास गोप का था। बताया जाता है कि किसान खेती-बाड़ी के कार्य में उक्त जानवर का उपयोग करते थे और मृत काड़ा से ही खेती पूरी तरह इसी पर निर्भर थी। अचानक ठनका गिरने से जानवर की मौके पर ही मौत हो गई।

जिससे किसान परिवार को आर्थिक क्षति हुई है। ओरिया पंचायत की मुखिया रेखा देवी एवं पंचायत समिति सदस्य जीतु यादव ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा से किसान परिवार प्रभावित हुआ है। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

विज्ञान में स्वीटी कुमारी 87.8 प्रतिशत और कॉमर्स में कोमल केसरी 80 प्रतिशत विद्यालय के टॉपर बने

● प्रतिभा का सम्मान अति आवश्यक है : प्राचार्य पुष्प कुमार झा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के प्रांगण में सीबीएसई के द्वारा आयोजित 12वीं की परीक्षा (25-26) में सफल परीक्षार्थियों का अभिवादन किया गया। इस अवसर पर 12वीं परीक्षा में सफल छात्र छात्राएं एवं उनके अभिभावक गण विद्यालय परिसर में उपस्थित हुए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने सफल प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कहा कि उनके द्वारा प्राप्त इस सफलता का मापदंड उनके आगे आने वाले जीवन में सही राह दिखाएगा। प्राचार्य महोदय ने सभी को आशीर्वचन देते हुए कहा कि आने वाला भविष्य और भी बेहतर हो तथा अपने आत्म संयम और कड़ी मेहनत से अपने भविष्य को बेहतर बनाएं। अपने बड़ों का सम्मान और सतत प्रयास आपको सदैव सफलता का रहा दिखाएगा।इस अवसर पर विद्यालय टॉपर कॉमर्स संकाय कोमल केसरी 80 प्रतिशत प्रथम स्थान, मौली कुमारी 76.4 प्रतिशत द्वितीय स्थान और ध्रुव गुप्ता 76 प्रतिशत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान संकाय स्वीटी कुमारी 87.8 प्रतिशत प्रथम स्थान, तमन्ना आफरीन 87 प्रतिशत द्वितीय स्थान और बुशरा नूरी 86.2 प्रतिशत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सफल3 छात्र-छात्राओं की तारीफ करते हुए सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी उनके भविष्य की मंगल कामना की।

विद्यालय प्रांगण में उपस्थित सभी अभिभावक गण विद्यालय के द्वारा छात्र छात्राओं को दी जाने वाली सुविधाओं पर के प्रति विश्वास जताया तथा छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक विकास के प्रति भी अपनी पूरी आस्था जताई। कार्यक्रम को समाप्त करते हुए प्राचार्य महोदय ने कहा कि डीएवी परिवार डीएवी सीएमसी, डीएवी ए आर ओ के कुशल मार्गदर्शन में अपने उत्तरदायित्व का सफलतापूर्वक निर्वाहन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

03 जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

● जिला प्रशासन ने सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे इस अभियान का हिस्सा बनें और समय अपनी फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित कराएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। किसानों को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने और उन्हें एक विशिष्ट डिजिटल पहचान दिलाने के उद्देश्य से आज संयुक्त कृषि भवन से फार्मर रजिस्ट्री जागरूकता अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी सरफराज असगर एवं उप परियोजना निदेशक भारत भूषण ने संयुक्त रूप से जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह के कुशल निर्देश के आलोक में शुरू की गई है। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि कुल 3 जागरूकता वाहनों को रवाना किया गया है, जो जिले के तीनों अनुमंडल क्षेत्रों के गांव-गांव जाकर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया और इसके दूरगामी लाभों के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करेंगे।

उन्होंने बताया कि इस विशेष अभियान की रूपरेखा कुछ इस प्रकार है:

अभियान की अवधि: यह विशेष पंजीकरण अभियान 12 मई 2026 से शुरू होकर 30 जून 2026 तक चलेगा।

पंजीकरण की सुविधा:सभी ष्टस्ष्ट (कॉमन सर्विस सेंटर) और वसुधा केंद्रों पर पंजीकरण की सुविधा पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध है।

स्वयं पंजीकरण: किसान बिहार फार्मर रजिस्ट्री पोर्टल के माध्यम से या पोस्टर पर दिए गए QR कोड को स्कैन करके भी अपनी फार्मर आई.डी. स्वयं बना सकते हैं।

पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज

पंजीकरण कराते समय किसानों को निम्नलिखित विवरण साथ रखने होंगे:

1. आधार कार्ड
2. मोबाइल नंबर
3. स्वयं के नाम से जमाबंदी

क्यों जरूरी है फार्मर रजिस्ट्री?

इस डिजिटल पहचान से किसानों को कई महत्वपूर्ण लाभ मिलेंगे:

पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य सभी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी।

फसल बीमा और फसल नुकसान होने पर

वास्तविक क्षति के आधार पर सहायता अनुदान प्राप्त करने में पारदर्शिता आएगी।एक ही आई.डी. के माध्यम से विभाग की सभी सेवाओं का लाभ सुलभ हो जाएगा।

सहायता एवं संपर्क

किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या या जानकारी के लिए किसान अपने पंचायत के कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार या प्रखंड/अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, CO, RO, हल्का कर्मचारी, राजस्व अमीन से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही, विभाग ने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं:

कृषि विभाग:18001801551

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग: 18003456215

जिला प्रशासन ने सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे इस अभियान का हिस्सा बनें और ससमय अपनी फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित कराएं।

बरही में विवाहिता की संदिग्ध मौत

● मृतका के पिता ने पति समेत चार पर लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- बरही थाना क्षेत्र के तिलैया बस्ती में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के पिता ने पति, सास-ससुर एवं देवर पर मारपीट कर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने परिजनों के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान पिंकी देवी के रूप में हुई है। इस संबंध में मृतका के पिता तुलसी दास बंडासिंघा बेलकप्पी थाना गोरहर बरकट्ठा निवासी ने बरही थाना में आवेदन देकर बताया है कि उनकी पुत्री की शादी वर्ष 2010 में हिन्दू रीति-रिवाज से तिलैया बस्ती निवासी दिनेश रविदास के साथ हुई थी। पिंकी देवी का एक 14 वर्षीय पुत्री प्रीति कुमारी तथा एक गोद लिया पुत्र अभिषेक कुमार (5 वर्ष) है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि 12 मई की रात पिंकी देवी ने फोन कर बताया था कि उसका पति दिनेश रविदास गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर रहा है। इसके बाद परिजनों ने दामाद से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं हो सकी। वहीं 13 मई की रात करीब एक बजे मृतका की पुत्री प्रीति कुमारी ने फोन कर जानकारी दी कि उसकी मां की हत्या कर दी गई है।परिजनों ने पति दिनेश रविदास, ससुर सहदेव राम, सास कबुतरी देवी, देवर सुरेश राम तथा गोतनी पूजा देवी पर मारपीट एवं हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि मृतका स्वयं कमाकर परिवार चलाती थी, जबकि उसका पति अक्सर पैसे की मांग करता था। पैसे नहीं देने पर उसके साथ मारपीट, गाली-गलौज एवं प्रताड़ना की जाती थी। मामले को लेकर पूर्व में गांव समाज में समझौता भी कराया गया था, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इधर, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि परिजनों द्वारा आवेदन दिया गया है। आवेदन के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

झारखंड के पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह का निधन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जताया शोक

बेरमो (बोकारो)। बिहार-झारखंड सरकार में मंत्री रह चुके माधव लाल सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और रांची के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। सिंह ने निधन पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स हैंडल पर लिखा है-गोमिया से पूर्व विधायक, एकीकृत बिहार सरकार एवं राज्य गठन के बाद झारखंड सरकार में मंत्री रहे आदरणीय श्री माधव लाल सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। साथ ही मुख्यमंत्री ने राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने का अधिकारियों को निर्देश दिया है। माधव लाल सिंह के निधन की खबर मिलते ही बोकारो जिले के गोमिया विधानसभा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वे गोमिया से चार बार विधायक चुने गए थे। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पहले बोकारो के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी था। बुधवार सुबह इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन तेज, राजस्व पर्षद की अपर सदस्या का निरीक्षण

बेतिया। पश्चिम चंपारण के बेतिया राज कार्यालय में बिहार सरकार के राजस्व पर्षद की अपर सदस्या असमा जैन ने 13मई बुधवार करीब दो बजे परिसंपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों और रिकॉर्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कैनिंग रूम एवं रिकॉर्ड रूम पहुंचकर पुराने दस्तावेजों के डिजिटाइजेशन कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दस्तावेजों को सुरक्षित रखने तथा डिजिटल माध्यम में संरक्षित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर तरनजोत सिंह और सौरभ जोरवाल भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि बेतिया राज की परिसंपत्तियों की पहचान और रिकॉर्ड तैयार करने का कार्य तेजी से चल रहा है, जिससे ऐतिहासिक दस्तावेज भविष्य के लिए सुरक्षित रह सकेंगे।

बिहार राज्य किसान सभा की अंचल कौंसिल की बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। बिहार राज्य किसान सभा की बैरिया अंचल कौंसिल की बैठक काशी साह की अध्यक्षता में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के उपाध्यक्ष प्रभुराज नारायण राव ने बताया कि आज देश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। दुनिया की तीसरी अर्थ व्यवस्था का झूठा शब्जबाग दिखाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को कंगाल बना दिया है।देश में पैदा होने वाला एक बच्चा लाखों रुपए का कर्ज लेकर पैदा हो रहा है।अपने भाषणों में महिलाओं के मंगलसूत्र को विपक्ष द्वारा छीन लेने की बात करने वाले प्रधानमंत्री विधान सभा चुनाव के बाद महिलाओं को मंगलसूत्र बनवाने से रोक रहे हैं। विधान सभा चुनाव में लाखों करोड़ का पेट्रोल, डीजल पानी की तरह बहाने वाले मोदी आम जनता को गाड़ी चलाने से रोक रहे हैं। सोमनाथ मंदिर में शिव लोक जाने के लिए व्यक्तिगत पूजा अर्चना करने वाले प्रधानमंत्री देश विदेश के सारे टेलीविजन के सामने पूजा समाप्ति तक दिख रहे हैं। हेलीकॉप्टरों से फुल और गुलाल छिटे जा रहे हैं। इतना ही नहीं सैनिक विमानों से करतब करा रहे हैं। जो देश की संपत्ति को खुद लुटा रहा है।वह जनता को सोना नहीं खरीदने का नसीहत दे रहा है। उन्होंने बताया कि 20 मई को किसान सभा का बैरिया अंचल सम्मेलन लौकरिया में कराया जाएगा।जिसमें गोरखपुर सिलीगुड़ी सिक्स लेन एक्सप्रेसवे के किसान हित में बनने देने पर विचार होगा। बैठक में अंचल मंत्री सुनील यादव, संजय राव, हरिशंकर यादव, अशर्फी पटेल अभिषेक राव, बिपिन बिहारी राव आदि ने अपने विचारों को रखा।

बारात से लौटते समय दर्दनाक हादसा: बोलेरो की ट्रक से टक्कर, एक की मौत

● एनएच-531 पर बंशी छपरा के पास हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एकमा (सारण)। बारात की खुशियां मातम में बदल गई, जब उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रामपुर से लौट रही युवकों से भरी बोलेरो सारण जिले के रसूलपुर थाना क्षेत्र में बंशी छपरा गांव के समीप सड़क किनारे खड़े एक अज्ञात ट्रक से जा टकराई। बुधवार की अहले सुबह छपरा-सीवान नेशनल हाईवे-531 पर हुए इस भीषण हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत सात अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। मृतक की पहचान दाउदपुर थाना क्षेत्र के दुमदुमा गांव निवासी राम ईश्वर साह के 24 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार साह के रूप में हुई है। घायलों में दाउदपुर थाना क्षेत्र के हर्षपुरा गांव निवासी मुकेश कुमार, सूरज कुमार, दाउदपुर निवासी दिलीप कुमार उर्फ दीपू, जैतपुर निवासी छोटू कुमार तथा जैतपुर तिवारी टोला निवासी प्रियांशु कुमार पाठक समेत अन्य शामिल हैं। सूचना मिलते ही रसूलपुर थानाध्यक्ष प्रिंस राज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे घायलों को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एकमा एवं अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती कराया। गंभीर रूप से घायल सूरज कुमार को एकमा सीएचसी में तैनात डॉ विवेक प्रसाद द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद छपरा सदर अस्पताल रेफर किया गया, जबकि दो अन्य गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना भेजा गया है। बताया गया कि दाउदपुर थाना क्षेत्र के हर्षपुरा गांव से कुछ युवक मंगलवार की शाम बारात में शामिल होने उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रामपुर गए थे। बुधवार सुबह घर लौटने के दौरान यह हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद परिजनों को सौंप दिया है तथा अज्ञात ट्रक और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

शव पहुंचते ही गांव में पसरा मातम:

पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही राहुल का शव गांव पहुंचा, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मां राधिका देवी का रो-रोकर बुरा हाल था। पिता और अन्य परिजन गहरे सदमे में हैं। गांव में शोक का माहौल है। बाद में मांझी के सरयू नदी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

क्रिकेट प्रेमी राहुल का अधूरा रह

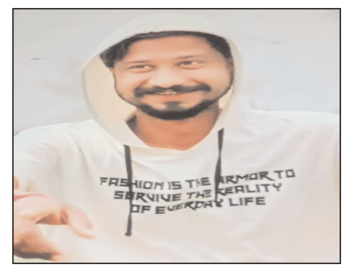

गया सपना:

राहुल गांव के युवाओं के बीच क्रिकेट प्रेमी के रूप में पहचाने जाते थे। परिजनों के अनुसार वह ग्रेजुएशन के साथ सेना भर्ती की तैयारी कर रहा था। परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं कि नौकरी मिलने के बाद घर की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

एनएच-531 पर बढ़ते हादसे चिंता का कारण:

छपरा-सीवान एनएच-531 पर लगातार हो रहे सड़क हादसे लोगों की चिंता बढ़ा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार, सड़क किनारे भारी वाहनों की अवैध पार्किंग और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण यह मार्ग जानलेवा बनता जा रहा है। लोगों ने हाईवे पर सख्त निगरानी, नियमित गश्त और अवैध पार्किंग पर कार्रवाई की मांग की है।

नारोडीह में मृतक व घायलों के परिजनों से मिले मंत्री डा. इरफान अंसारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- नारायणपुर प्रखंड के नारोडीह गांव में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डा इरफान अंसारी पहुंचे और मृतक तथा घायलों के स्वजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। गौरतलब है कि चंपापुर से बारात से लौटने के दौरान मिरगा में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक की मौत हो गई थी तथा पांच लोग घायल हुए थे। घटना ने पूरे इलाके के लोगों को झकझोर कर रख दिया था।दुर्घटना में मिराज अंसारी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस हादसे से खुशियां पलभर में गम में बदल गई थीं। स्वास्थ्य मंत्री डा. इरफान अंसारी नारोडीह गांव पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। गांव का माहौल गमगीन था, मंत्री खुद को संभाल नहीं पाए। परिवार की स्थिति देखकर उनकी आंखें नम हो गई। पीड़ित परिजनों को सांत्वना देते हुए मंत्री जी ने कहा खोई हुई जिंदगी वापस नहीं ला सकता, लेकिन इस दुख की घड़ी में आप अकेले नहीं हैं। परिवार को हर संभव सहायता और सहयोग दिया जाएगा।उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उनका दुख साझा किया तथा घायलों के बेहतर इलाज का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। मंत्री ने समाज से भावुक अपील करते हुए कहा कि शादी विवाह खुशियों का अवसर होता है, लेकिन

आजकल बारातों में दिखावा, लंबी गाड़ियों के काफिले और तेज रफ्तार कई परिवारों की खुशियां छीन ले रही हैं, सावधानी आवश्यक है। उन्होंने कहा दूसरों को दिखाने के लिए लंबी गाड़ियों का काफिला निकालना जरूरी नहीं है। किराये के वाहन और जल्द घर पहुंचने की होड़ में तेज गति से गाड़ियां चलती हैं, जिससे ऐसी दर्दनाक दुर्घटनाएं होती हैं। खुशी के अवसर पर हमें सावधानी और जिम्मेदारी दोनों निभानी चाहिए। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष दीपिका बेसरा भी मौजूद रहीं। उन्होंने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए कहा कि जामताड़ा की जनता ने ऐसा जनप्रतिनिधि चुना है जो मंत्री भी हैं, गरीबों के आंसु पोंछने में आगे रहते हैं।

जाति, धर्म से ऊपर उठकर हर इंसान के दुख में साथ खड़े रहते हैं। गांव का माहौल इतना गमगीन था कि सभी की आंखें नम थी। एक मासूम की मौत ने पूरे गांव की खुशियां छीन लीं। मंत्री डा. इरफान अंसारी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।इस अवसर पर सलीम अंसारी व अन्य उपस्थित थे।

हजारीबाग की शोएबा इमाम ने सीबीएसई 12वीं में हासिल किए 90 प्रतिशत अंक

हजारीबाग, झारखंड:- हालात चाहे जैसे हों, मेहनत रास्ता बना ही लेती है...इस बात को हजारीबाग की छात्रा शोएबा इमाम ने सच कर दिखाया है। कुरैशी मोहल्ला निवासी शोएबा इमाम ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा में कला संकाय से 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने परिवार, स्कूल और पूरे इलाके का नाम रोशन किया है। शोएबा, एंजेल्स हाई स्कूल हजारीबाग की छात्रा हैं। उनके पिता का नाम बाबर कुरैशी है। बेटी की इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। स्कूल की प्राचार्या समेत सभी शिक्षकों ने शोएबा की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आज के समय में जब युवा कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, ऐसे में शोएबा की सफलता हर छात्र के लिए प्रेरणा बनकर सामने आई है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि मंजिल तक पहुंचने के लिए मजबूत इरादे और मेहनत सबसे जरूरी होते हैं। शोएबा की यह उपलब्धि सिर्फ अच्छे नंबर लाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन बच्चों के लिए भी प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का हौसला रखते हैं। 90 प्रतिशत अंक केवल एक संख्या नहीं, बल्कि मेहनत, आत्मविश्वास और संघर्ष की जीत की कहानी है।

बरही बैंक ऑफ महाराष्ट्र लूट कांड का सफल उद्भेदन

● उत्कृष्ट कार्य के लिए एसपी ने पुलिस टीम को किया सम्मानित

सदर एसडीपीओ अमित कुमार, बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल

पुनि सह बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर चन्द्रशेखर कुमार सहित अन्य हुए सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखण्ड:- हजारीबाग जिले के बरही थाना क्षेत्र में 24 अप्रैल 2026 को हुई चर्चित बैंक लूट कांड का सफल उद्भेदन करने वाली पुलिस टीम को पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्रवाई में शामिल पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की सराहना करते हुए एसपी ने उनके साहस, सूझबूझ, तत्परता और पेशेवर दक्षता की प्रशंसा की। बताते चलें कि बरही थाना क्षेत्र में हुई बैंक ऑफ महाराष्ट्र लूट की घटना के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल विशेष टीम का गठन किया था। तकनीकी अनुसंधान, खुफिया सूचना एवं लगातार छापेमारी अभियान के आधार पर पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़े तीन अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार अपराधियों के पास से लूटे गए नगदी रुपये, सोना, ज्वेलरी तथा घटना में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किए गए, जिससे पूरे मामले का सफलतापूर्वक खुलासा हो सका। इस सफल अभियान में सदर एसडीपीओ अमित कुमार, बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, पुलिस निरीक्षक सह बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार, निवर्तमान सर्किल इंस्पेक्टर सह सदर थाना प्रभारी चन्द्रशेखर कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सरोज सिंह चौधरी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने सभी अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए कहा कि टीम की सतर्कता और समर्पण के कारण ही इस संगीन अपराध का त्वरित उद्भेदन संभव हो पाया। एसपी ने कहा कि पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में भय का माहौल बना है, वहीं आम जनता का पुलिस प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि बरही पुलिस की यह उपलब्धि अन्य पुलिस पदाधिकारियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। पूरी टीम ने आपसी समन्वय और समर्पण के साथ कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जा सका। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस कर्मियों ने भी इसे टीम वर्क का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए भविष्य में भी अपराध नियंत्रण को लेकर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही।

संक्षिप्त खबरें

कोन क्षेत्र में सरपट दौड़ रही हैं डग्गामार ओवरलोड सवारी गाड़ियां, लोगों ने किया रोक लगाने की मांग

हादसों को दावत दे रही है ओवरलोड सवारी गाड़ियां, प्रशासन बेखबर

कोन/सोनभद्र। जनपद के कोन थाना क्षेत्र में इन दिनों शादी-विवाह के सीजन में ओवरलोड वाहनों का खेल खुलेआम जारी है। नियमों को ताक पर रखकर पिकअप और छोटे मालवाहक वाहनों में इंसानों को इस तरह भरा जा रहा है मानो उनकी जिंदगी की कोई कीमत ही न हो। बुधवार को क्षेत्र में एक ऐसा भयावह नजारा देखने को मिला जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। एक पिकअप वाहन में क्षमता से कई गुना अधिक लोग सवार थे। हालत यह थी कि वाहन की छत, किनारे और पीछे लगी सीढ़ी तक लोगों से भरी हुई थी। तेज रफ्तार और असंतुलित वाहन कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता था, लेकिन जिम्मेदार विभाग मौन है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लगातार ओवरलोड वाहन दौड़ रहे हैं, लेकिन प्रशासन और परिवहन विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा। लोगों का कहना है कि जब तक कोई बड़ी दुर्घटना नहीं होगी, तब तक जिम्मेदार अधिकारी शायद जागने वाले नहीं हैं। क्षेत्रीय नागरिकों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों पर रोक नहीं लगाई गई तो मासूम लोगों की जान जाने से इंकार नहीं किया जा सकता। लोगों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है, ताकि सड़कों पर चल रही मौत की सवारी पर रोक लग सके। इस बावत् एआरटीओ सोनभद्र ने सेल पर कहा कि जाँच कर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

शादी के बाद मायके आई नव विवाहिता और उसके पति से झगड़ पड़ा चचेरा भाई

कोंच(जालौन)- शादी के बाद ससुराल से अपने पति के साथ पहली बार मायके आई नव विवाहित महिला और उसके पति सहित पति के संबंधियों संग यहां परिजनों द्वारा ही लड़ाई झगड़ा किए जाने की घटना सामने आई है। नव विवाहिता ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। जानकारी के अनुसार, नगर के मोहल्ला गांधीनगर निवासी एक युवती की शादी हाल ही में हुई थी। शादी के बाद उक्त महिला पहली बार मायके आई हुई थी, साथ में उसका पति और ससुराल के कुछ अन्य संबंधी भी यहां आए हुए थे। मंगलवार की देर शाम करीब साढ़े 7 बजे मायके स्थित घर के अंदर नव विवाहित महिला अपनी सखी सहेलियों संग पार्टी कर रही थी। आरोप है कि इसी दौरान चचेरे भाई सहित कुछ अन्य लोग किसी बात को लेकर अपने जीजा (महिला का पति) और साथ आए संबंधियों से गाली गलौज कर लड़ाई झगड़ा करने लगे। देखते ही देखते धक्का मुक्की के साथ मारपीट शुरू हो गई जिसको लेकर नव विवाहित महिला पुलिस से शिकायत करने कोतवाली जा पहुंची। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कोतवाली में दोनों पक्षों के लोगों को बैठाकर बात सुनी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया।

नाला निर्माण में अनियमितता पर एसडीएम ने दोबारा से निर्माण कराने के दिए निर्देश

कोंच (जालौन)- नगर में भगत सिंह नगर स्थित महेशपुरा रोड पर ईदगाह से कर्बला तक बनाए जा रहे नाले के निर्माण कार्य में अनियमितताएं मिलने पर एसडीएम हेमंत पटेल ने कड़ी नाराजगी दिखाई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पालिका के जेई को नाला दोबारा से बनवाने के सख्त निर्देश दिए हैं बताया गया है कि करीब 32 लाख रुपये की लागत से नाले का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। कुछ दिन पहले वार्ड सभासद कमरजहां के प्रतिनिधि शकील अंसारी ने एसडीएम से शिकायत कर आरोप लगाया था कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है और गुणवत्ता व मानकों की अनदेखी की जा रही है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को एसडीएम हेमंत पटेल, पीडब्ल्यूडी एई नंदकिशोर तथा नगर पालिका जेई अरुण कुमार के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नाले की स्थिति देखकर एसडीएम ने नाराजगी जताई और अधिकारियों को फटकार लगाई। एसडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्तमान निर्माण को हटाकर मानक के अनुरूप दोबारा से नाला बनाया जाए, ताकि लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके और सरकारी धन का दुरुपयोग न हो पाए। विदित हो कि जलभराव की समस्या से परेशान लोगों की मांग पर यह नाला निर्माण कराया जा रहा है।

मंदिर पर जड़ा ताला 45 एकड़ जमीन पर कब्जे और करोड़ों के गबन का आरोप

● ग्रामीण पहुंचे कलेक्ट्रेट, डीएम को सौंपा शिकायती पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डीएम को शिकायती पत्र देने पहुंचे कंधारीकलां के ग्रामीण

ललितपुर। तहसील तालबेहट क्षेत्र के ग्राम कंधारी कलां में स्थित प्राचीन सार्वजनिक मंदिर को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सत्य प्रकाश को शिकायती पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया है कि कुछ दबंगों ने मंदिर पर अवैध कब्जा कर ताला जड़ दिया है, जिससे ग्रामीणों का पूजा-पाठ और दर्शन करना बंद हो गया है। साथ ही मंदिर की करीब 45 एकड़ कृषि भूमि से होने वाली आय के गबन का भी गंभीर आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार गांव में स्थित भगवान श्रीराम ललाजी एवं श्रीलक्ष्मणजी का यह प्राचीन सार्वजनिक मंदिर वर्षों से ग्रामीणों की आस्था का केन्द्र रहा है। आरोप है कि गांव के ही राघवेन्द्र सिंह एवं रविन्द्र सिंह पुत्रगण अनंत सिंह ठाकुर ने मंदिर पर जबरन ताला डाल दिया है और ग्रामीणों को मंदिर में प्रवेश करने से रोका जा रहा है। इतना ही नहीं, मंदिर में सेवा कर रहे पुजारी को भी वहां से भगा दिया गया, जिसके चलते भगवान की नियमित पूजा-अर्चना, भोग और आरती बंद पड़ी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मंदिर के नाम पर खाता संख्या 00373 एवं 374 में कुल 18.248 हेक्टेयर (करीब 45 एकड़) कृषि भूमि दर्ज है। आरोप है कि पिछले करीब 15 वर्षों से उक्त भूमि को ठेके पर देकर उससे होने वाली आय का निजी लाभ उठाया जा रहा है।

ग्रामीणों का दावा है कि इस अवधि में करीब 2 करोड़ 25 लाख रुपये की आय हुई, जिसका कोई सार्वजनिक हिसाब नहीं दिया गया। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि मंदिर के संचालन के लिए वर्ष 2011 में एक सार्वजनिक ट्रस्ट का गठन किया गया था, लेकिन ट्रस्ट की संपत्तियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। विरोध करने पर ग्रामीणों को झूठे मुकदमों में फंसाने और जानमाल की धमकी देने के आरोप भी लगाए गए हैं।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मंदिर का ताला तत्काल खुलवाया जाए, पिछले 15 वर्षों की आय का ऑडिट कराया जाए तथा मंदिर की भूमि को प्रशासनिक संरक्षण में लेकर मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जाए। शिकायती पत्र पर ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों के हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशान मौजूद हैं। अब इस मामले में प्रशासन क्या कार्रवाई करता है, इस पर पूरे क्षेत्र की नजर बनी हुई है। ज्ञापन देते समय ग्राम प्रधान कंधारीकलां राजकुमार, सूरज, चंदेल, भागीरथ, हरदेव, राजेश कुमार, शंकर पंथ, रामचरन माते, मातादीन, दुर्जन सिंह, रामसिंह, हरीनारायण, पर्वत, इमरत, महेन्द्र सिंह, रामनन्दन, विजय कुमार, आकाश, राजेश, जागेश, लक्ष्मन, फूलसिंह, हर्बल के अलावा अनेकों ग्रामीण मौजूद रहे।

ओलंपियाड 2025 में ग्रंथ जैन ने किया जिले का नाम रोशन

प्रथम रैंक हासिल कर हुए सम्मानित

ललितपुर। जिले के लिए गर्व का क्षण तब आया जब शहर की विदुआ कॉलोनी निवासी प्रतिभाशाली छात्र ग्रंथ जैन ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ओलंपियाड परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम रैंक हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे जिले में खुशी का माहौल है। ग्रंथ जैन, माता प्रतिभा जैन के पुत्र हैं, जो प्राथमिक विद्यालय मसौरा कला (इंग्लिश मीडियम) में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। ग्रंथ ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर यह मुकाम हासिल कर ललितपुर का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में झांसी स्थित दीनदयाल सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों ने ग्रंथ जैन को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा 3100 रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शिक्षा, समाज सेवा और विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लोगों ने भी प्रतिभाशाली छात्र की उपलब्धि की सराहना की। ग्रंथ जैन की इस सफलता पर परिवारजनों, शिक्षकों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ओबरा में कबाड़ की दुकान में लगी भीषण आग, लगी से हुआ लाखों का नुकसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा/ सोनभद्र- नगर क्षेत्र के सबसे व्यस्ततम चौराहा में सुमार सुदामा पाठक चौराहा के पास अचानक से धुआँ निकलने से आसपास रहने वाले लोगों में अफरातफरी मच गई । बतादें कि बुधवार दोपहर लगभग 1:00 बजे पाठक चौराहे की गली व गैस गोदाम रोड में वन विभाग की बाउंड्री के पास स्थित एक कबाड़ की दुकान में अचानक आग लग गई । आग की लपटों को देखकर आसपास रहने वाले लोगों में अफ़रा तफरी मच गई। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों व कबाड़ मालिक सुनील कुमार के द्वारा तत्काल स्थानीय पुलिस व फायर ब्रिगेड को दी।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व ओबरा उत्पादन निगम, अल्ट्रा टेक सीमेंट, चोपन फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुट गई । सबसे बड़ा सवाल है कि आख़िर किसके आदेश पर रिहायसी इलाके में कबाड़ की दुकान संचालित हो रही है। आखिर इस दुकान पर प्रशासन की नजर क्यों नहीं पड़ी। वहीं स्थानीय नगरवासियों का कहना है कि अगलगी से अगल बगल के घरों में दरारें आ गई है। जो जाँच का विषय है।

वहीं कबाड़ दुकान मालिक सुनील कुमार

ने बताया कि कबाड़ गोदाम में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है उन्होंने फायर ब्रिग्रेड के उपर आरोप लगाया कि समय से दमकल की गाड़ी आ जाती तो नुकसान होने से बच जाता।

क्षेत्र के कुछ बुद्धजीवि वर्गों का कहना है कि इलाकों में सुमार राम मंदिर कॉलोनी क्षेत्र के आस पास और गैस गोदाम के पास कबाड़ की दुकान रखना उचित नहीं है और वहीं कबाड़ दुकान में आग लग जाना चिंता का विषय है। हालांकि स्थानीय लोगों व स्थानीय प्रशासन सहित फायर ब्रिगेड की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया । वहीं अगलगी की घटना की जाँच स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या कबाड़ की दुकान अन्यत्र स्थानांतरित किया जायेगा या इसी तरह दुकान चलता रहेगा।

आपरेशन सिंदूर बरसी पर सजी कविता की महफ़िल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी शहीद स्थल पर बुधवार को आपरेशन सिंदूर को समर्पित काव्य प्रशून में कवियों ने राष्ट्राभिनंदन कर ओज व वीर रस की कविताओं से जनसमूह का मन मोह लिया। अध्यक्षता करते हुए चंदौली से आये शिवदास कवि ने, मातृभूमि के बलिवेदी पर हंसि हंसि शीश कटावै सेन्हुर, जहाँ सोहागिन लुटावैं सेन्हुर सुनाया और वातावरण सृजित किये। आयोजक संयोजक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट प्रमुख शहीद स्थल करारी ने, सिंदूर जहाँ सुहागिनों ने दान किया है, बहनों ने अपने भाई को कुर्बान किया है, बेटे को लगा चंदन मां सीमा पर भेजती, बलिदानियों के बल पे हिंदुस्तान बना है।

सुनाकर देश अनुराग का स्वर बुलंद किया। ओज की कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान शिक्षक ने, सिंदुर थाती जीवन बाती प्रीत का है आधार, मांग सजा कर सजन है करता सात जनम तक प्यार सुनाकर महफ़िल लूट लिया सराही गयीं। गायक सुशील मिश्रा ने जाये नाहीं पावै सजना सेनुरा के पानी। सत के आगे टिकै न केहू एकर अमिट कहानी सुनाकर अभिव्यक्ति को धार दी।

धर्मेश चौहान एडवोकेट ने, सिंदूर मन का विश्वास है सिंदूर धरती आकाश है छिपा है इसमें जीवन रहस्य, प्रीत अनुराग हर साँस है सुनाकर खूब तालियां बजवाते रहे। दिलीप सिंह दीपक सुनील चौचक दयानंद दयालू ने भी काव्य पाठ कर सिंदूर की महिमा को रेखांकित किया। सफल संचालन करते हुए अशोक तिवारी एडवोकेट ने सिंदुर में समाया संसार, भव्य छवि निर्मल अगम अपार सुनाकर गतिज उर्जा से महफ़िल रौशन किये। आभार ऋषभ त्रिपाठी ने व्यक्त किया। शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण राष्ट्र गान से आयोजन को विराम दिया गया। इस अवसर पर राम यश त्रिपाठी विजय शंकर त्रिपाठी जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट ठाकुर कुशवाहा पुरुषोत्तम फारुख अली हाश्मी आद्या अनीशा चौहान हर्ष चौहान अंशिका गनेश बलिराम शिवम आदि देर शाम तक जमे रहे।

अपहरण मामले में समझौते का दबाव

पिता से 50 हजार रुपये मांग कर जान से मारने की धमकी

ललितपुर। नाबालिग पुत्री के अपहरण मामले में समझौता न करने पर पीड़ित पिता को धमकाने, घर में घुसकर रुपये मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। थाना जखौरा पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना जखौरा अंतर्गत एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री का 11 अप्रैल 2026 को अपहरण कर लिया गया था, जिसके संबंध में थाना जखौरा में पहले से मुकदमा दर्ज है। उन्होंने स्वयं प्रयास कर अपनी पुत्री को सागर से बरामद कर पुलिस के सुपुर्द किया था। आरोप है कि इसी मामले में समझौता कराने का दबाव बनाया जा रहा था। 28 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12 बजे आरोपी आनंद प्रजापति, लीलाधर दुबे उर्फ कुल्लू दुबे और डग्गीराजा पीड़ित के घर में घुस आए। आरोपियों ने कहा कि इस मामले में उनका पुलिस में 50 हजार रुपये खर्च हुआ है और यदि रकम देकर राजीनामा नहीं किया गया

कोन में लगा गंदगी का अंबार, संबंधित विभाग मौन

● नहीं हो रही है सुनवाई, कागजों पर सिमटा सफाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जनपद के नवसृजित कोन ब्लॉक अंतर्गत कोन न्याय पंचायत में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई नजर आ रही है। कोन बस स्टैंड, बाजार, सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जगह-जगह फैले कचरे, बजबजाती नालियों और उठती दुर्गंध ने स्थानीय लोगों, दुकानदारों और राहगीरों का जीवन दूभर कर दिया है। सबसे बड़ी बात यह है कि ब्लॉक प्रशासन द्वारा सफाई कर्मियों की रोस्टर ड्यूटी लगाए जाने के बावजूद धरातल पर सफाई व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कोन बस स्टैंड क्षेत्र में कई दिनों से नियमित सफाई नहीं कराई गई। सड़क किनारे पड़े कूड़े के ढेर अब छोटे पहाड़ का रूप लेते जा रहे हैं। बाजार में आने वाले ग्रामीणों और यात्रियों को गंदगी के बीच होकर गुजरना पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि सुबह से लेकर शाम तक सैकड़ों लोगों की आवाजाही रहने वाले बस स्टैंड की यह स्थिति प्रशासनिक लापरवाही की बड़ी तस्वीर पेश कर रही है।

लोगों ने आरोप लगाया कि सफाई कर्मियों की ड्यूटी केवल कागजों में सीमित होकर रह गई है। ब्लॉक द्वारा रोस्टर तैयार कर सफाई व्यवस्था को सुचारु रखने का दावा किया जाता है, लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि नियमित रूप से सफाई कर्मी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे होते तो बस स्टैंड और बाजार क्षेत्र में इतनी भयावह गंदगी देखने को नहीं मिलती।

गर्मी बढ़ने के साथ-साथ गंदगी और जलजमाव ने बीमारियों का खतरा भी बढ़ा दिया है। नालियों में जमा गंदा पानी और कूड़े के ढेर मच्छरों के पनपने का सबसे बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर और अन्य संक्रामक बीमारियां क्षेत्र में तेजी से फैल सकती हैं। लोगों का कहना है कि यह केवल सफाई का मुद्दा नहीं, बल्कि आम जनता के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा गंभीर मामला बन चुका है। क्षेत्र के व्यापारियों ने बताया कि बस स्टैंड के आसपास फैली गंदगी से बाहर से आने वाले यात्रियों के बीच क्षेत्र की छवि भी खराब हो रही है। कई दुकानदारों ने कहा कि दुर्गंध के कारण ग्राहकों का बैठना तक मुश्किल हो गया है। वहीं राहगीरों का कहना है कि प्रशासन स्वच्छता अभियान और साफ-सफाई को लेकर बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन कोन बस स्टैंड की हालत उन दावों की सच्चाई बयां कर रही है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित विभाग को मौखिक रूप से शिकायत दी गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। लोगों का कहना है कि यदि ब्लॉक प्रशासन समय-समय पर सफाई कर्मियों की निगरानी करता और कार्यों का सत्यापन कराता तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

क्षेत्रवासियों, दुकानदारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से तत्काल विशेष सफाई अभियान चलाने की मांग की है। लोगों ने बस स्टैंड, बाजार और सार्वजनिक स्थलों से कूड़ा हटवाने, नालियों की सफाई कराने तथा लापरवाह सफाई कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि स्वच्छता केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि आम जनता के स्वास्थ्य से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण विषय है। अब बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि आखिर जब ब्लॉक स्तर से सफाई कर्मियों की रोस्टर ड्यूटी तय की जाती है तो फिर धरातल पर सफाई क्यों नहीं दिखाई देती? क्या जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी खानापूर्ति तक सीमित हैं, या फिर जनता को इसी तरह गंदगी और बीमारियों के खतरे के बीच जीने के लिए छोड़ दिया गया है। फिलहाल कोन बस स्टैंड और आसपास की बदहाल सफाई व्यवस्था लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है और हर किसी की जुबान पर यही सवाल है कि आखिर कब जागेगा प्रशासन? वही एडिओ से संपर्क करने का प्रयास किया गया परंतु कॉल रीसिव नहीं हुआ।

जनपद पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट के वांछित अलग अलग थानों से 06 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, भेजा न्यायालय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल) ऋषभ रूणवाल एवं क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के पर्यवेक्षण में जनपद में गैंगेस्टर एक्ट के वांछित/पुरस्कार घोषित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रामपुर बरकोनिया एवं थाना रायपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी। इसी क्रम में थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा दिनांक 12.05.2026 को समय करीब 20.15 बजे ग्राम पटना स्थित वन विभाग कार्यालय के पास तिराहे से मुखबिर खास की सूचना पर 03 अभियुक्त रामजियावन पुत्र गुलाब धांगर निवासी ग्राम पटना थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र, धीरेन्द्र उर्फ धुरेन्दर पुत्र रामवृक्ष निवासी सिलथम थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र, हाल पता ग्राम दरमा टोला धरमपुरवा थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र, गनेश उर्फ वीरू उर्फ गणेश पुत्र बुद्धी निवासी ग्राम दरमा टोला धरमपुरवा थाना रामपुर बरकोनिया को किया गिरफ्तार। गिरफ्तार अभियुक्तगण के विरूद्ध थाना रामपुर बरकोनिया पर मु0अ0सं0-93/2025 धारा 3/5ए/5बी/8 गोवध निवारण अधिनियम तथा मु0अ0सं0-45/2026 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र पर अभियोग पंजीकृत है। उक्त अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरान्त न्यायालय रवाना किया गया।

इसी तरह थाना रायपुर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 13.05.2026 को थाना रायपुर पुलिस द्वारा चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन एवं तलाश वांछित अपराधी के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0-76/2026 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त संदीप मौर्या पुत्र ओमप्रकाश उर्फ राजकुमार मौर्या निवासी ग्राम तीनताली थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र को बहद ग्राम सोहदवल मेन रोड से समय करीब 07.54 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरान्त न्यायालय रवाना किया गया।उक्त निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक 12.05.2026 को थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए थाना क्षेत्र के बस स्टैण्ड विण्ढमगंज से गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, गिरफ्तार अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना विण्ढमगंज पर मु0अ0सं0-50/2026 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम, 1986 तथा मु0अ0सं0-09/2026 धारा 3/5/8 उ0प्र0 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्तगण को नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरान्त न्यायालय/जेल रवाना किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण अशोक यादव पुत्र सुरेश प्रसाद यादव निवासी ग्राम घिवही थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र, सुरेश यादव पुत्र स्व0 रामअवतार यादव निवासी साउडीह थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र रहे। जनपद पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की अराजक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ओलंपियाड प्रतियोगी परीक्षा में मदर्स प्राइड स्कूल के बच्चे रहे अव्वल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- हिंदुस्तान ओलंपियाड प्रतियोगी परीक्षा में मदर्स प्राइड स्कूल के बच्चों ने अपनी मेधा का प्रदर्शन करते हुए जूनियर वर्ग में जिले में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया है। सफल प्रतिभागियों को झांसी के दीनदयाल सभागार में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। हिंदुस्तान ग्रुप द्वारा राष्ट्रीय स्तरीय की इस प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर स्तर की परीक्षा गत 20 जनवरी को कराई गई थी जिसका रिजल्ट 10 मई को घोषित हुआ। आयोजित हिंदुस्तान ओलंपियाड में मदर्स प्राइड पब्लिक स्कूल कोंच के विद्यार्थियों युवराज पटेल, गौरी पटेल और प्रख्यात पटेल ने जूनियर वर्ग में जिले में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिंदुस्तान ग्रुप द्वारा झांसी के दीनदयाल सभागार में आयोजित पुरस्कार सम्मान समारोह में झांसी जिलाधिकारी गौरांग राठी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीटी मूर्ति द्वारा बच्चों को 3100, 2100 एवं 1100 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदुस्तान ग्रुप ने विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद पांडे को भी मंच के माध्यम से सम्मानित किया। विद्यालय परिवार ने सभी बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बाल गृह और संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण

बच्चों की शिक्षा-स्वास्थ्य व्यवस्था पर जोर

ललितपुर। जिले में संचालित बाल संरक्षण संस्थानों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए एडीएम अंकुर श्रीवास्तव ने जिला बाल कल्याण समिति के साथ राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर), नेहरू नगर तथा राजकीय बाल गृह (बालक), दैलवारा का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने संस्थाओं में रह रहे बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही शिक्षा, चिकित्सा, खानपान, खेलकूद, व्यायाम एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की। अधिकारियों ने बच्चों के आवासीय कक्षों, रसोईघर, शौचालय और परिसर की व्यवस्थाओं को देखा तथा संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। एडीएम ने निर्देश दिए कि बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए और बाल संरक्षण समिति समय-समय पर निरीक्षण करती रहे, ताकि बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए योग एवं नियमित व्यायाम कराने पर भी जोर दिया।

घटिया बालू वापस करने पर टाल संचालक को धमकी

दो नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में घटिया गुणवत्ता की बालू लेने से इंकार करना एक टाल संचालक को महंगा पड़ गया। बालू वापस करने की बात से नाराज होकर दो लोगों ने पहले फोन पर गाली-गलौज की, फिर टाल पर पहुंचकर अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम पनारी स्थित शिवधाम कॉलोनी निवासी फूल सिंह पुत्र देवकरण सीमेंट, गिट्टी और बजरी की टाल संचालित करते हैं। उन्होंने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कुछ दिन पूर्व एम्ब्रोसिया कॉलोनी निवासी जयहिन्द राजा ने उनकी टाल पर बालू डलवाई थी। बालू में अत्यधिक मिट्टी मिली होने और गुणवत्ता खराब पाए जाने पर फूल सिंह ने उसे लेने से मना कर दिया और वापस ले जाने को कहा। इसी बात को लेकर आरोपी उनसे रंजिश मानने लगा। बीती 4 मई 2026 को शाम करीब 4 बजे जय हिन्द राजा ने मोबाइल फोन पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कुछ देर बाद आरोपी अपने साथी सौरभ कुमार के साथ टाल पर पहुंचा, जहां दोनों ने अभद्र व्यवहार किया और विवाद बढ़ाने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट करने की कोशिश की तथा जाते-जाते गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि फोन पर हुई बातचीत और गाली-गलौज की रिकॉर्डिंग उनके पास सुरक्षित है, जिसे साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है। कोतवाली पुलिस ने जयहिन्द राजा और सौरभ कुमार के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 131 तथा 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक रोहित सिंह को सौंपी गई है।

वारंटी अभियुक्त को पुलिस ने दबोचा

तालबेहट। वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने बुधवार सुबह वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उपनिरीक्षक तरुण सिंह भदौरिया ने हमराह पुलिस बल के साथ ग्राम बम्हौरी सर में दबिश देकर वारंटी अभियुक्त रविंद्र रैकवार (30) पुत्र कोमल रैकवार निवासी बम्हौरी सर थाना तालबेहट को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को मंगलवार सुबह करीब 7:41 बजे उसके गांव से पकड़ा गया। गिरफ्तारी टीम में कांस्टेबल केसनलाल भी शामिल रहे। गिरफ्तार आरोपी को नियमानुसार सीजेएम न्यायालय ललितपुर में पेश किया गया।

कृषि जागरूकता गोष्ठी में किसानों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नदीगांव विकास खंड क्षेत्र के जरा गांव में बुधवार को किसानों के लिए कृषि जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान और कृषि विज्ञान केंद्र जालौन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस गोष्ठी की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान रामकिशोर पुरोहित ने की। गोष्ठी का उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग और आधुनिक खेती की तकनीकों के प्रति जागरूक करना रहा। गोष्ठी में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरबी कुमार ने किसानों को भूमि परीक्षण कराने और वैज्ञानिक सलाह के अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मिट्टी की गुणवत्ता को समझे बिना उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग खेती की लागत बढ़ाने के साथ उत्पादन क्षमता को भी प्रभावित करता है। उन्होंने पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए बहुवर्षीय शंकर नेपियर घास की खेती अपनाने पर भी जोर दिया। वैज्ञानिक डॉ. अभिजीत घोष ने किसानों को ड्रैगन फ्रूट की खेती के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसल है और आने वाले समय में किसानों की आय बढ़ाने का अच्छा माध्यम बन सकती है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. विक्टर जोशी ने किसानों से कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़कर नई तकनीकों, उन्नत बीजों और सुरक्षित कीटनाशकों की जानकारी लेने का आह्वान किया। जिला किसान क्लब संघ के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण चतुर्वेदी ने प्राकृतिक खेती, देसी गाय के महत्व और चंदन की खेती

की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। अंत में रामकिशोर पुरोहित ने मौजूद किसानों को अपने 10 एकड़ कृषि भूमि में विकसित बहुपयोगी बाग का भ्रमण कराया। इस बाग में महोगनी, चंदन, आम, नींबू, आंवला, अमरूद और अनार सहित हजारों पौधे लगाए गए हैं। गोष्ठी में किसान भईयालाल जाटव, ललुआ गुवरेले, जितेन्द्र पुरोहित, रामकृपाल पुरोहित, रमेश पुरोहित, राजेश दीक्षित, टिंकू पाल, धूराम कुशवाहा आदि किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कानपुरः मोबाइल चार्ज करते समय करंट लगने से किशोरी की मौत

कानपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र के इंदलपुर जुगराज गांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। मोबाइल फोन चार्ज करते समय करंट की चपेट में आने से 17 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किशोरी अंशिका घर पर मोबाइल चार्ज कर रही थी, तभी अचानक उसे करंट लग गया। परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। वहीं, इस हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।

महापौर प्रमिला पांडेय ने छोड़ा एस्कॉर्ट, स्कूटी से चलने का लिया फैसला

कानपुर। महापौर प्रमिला पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डीज़ल, पेट्रोल और एलपीजी की बचत के आह्वान को गंभीरता से लेते हुए अपना एस्कॉर्ट छोड़ने का निर्णय लिया है। अब महापौर ने स्कूटी से आवागमन करने का फैसला किया है। महापौर प्रमिला पांडेय ने पत्र जारी कर नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अपील की है कि वे मेट्रो, बस, टेम्पो सहित सार्वजनिक परिवहन साधनों का अधिक से अधिक उपयोग करें, ताकि ईंधन की बचत हो सके। महापौर ने कहा कि नगर निगम में पेट्रोल और डीज़ल की बचत के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य विभाग को ईंधन उपलब्ध कराना आवश्यक है, क्योंकि यदि कूड़ा उठान प्रभावित होगा तो शहर में बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। महापौर ने शहरवासियों से भी अपील करते हुए कहा कि देशहित में पेट्रोल और डीज़ल का कम से कम उपयोग करें तथा जहां संभव हो सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें। महापौर के इस कदम को प्रतीकात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जो ईंधन बचत और जनजागरूकता की दिशा में अहम पहल माना जा रहा है।

बीज विक्रेताओं के लिए साथी पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

प्रतापगढ़। जिला कृषि अधिकारी ने सूचित किया है कि बीज व्यवसाय को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और डिजिटल बनाने के उद्देश्य से शासन ने यह नई व्यवस्था लागू की है। उन्होने बताया है कि जनपद के समस्त बीज उत्पादक, अधिकृत विक्रेता, डीलर, डिस्ट्रीब्यूटर एवं संबंधित संस्थाओं को साथी पोर्टल पर तत्काल पंजीकरण कराना अनिवार्य है। बीज के भंडारण स्टॉक की स्थिति, स्थानांतरण एवं विक्रय की समस्त कार्यवाही केवल पोर्टल के माध्यम से ही की जाएगी। बिना पोर्टल प्रविष्टि के बीज का क्रय-विक्रय और स्टॉक संचालन पूर्णतः अमान्य होगा। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य बीजों की ट्रेसिबिलिटी सुनिश्चित करना है, ताकि किसानों को केवल प्रमाणित और उच्च गुणवत्ता वाले बीज ही प्राप्त हों। उन्होंने स्पष्ट किया है कि शासन की मंशा के अनुरूप इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। यदि कोई बीज विक्रेता बिना पोर्टल पंजीकरण के व्यवसाय करते हुए पाया जाता है या स्टॉक विवरण में विसंगति मिलती है, तो उसके विरुद्ध बीज नियंत्रण आदेश 1983 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

नीट पेपर लीक प्रकरण में शिक्षा माफिया के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो- अभाविप

● राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की भी उच्चस्तरीय केंद्रीय एजेंसी करें जांचः अभाविप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। नीट- यूजी 2026 परीक्षा में सामने आए कथित पेपर लीक एवं अनियमितताओं के प्रकरण की जांच केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई को सौंपना एक उचित एवं आवश्यक कदम है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रारंभ से ही इस पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रही थी। सीबीआई जांच के दौरान जो भी साक्ष्य, नेटवर्क एवं दोषी व्यक्ति सामने आएं, उनकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि वर्षों से राष्ट्रीय परीक्षाओं में सक्रिय शिक्षा-माफिया एवं भ्रष्ट तंत्र का पूर्ण रूप से भंडाफोड़ हो सके। देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी स्तर पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए तथा सभी दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

लगातार विभिन्न राष्ट्रीय परीक्षाओं में सामने आ रही गड़बड़ियां राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। वर्षभर कठिन परिश्रम करने वाले विद्यार्थियों के साथ बार-बार इस प्रकार की घटनाएं होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं विश्वासघातपूर्ण है। नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए एनटीए के महानिदेशक को तत्काल अपने पद से त्यागपत्र देना चाहिए। साथ ही, ऐसी संस्थागत विफलताओं को देखते हुए एनटीए की भूमिका एवं संरचना की व्यापक समीक्षा आवश्यक है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद स्पष्ट रूप से मानती है कि विद्यार्थियों के हित, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था एवं दोषियों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई हेतु इस पूरे नेक्सस को ध्वस्त करना अनिवार्य है। अभाविप इस संघर्ष में देशभर के विद्यार्थियों के साथ निरंतर खड़ी रहेगी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री अभय प्रताप सिंह ने कहा कि, 'देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य किसी भी परीक्षा माफिया या भ्रष्ट तंत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। नीट-यूजी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में हुई अनियमितताएं केवल प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि

विद्यार्थियों के विश्वास पर सीधा आघात हैं। दोषियों की पहचान कर उन पर त्वरित एवं कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी इस प्रकार का दुस्साहस न कर सके। कानपुर प्रान्त के प्रान्त मंत्री दिनेश यादव ने कहा कि, 'केंद्र सरकार द्वारा नीट मामले की जांच सीबीआई को सौंपा जाना अभाविप की मांग के अनुरूप है। हमनें शुरू से ही जीरो टॉलरेंस की नीति और निष्पक्ष जांच की मांग कर रही थी। हमारा मानना है कि देश के लाखों परिश्रमी विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। अभाविप की यह मांग हैं कि जांच की प्रक्रिया समयबद्ध हो जिससे विद्यार्थियों को शीघ्र न्याय मिल सके।

कानपुर में 14 मई को 101 निर्माण श्रमिक पुत्रियों का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित होगा

कानपुर। सहायक श्रम आयुक्त, कानपुर क्षेत्र, कानपुर, राम लखन पटेल ने जानकारी दी है कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की 101 पुत्रियों के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन दिनांक 14 मई 2026 (बृहस्पतिवार) को किया जाएगा। कार्यक्रम राजकीय आई0टी0आई0 परिसर, पाण्डुनगर, कानपुर में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन कार्यालय अपर श्रमायुक्त, कानपुर क्षेत्र, सर्वोदय नगर, कानपुर (श्रम विभाग) द्वारा किया जा रहा है। समारोह में मा0 कैबिनेट मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय विभाग, उ0प्र0 सरकार, अनिल राजभर का आगमन प्रातः 11 बजे प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की भी उपस्थिति रहेगी। सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य निर्माण श्रमिक परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक सहयोग प्रदान करना तथा श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाना है।

कल्याणपुर क्रॉसिंग और इंदिरा नगर मोड़ पर ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त, जाम से जनता परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। शहर के जीटी रोड स्थित कल्याणपुर क्रॉसिंग और इंदिरा नगर मोड़ पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। सड़क के बीचों-बीच ऑटो, टेंपो और बस चालकों द्वारा खुलेआम वाहन खड़े कर सवारियां भरी जा रही हैं, जिससे दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि राहगीरों, स्कूली बच्चों और महिलाओं को जान जोखिम में डालकर सड़क पार करनी पड़ रही है। लगातार लगने वाले जाम से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रीय लोगों ने आरोप लगाया कि सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों के कारण यातायात बाधित हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे ऑटो और टेंपो चालकों के हौसले बुलंद हैं और वे मनमानी कर रहे हैं। बताया

जा रहा है कि बुधवार को इसी अव्यवस्था के चलते कल्याणपुर इंदिरा नगर मोड़ पर ट्रैफिक कर्मी और एक ऑटो चालक के बीच कहासुनी हो गई, जो बाद में विवाद में बदल गई। मामला बढ़ने पर दोनों पक्ष कल्याणपुर थाने पहुंचे, जहां देर तक बहस चलती रही। इस पूरे घटनाक्रम के बाद शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने और अवैध रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है।

आर्यनगर में स्मार्ट स्कूल शिलान्यास पर सपा बीजेपी भिड़ीं

● विधायक अमिताभ बाजपेई धरने पर बैठे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर के आर्यनगर विधानसभा क्षेत्र में स्मार्ट स्कूल के शिलान्यास को लेकर बुधवार को सपा और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हंगामा हो गया। मामला परमट स्थित प्राथमिक विद्यालय के पुनर्निर्माण और उसे स्मार्ट स्कूल बनाए जाने से जुड़ा है। मौके पर सपा विधायक अमिताभ बाजपेई और बीजेपी नेता सुरेश अवस्थी आमने-सामने आ गए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

आपको बताते चलें कि दरअसल, बीजेपी नेता सुरेश अवस्थी ने 14 मई को सांसद रमेश अवस्थी द्वारा शिलान्यास कार्यक्रम की घोषणा करते हुए पहले ही बैनर लगवा दिए थे। वहीं सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने 15 मई को कार्यक्रम कराने के

पोस्टर लगवा दिए। बुधवार सुबह विधायक स्कूल पहुंचे और शिलापट्ट लगाने की तैयारी शुरू करा दी। इसी दौरान सुरेश अवस्थी वहां पहुंच गए और इसका विरोध करने लगे। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस के बाद सपा और बीजेपी कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए आमने-सामने आ गए। सूचना पर बीजेपी जिलाध्यक्ष और कई पार्षद भी मौके पर पहुंच गए। विवाद बढ़ने पर विधायक धरने पर बैठ गए। बाद में ग्वालटोली पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया।

युवक के साथ बस में जहरखुरानी, नकदी समेत सामान उड़ाये

लालगंज, प्रतापगढ़। मुम्बई से घर वापस आ रहे युवक के साथ रोडवेज बस में जहरखुरानी को लेकर हडकंप मच गया। सांगीपुर थाना के गोड़वा निवासी उमाशंकर 27 पुत्र रामलाल मुम्बई से बुधवार को घर आ रहा था। प्रयागराज में टेउन से उतरने के बाद वह रोडवेस बस से प्रतापगढ़ आ रहा था। रास्ते में अज्ञात द्वारा उसके साथ जहरखुरानी कर नकदी व सामान उड़ा लिया गया। सूचना मिलने पर परिजन उसे लालगंज इलाज के लिए ट्रामा सेंटर ले आये।

संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में राजेशचंद्र तिवारी अध्यक्ष तथा शिवरंजन यादव महामंत्री निर्वाचित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में राजेश तिवारी अध्यक्ष तथा शिवरंजन यादव महामंत्री निर्वाचित हुए हैं। मंगलवार को देर रात तक चली मतगणना में समिति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने चुनाव परिणामो की घोषणा की। वही चुनाव समिति ने निर्वाचित पदाधिकारियों को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। अध्यक्ष पद पर पांच उम्मीदवार मैदान में थे। सर्वाधिक मत राजेशचंद्र तिवारी को 259 मत मिले। उन्होने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी संघ के पूर्व अध्यक्ष संदीप सिंह को तीस मतों से करारी शिकस्त दी। पूर्व अध्यक्ष विकास मिश्र को 138 मतों पर संतोष करना पड़ा। प्रवीण यादव को 26 तथा विजय कुमार तिवारी को एक मत मिले। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सिविल के पद पर अबरार अहमद खान ने दो सौ दो मत प्राप्त कर निकटतम प्रतिद्वंदी पूर्व उपाध्यक्ष विभाकर नाथ शुक्ल को आठ मतों से पराजित किया। नीलेश सिंह निर्भय को 154 तथा निवर्तमान महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय को मात्र 44 मत मिले। जयकरन सिंह को 31 तथा महेन्द्र सरोज को 20 मत प्राप्त हुए। उपाध्यक्ष पद पर नामवर सिंह ने एक सौ अटठावन मत प्राप्त किये। उन्होने निकटतम प्रतिद्वंदी राजेश द्विवेदी को पांच मतों से पराजित किया। रामकुमार पाण्डेय को एक सौ पचास, सुमित त्रिपाठी को छत्तीस, मुकेश तिवारी सत्तान्नवे तथा अजय शर्मा को साठ मत मिले। महामंत्री पद पर शिवरंजन यादव ने दो सौ तेईस मत प्राप्त कर निकटतम प्रतिद्वंदी लाल स्नेहांश प्रताप सिंह को नौ मतों से पराजित किया। स्नेहांश प्रताप सिंह को दो सौ चौदह, अरविंद पाण्डेय तपन को एक सौ एक, संजीव कुमार तिवारी भीम को छप्पन व संतोष पासी को बीस मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर अतुल सिंह ने रिकार्ड तीस सौ उन्हत्तर मत प्राप्त कर निकटतम प्रतिद्वंदी निवर्तमान कोषाध्यक्ष हरिनारायण पाण्डेय दीपक को पराजित किया। हरि नारायण को दो सौ उन्यासी मत मिले। आय व्यय निरीक्षक पद पर संतोष तिवारी ने दो सौ सत्तावन मत प्राप्त कर विजय हासिल की। इस पर पर रंजीत साहू को निकटतम प्रतिद्वंदी के रूप में दो सौ बयालिस तथा अनंत प्रसाद त्रिपाठी को एक सौ बावन मत मिले। सह मंत्री पद पर सचिन पाण्डेय ने दो सौ पचासी मत प्राप्त कर संदीप वर्मा को पराजित किया। संदीप वर्मा को दो सौ तीस तथा आशुतोष पाण्डेय को एक सौ पैतीस मत मिले। प्रचार मंत्री पद पर अमन द्विवेदी ने तीस सौ चार मत हासिल कर दो सौ तेरह मत पाने वाले रामललन वर्मा को पराजित किया। राहुल यादव को एक सौ तीस मत मिले। सदस्य कार्यकारिणी के पद पर छः उम्मीदवारों में से पांच विजयी घोषित हुए। इस पद पर कमलनाथ सरोज, चंद्रप्रकाश चंचल, निर्भय शुक्ल, प्रशांत पाण्डेय व राजकुमार मिश्र को विजयी घोषित किया गया। वकील अहमद को सदस्य कार्यकारिणी में पराजय झेलनी पड़ी। उपाध्यक्ष के दोनों पदों पर निकटतम प्रत्याशियों द्वारा पुर्नमतगणना की मांग की गयी। इसके बाद चुनाव समिति ने प्रत्याशियों तथा अभिकर्ताओं की मौजूदगी में दोबारा इन प्रत्याशियों के मतों की गणना की। रात करीब पौने ग्यारह बजे चुनाव समिति के अध्यक्ष

ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने विजयी प्रत्याशियों को कार्यालय के सामने प्रमाण पत्र सौंपे। निवर्तमान अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने नई कार्यकारिणी का स्वागत किया। वही नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेशचंद्र तिवारी ने साथी अधिवक्ताओं का समर्थन के लिए आभार जताते हुए अधिवक्ता हितों में समर्पित रहने का संकल्प जताया। प्रमाण पत्र वितरण के समय एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्र, चुनाव समिति के महामंत्री वीरेन्द्र सिंह अगई, राम मोहन सिंह, देवी प्रसाद मिश्र, शिवाकांत उपाध्याय, राम लगन यादव, संतोष पाण्डेय, शैलेन्द्र चतुर्वेदी मौजूद रहे। वहीं बुधवार को तहसील व दीवानी परिसर में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने साथियों का मुंह मीठा कराकर जीत का जश्न साझा किया। इस बार सभी पदों पर चुनाव होने के कारण मतगणना देर रात सम्पन्न हो सकी। हालांकि परिणाम आते ही विजयी पदाधिकारियों के समर्थकों ने गाजे बाजे के साथ तहसील परिसर में जश्न का इजहार किया। मतगणना देर रात तक जारी रहने के कारण लालगंज कोतवाल आलोक कुमार तथा सांगीपुर एसओ गौरव त्रिवेदी भारी फोर्स के साथ मतगणना स्थल पर एहतियातन तैनात दिखे।

परीक्षा नियंत्रक के औचक निरीक्षण में 23 छात्र नकल करते हुए पकड़े गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर एवं संबद्ध महाविद्यालयों के पांच जनपदों में संचालित सम सेमेस्टर स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं के अंतर्गत बुधवार को विश्वविद्यालय की विशेष निरीक्षण टीम द्वारा महाराजगंज जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव के नेतृत्व में गठित टीम में डॉ. रविकांत शुक्ला एवं डॉ. देवबक्स सिंह सम्मिलित रहे। टीम ने महाराजगंज स्थित विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता एवं नकलविहीन परीक्षा संचालन का गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र राजेंद्र प्रसाद ताराचंद महाविद्यालय निचलौल महाराजगंज, जहां मनु लॉ कॉलेज महाराजगंज के विद्यार्थी परीक्षा दे रहे थे, द्वितीय पाली की परीक्षा में निरीक्षण टीम द्वारा मनु लॉ कॉलेज के 05 विद्यार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया। संबंधित विद्यार्थियों को अनुचित साधन प्रयोग (यूएफएम) के अंतर्गत वांछित किया गया। इसी प्रकार परीक्षा केंद्र डॉ भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय महाराजगंज , जहां रामरेखा राय विधि महाविद्यालय महाराजगंज के विद्यार्थी परीक्षा दे रहे थे, वहां भी 18 विद्यार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया। सभी संबंधित परीक्षार्थियों के विरुद्ध अनुचित साधन प्रयोग की कार्यवाही की गई।

परीक्षा नियंत्रक ने केंद्र व्यवस्थापकों एवं कक्ष निरीक्षकों को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व

मुख्य द्वार पर ही सघन जांच सुनिश्चित की जाए तथा मोबाइल, ब्लूटूथ, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री को पूर्णतः वर्जित किया जाए। हर हाल में नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय स्तर से सीसीटीवी मॉनिटरिंग के माध्यम से सभी परीक्षा केंद्रों की सतत निगरानी एवं नियंत्रण किया जा रहा है।

नवविवाहिता का शव पेड़ से साड़ी के फंदा के सहारे लटका हुआ मिला

● मायके पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

● डुमरियागंज थाना क्षेत्र के पचउध उर्फ लतीफपुर गांव का मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के पचउध उर्फ लतीफपुर गांव में मंगलवार-बुधवार की रात एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका मालती मौर्य (21) का शव घर के बाहर पेड़ से साड़ी के फंदे से लटका मिला। परिजन उसे सीएचसी बेवा ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतका की शादी 11 मार्च को देवदत्त मौर्य के साथ हुई थी। पति मुंबई में काम

करता है। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की मां कपूरा देवी ने थाने में तहरीर देकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। सूचना पर सीओ बृजेश वर्मा व डुमरियागंज पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की। प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अवैध खनन करते पकड़ी गई जेसीबी व डंपर सीज

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसीलदार ने अवैध खनन के आरोप में जेसीबी व डंफर जब्त कर ढेबरुआ थाने को सौंप दिया। तहसीलदार की उक्त कार्रवाई से अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है। शोहरतगढ़ तहसीलदार प्रकाश सिंह बुधवार को सायं ढेबरूआ थानाक्षेत्र के परसोहिया में स्थित गौशाला का निरीक्षण करने गए थे।इसी दौरान उन्हें सूचना मिला कि सिसवा उर्फ शिवभारी में अवैध खनन हो रहा है। तहसीलदार ने मौके पर पहुंच कर वहां चल रहे एक जेसीबी व एक डंफर को रोककर खनन संबंधित कागजात मांगा। खनन से संबंधित कोई कागजात न दिखा पाने पर कार्रवाई करते हुए दोनों वाहनों को ढेबरुआ पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

शराब के नशे में बाइक सवार ने कार में मारी टक्कर

● विरोध करने पर मारपीट व जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला आजादपुरा में शराब के नशे में वाहन चलाते हुए कार में टक्कर मारने, विरोध करने पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला चांदमारी निवासी शैलेंद्र कुमार ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12.40 बजे वह अपनी कार से आजादपुरा क्षेत्र से गुजर रहे थे। इसी दौरान प्रमोद कुमार साध अपनी मोटरसाइकिल संख्या यू.पी.94 एम 4380 से पीछे से आया और उनकी कार में टक्कर मार दी। जब उन्होंने वाहन रोककर विरोध किया तो आरोपी शराब के नशे में था और ब्रेक न लगने की बात कहने लगा। कुछ देर बाद आरोपी वहां से चला गया, लेकिन थोड़ी दूरी पर फिर से कार का पीछा कर दोबारा जोरदार टक्कर मार दी। आरोप है कि घटना के बाद प्रमोद कुमार साध ने शैलेंद्र कुमार के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना में कार का बंपर और बैक कैमरा क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने आरोपी प्रमोद कुमार साध के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 324(2), 115(2), 352 तथा 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक अवधेश कुमार तिवारी द्वारा की जा रही है।

तैयारियां पूर्ण, डीबीए के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को 15 मई को दिलाई जाएगी शपथ

● कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर दी गई जिम्मेदारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 15 मई को पूर्वान्ह 11 बजे तहसील सभागार रॉबर्ट्सगंज में संपन्न होगा। जिसकी तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बुधवार को डीबीए भवन में एक आवश्यक बैठक हुई, जिसमें विचार-विमर्श के बाद विभिन्न समितियों का गठन कर सम्बन्धितों को जिम्मेदारी दी गई है।

बता दें कि इस गरिमामय समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं पदाधिकारी गोपनीयता की शपथ लेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिशंकर सिंह एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष/सदस्य बार कार्उसिल आफ उत्तर प्रदेश होंगे, वहीं विशिष्ट अतिथि पांचू राम मौर्य एड पूर्व अध्यक्ष/ सदस्य बार कार्उसिल आफ उत्तर प्रदेश, सांसद छोटेलाल सिंह खरवार व आशुतोष सिंन्हा एडवोकेट सदस्य स्नातक क्षेत्र वाराणसी होंगे। समारोह की तैयारियों को लेकर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक हुई। जिसमें कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर सम्बन्धितों को दायित्व सौंपे गए। स्वागत समिति की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार यादव एडवोकेट को दी गई मंच व्यवस्था व मीडिया समन्वय की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव एडवोकेट, सुरेश सिंह कुशवाहा एड, पवन कुमार सिंह एड व प्रदीप कुमार मौर्य एडवोकेट को दी गई है।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में जिले के समस्त अधिवक्तागण, जनप्रतिनिधिगण , प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी अधिवक्ता हितों की रक्षा एवं न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। बैठक की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट व संचालन निवर्तमान वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने किया। बैठक में पवन कुमार सिंह एड, प्रदीप कुमार मौर्य एड, राजेश कुमार यादव एड, रियाज़ खान, चंद्र प्रकाश सिंह, चतुर्भुज शर्मा, संतोष यादव, सुरेश कुशवाहा, द्वारकानाथ नागर, टीटू गुप्ता, आदर्श देव पांडेय, स्वरा भास्कर, आशुतोष देव पांडेय, रामगुल्ली यादव, सुदेश कुमार, दशरथ यादव, राकेश कुमार सिंह, रविंद्र सिंह, रोशन, विनीता आदि मौजूद रही।

'सही पोषण ही छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी'- डॉ. आशुतोष मिश्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, स्वास्थ्य जागरूकता एवं संतुलित जीवनशैली के संवर्धन हेतु सदैव प्रतिबद्ध रहा है। छात्रों में स्वास्थ्य, पोषण एवं उत्तम खान-पान के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से विद्यालय द्वारा समय-समय पर ऐसे ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में विद्यालय में दिनॉक 13 मई को 'भविष्य को ऊर्जावान बनाएँ' विषय पर एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय समन्वयक संतोष शिवजी यादव एवं परियोजना चिकित्सा अधिकारी (एनयूपीपीएल) डॉ. अभिनव द्विवेदी तथा उनकी मेडिकल टीम ने सहभागिता निभाते हुए विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। सत्र के दौरान डॉ. द्विवेदी ने कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन तथा अन्य आवश्यक पोषक तत्वों के महत्व को सरल एवं रोचक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने

बताया कि संतुलित एवं पौष्टिक भोजन विद्यार्थियों के शारीरिक विकास, मानसिक एकाग्रता, रोग-प्रतिरोधक क्षमता एवं ऊर्जा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को जंक फूड एवं असंतुलित खान-पान से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नियमित रूप से पौष्टिक आहार अपनाने, पर्याप्त जल पीने एवं स्वस्थ दिनचर्या बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। मेडिकल टीम द्वारा विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छता एवं दैनिक पोषण संबंधी उपयोगी सुझाव भी दिए गए।

विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं जिज्ञासा के साथ सत्र में सहभागिता निभाई तथा स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा ने अपने वक्तव्य मे कहा,– 'स्वस्थ छात्र ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होते हैं। सही पोषण विद्यार्थियों को ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं सफलता की नई दिशा प्रदान करता है। 'उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा इस महत्वपूर्ण एवं जागरूकता से परिपूर्ण सत्र के लिए डॉ. द्विवेदी एवं मेडिकल टीम का आभार व्यक्त किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम ज्ञान, स्वास्थ्य जागरूकता एवं प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा। अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों एवं मेडिकल टीम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायी एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला सिद्ध हुआ।

संक्षिप्त खबरें

सीएम योगी ने प्रतीक यादव को दी अंतिम श्रद्धांजलि, गुरुवार होगा अंतिम संस्कार

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के परिवार से जुड़ा एक दुखद समाचार सामने आया है। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव का बुधवार सुबह 38 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने लखनऊ के एक अस्पताल में आखिरी सांस ली। KGMU में डॉक्टरों के पैनल ने उनका पोस्टमार्टम किया। प्रतीक यादव के निधन की खबर मिलते ही यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के समर्थकों में शोक की लहर है।

नाबालिक बच्ची का अपहरण बिहार में रचाई शादी...

आरे पुलिस ने आरोपी को बिहार से किया गिरफ्तार...

इंस्टाग्राम की दोस्ती बच्चों के लिए खतरा, आरे पुलिस ने किया आव्हान...

मुंबई पुलिस के आरे पुलिस थाने ने एक 17 वर्षीय मासूम बच्ची के अपहरण और फिर शादी के मामले का पर्दाफाश करते हुए आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की तत्परता और तकनीकी जांच के चलते बच्ची को सुरक्षित बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया.. प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरे पुलिस स्टेशन के अंतर्गत में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 17 वर्षीय बेटी 20 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 2 बजे घर से लापता हो गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनकी बेटी सरिपूत नगर इलाके से पास के बीएमसी स्कूल में पुस्तक जमा करने जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी.. परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं मिलने पर आरे पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपनिरीक्षक सचिन पाचाळ और उनकी टीम ने तुरंत जांच शुरू की। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और तकनीकी जानकारी जुटाई। जांच के दौरान बच्ची के मोबाइल नंबर और संबंधित कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) की जांच की गई, जिसमें मोबाइल की लोकेशन दिल्ली में मिलने की जानकारी सामने आई। बाद आरे पुलिस की टीम तत्काल दिल्ली रवाना हुई। दिल्ली पुलिस की सहायता से एक किराना दुकान में काम करने वाले संदिग्ध युवक तक पुलिस पहुंची। पूछताछ में पता चला कि आरोपी मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले का रहने वाला है और बच्ची को अपने साथ लेकर बिहार चला गया है। पुलिस टीम ने तुरंत बिहार के समस्तीपुर में दबिश दी। स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को हिरासत में लिया गया और बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इसके बाद आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई लाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पासवान (23 वर्ष) के रूप में हुई है। आरोपी को मुंबई की अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया। यह पूरी कार्रवाई पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। मामले की आगे की जांच जारी है।

बालेन सरकार को झटका, नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने छात्र राजनीति बैन करने के आदेश पर लगाई रोक

● नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को सुप्रीम कोर्ट से कानूनी झटका लगा है। कोर्ट ने सिविल सर्विस ट्रेड यूनियनों और यूनिवर्सिटी छात्र संगठनों को भंग करने के उनके अध्यादेशों पर रोक लगा दी है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को जबरदस्त कानूनी झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने शाह की सरकार के सिविल सर्विस ट्रेड यूनियनों और यूनिवर्सिटी में छात्र संगठनों को भंग करने के फैसलों पर रोक लगा दी है। इसे उन्होंने अध्यादेशों के जरिए लागू किया था।

सुप्रीम कोर्ट के ये दो आदेश ऐसे समय में आए, जब कर्मचारी और छात्र संगठन सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। शाह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में इन उपायों का बचाव करते हुए कहा, 'स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में पार्टी के झंडों पर प्रतिबंध लगाने से छात्रों और कर्मचारियों के अधिकार नहीं छिनेंगे, बल्कि इससे उनकी पेशेवर स्वतंत्रताएं और मजबूत होंगी।'

बालेन शाह का क्या था मकसद?

उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद शिक्षा और नौकरशाही में पक्षपातपूर्ण प्रभाव को खत्म करना है, जहां छात्र और कर्मचारी संगठन राजनीतिक पार्टियों के स्लीपर सेल बन गए थे। उन्होंने आगे कहा कि तबादले और प्रमोशन प्रक्रिया, काबिलियत और काम के आधार पर होने चाहिए न कि पार्टी से जुड़ाव के आधार पर।

बालेन के तर्क को छात्र नेताओं ने किया खारिज

कर्मचारी और छात्र नेताओं ने इस तर्क को खारिज कर दिया। नेपाल सिविल सर्विस एम्प्लॉइज एसोसिएशन के चेयरमैन उत्तम कटवाल ने कहा कि रजिस्टर्ड ट्रेड यूनियनें को पार्टी-आधारित संगठन बताना गलत है। उन्होंने कहा, 'हम पार्टी-आधारित ट्रेड यूनियन नहीं हैं। हम सिविल सेवक हैं जो स्थायी सरकार के तौर पर काम करते हैं और हमने राज्य के नाम पर शपथ ली है।' छात्र नेताओं ने भी कहा कि सरकार को छात्र संगठनों को खत्म करने के बजाय कैंपस की राजनीति को रेगुलेट करना चाहिए।

संदिग्ध हाल में दो माह की गर्भवती की मौत, तीन महीने पहले हुई थी शादी

दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के खिचड़ीपुर इलाके में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय नीलम के रूप में हुई है। तीन माह पहले ही शादी हुई थी। ससुराल पक्ष का दावा है कि महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, जबकि मायके वालों ने इसे हत्या बताते हुए ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कल्याणपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है। नीलम मूल रूप से नोएडा के राहुल विहार, सेक्टर-62 की रहने वाली थी। करीब तीन महीने पहले उनकी शादी खिचड़ीपुर निवासी राहुल नाम के युवक से हुई थी। राहुल नगर निगम में अस्थायी कर्मचारी है। मृतका के भाई निशांत ने बताया कि नीलम दो महीने की गर्भवती थी। सोमवार रात को उनकी बहन से फोन पर बात हुई थी। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उन्होंने नीलम को फोन किया, लेकिन उठाया नहीं। इसके बाद युवक ने अपने जीजा राहुल को फोन किया तो उसने बताया कि वह ऑफिस में है और घर पर उसकी भाभी है। वह उन्हें कॉल करके बात कर ले। उसकी भाभी ने भी फोन नहीं उठाया। दोपहर डेढ़ बजे राहुल ने उन्हें फोन करके बताया कि नीलम चुन्नी के सहारे पंखे से लटकी हुई है। नीलम के मायके पक्ष के लोग एलबीएस अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने बताया कि महिला की मौत हो गई। आरोप है राहुल व उसका परिवार दहेज के लिए नीलम को परेशान करते थे।

3 इडियट्स में होगा टाइम जंप?

● आमिर की फिल्म के सीक्वल में लौटेगी ओजी गैंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हर किसी के मन में ये सवाल था कि 'सितारे जमीन पर' के अच्छे खासे सक्सेस के बाद अब बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान क्या करने वाले हैं। आमिर ने हाल ही में अपने बेटे जुनैद की फिल्म एक दिन को काफी सपोर्ट किया था, साथ ही अपना मिस्टर परफेक्शनिस्ट वाला जादू इस फिल्म को और भी बेहतर बनाने में चलाने की कोशिश की थी। लेकिन आमिर खुद के लिए अब क्या करने वाले हैं, इस बारे में फिलहाल कोई खास जानकारी सामने नहीं आ रही थी। इसी बीच खबर आई कि आमिर अपने दोस्त और डायरेक्टर राजकुमार हिरानी के साथ मिलकर साल 2009 में आई सुपरहिट फिल्म 'थ्री इडियट्स' का सीक्वल बनाने जा रहे हैं। हालांकि, अभी मेकर्स की तरफ से कोई खास जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर की मानें तो ये बात कन्फर्म है।

फिल्म में होगा टाइम जंप

HT की इस रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर ने फिल्म पर काम करना शुरू कर दिया है. राजू के साथ मिलकर वो स्टोरी पर काम कर रहे हैं और इसे और रिफाइन किया जा रहा है. फिल्म के बाकी दोनों सितारे यानी आर. माधवन और शरमन जोशी भी सालों बाद फिर से फिल्म में वापसी कर सकते हैं. इसके साथ ही फिल्म में एक टाइम जंप दिखाया जा सकता है. अब ये टाइम जंप फिल्म की 2009 वाली घटनाओं के पहले का होगा या फिर बाद का, इसपर जानकारी नहीं है.

लौटेगी ओजी स्टारकास्ट

कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा था कि फिल्म के सीक्वल को 4 इडियट्स नाम दिया जा सकता है, जहां छावा फेम एक्टर विकी कौशल भी कास्ट को ज्वाइन कर सकते हैं. हालांकि इस बात की भी कोई पुष्टी नहीं की गई है. राजू के साथ पर्दे पर आमिर ने जब भी काम किया है, तब-तब उन्हें फायदा हुआ है. राजू हिरानी के साथ एक्टर ने थ्री इडियट्स और पीके में काम किया है. दोनों ही फिल्में सुपरहिट रही हैं. ऐसे में आमिर अगर इस फिल्म का सीक्वल राजू के साथ ही ला रहे हैं, तो ये फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं।

BJP वाले पेपर लीक करवा रहे...', केजरीवाल का केंद्र और सीबीआई पर बड़ा हमला

● आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि 93 पेपर लीक से करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है और राजनीतिक बदलाव की अपील की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों पर गंभीर सवाल उठाए। केजरीवाल ने युवाओं के नाम संदेश जारी करते हुए कहा कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक से करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सीबीआई जांच पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि पहले के मामलों में भी एजेंसी प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। दावा किया कि एक पुराने मामले में मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार तो किया गया, लेकिन 90 दिन तक चार्जशीट दाखिल नहीं की गई, जिसके चलते आरोपी को जमानत मिल गई। उन्होंने दावा किया कि जिन लोगों पर संदेह है, उनका संबंध राजस्थान से जुड़ा हुआ है। साथ ही आरोप लगाया कि पूरे तंत्र में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े लोग पेपर लीक करवाने में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने युवाओं से राजनीतिक बदलाव की अपील करते हुए कहा कि अगर नेपाल का युवा वहां की सरकार बदल सकता है, तो देश का युवा भी भाजपा के मंत्रियों को बदल सकता है।

भारत की विदेश नीति पर भी उठाया सवाल

इसके अलावा केजरीवाल ने भारत की विदेश नीति को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि रूस से आ रहे गैस से भरे जहाज को भारत सरकार ने रास्ते में रुकवा दिया और यह सब अमेरिका के राष्ट्रपति Donald Trump के इशारे पर किया गया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश ट्रंप की बात नहीं मान रहे, तो भारत सरकार ऐसा क्यों कर रही है।

कृषि आय पर टैक्स लगाने की मांग वाली याचिका खारिज, हाई कोर्ट ने विधायिका को बताया अधिकार क्षेत्र

दिल्ली। दिल्ली में कृषि आय पर टैक्स लगाने के निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि याचिका में उठाई गई मांग पूरी तरह से विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आती है और अदालत का इस संबंध में कोई आदेश पारित करना सही नहीं है। याचिकाकर्ता आकाश गोयल ने कृषि आय को टैक्स से लगातार दी जा रही छूट को चुनौती दी गई थी। याचिका में तर्क दिया गया था कि इस छूट से आर्थिक असमानता पैदा होती है और ज्यादा आय वाले लोग इसका गलत फायदा उठाते हैं।

कान्स में मर्मेड बनीं उर्वशी रौतेला... क्रिस्टल ताज और कौरेसल बैग संग ढाया कहर

● एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. उर्वशी ने हाल ही में कांस 2026 में हिस्सा लिया. वो पिछले पांच सालों से कांस का हिस्सा बन रही हैं. इस बार भी उर्वशी ने एक कमाल का आउटफिट चुना और बहुत ही ग्रेसफुल तरीके से खुद को रेड कार्पेट पर प्रेजेंट किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बॉलीवुड-साउथ एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने ग्लैमर और खूबसूरती के लिए जानीं जाती हैं. न सिर्फ अपने सिजलिंग लुक्स से उर्वशी फैंस को हैरान करती हैं, बल्कि वो अपने इंटरव्यूज को लेकर भी अक्सर सुर्खियां बटोरती हैं। उर्वशी पिछले पांच सालों से हर साल फ्रांस के कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बन रही हैं. उर्वशी के लुक्स को लेकर हमेशा ही चर्चा रहती है, क्योंकि वो अपने आउटफिट्स के साथ काफी अलग-अलग तरह के एक्सपेरिमेंट्स करती हैं। उर्वशी के पिछले साल के कांस लुक को भी फैंस ने काफी पसंद किया था. इस साल भी एक्ट्रेस ने रेड कार्पेट पर कान्फिडेंस से वॉक करते हुए दुनिया का ध्यान खींचा. अब एक्ट्रेस ने अपनी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है। एक्ट्रेस ने कांस के 79वें संस्करण की ग्रांड रेड कार्पेट शाम के लिए वियतनामी फैशन लेबल 'जोलीपोली काउचर' की और से तैयार किया गया कस्टम गाउन पहना था. ये एक मरमेड-स्टाइल गाउन है। इस गाउन का बेस हल्के लैवेंडर और शीयर टोन का है, जो पूरी तरह से हजारों चांदी के छोटे क्रिस्टल, मोतियों और कीमती पत्थरों की नक्काशी से बनाया गया है. केप स्लीव्स और सिल्वर डैजलर्स के साथ ये गाउन एक खूबसूरत पीस दिखता है।

गाउन से मैच करते हुए उन्होंने बड़े इयररिंग्स और कलाई पर मैचिंग ब्रेसलेट पहना है. उर्वशी इस लुक में कमाल की लग रही हैं. फैंस को भी एक्ट्रेस का ये लुक काफी पसंद आ रहा है। हाथ में दिखाई दे रहा क्लच सबसे अनोखा था. उन्होंने हाथ में रंग-बिरंगे क्रिस्टल और स्टोन से सजा हुआ एककैरोसेल बैग थामा हुआ था, जिसने इंटरनेट पर सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं।

500 रुपए में जेल यात्रा! 24 घंटे तक कैदी बनकर जानिए सलाखों के पीछे की जिंदगी

● तेलंगाना जेल विभाग ने हैदराबाद के चंचलगुडा जेल में 'जेल का अनुभव करें' कार्यक्रम और नया संग्रहालय शुरू किया है. इसका उद्देश्य अपराध जागरूकता और जेल जीवन की कठिनाइयों से लोगों को परिचित कराना है। यह पहल दिखाती है कि जेलें अब सजा के बजाय सुधार के केंद्र हैं. मुख्य लक्ष्य युवाओं को अपराध से दूर रखकर कानून का सम्मान सिखाना है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तेलंगाना जेल विभाग ने हैदराबाद के चंचलगुडा केंद्रीय जेल में एक नई पहल की शुरुआत की है। समाज में अपराध के प्रति जागरूकता पैदा करने और लोगों को जेल जीवन की कठिनाइयों से परिचित कराने के उद्देश्य से, 'जेल का अनुभव करें' कार्यक्रम और अत्याधुनिक तेलंगाना जेल संग्रहालय का उद्घाटन तेलंगाना राज्य के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने मंगलवार (12 मई, 2026) को किया. राज्यपाल ने संग्रहालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसमें यह दिखाया गया है कि कैसे जेलें, जो कभी केवल सजा देने के केंद्र हुआ करती थीं, आज सुधार गृह बन गई हैं। संगारेड्डी में स्थित पूर्व जेल संग्रहालय भवन की जीर्ण-शीर्ण अवस्था को देखते हुए, इसे आधुनिक सुविधाओं के साथ चंचलगुडा में स्थानांतरित कर दिया गया। प्राचीन कारागार अभिलेख, हथकड़ियां, कैदियों को बांधने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जंजीरें और फांसी से संबंधित दुर्लभ वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं. कैदियों के बैरकों के मॉडल, पेंटिंग गैलरी और ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों के माध्यम से जेल के इतिहास को समझाया गया है. 1961-68 के बीच नागार्जुनसागर बांध के निर्माण में कैदियों द्वारा दी गई सेवाओं को एक विशेष अनुभाग में प्रदर्शित किया गया है।

24 घंटे तक जेल में रह सकेंगे आम लोग

इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को जेल जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है. वे एक निश्चित शुल्क देकर 12 या 24 घंटे जेल में बिता सकते हैं. इसमें कैदियों के कपड़े, जेल का भोजन, सख्त अनुशासन और कैदियों जैसी दैनिक गतिविधियां शामिल हैं। इसके लिए पंजीकरण हेतु 500 रुपये का अग्रिम भुगतान आवश्यक है। प्रतिभागी सख्त नियमों के तहत 24 घंटे तक जेल में रह सकते हैं. फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वर्जित हैं। जेल अधिकारियों ने बताया कि समय से पहले जेल छोड़ने पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यह कार्यक्रम केवल मनोरंजन के लिए नहीं है, बल्कि अधिकारियों को उम्मीद है कि जेल जीवन की कठिनाइयों को देखकर युवा अपराध की ओर रुख नहीं करेंगे और कानून का सम्मान करना सीखेंगे. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेल अनुशासन और जीवन के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

कैसे करना होगा रजिस्ट्रेशन?

जेल परिसर में आगंतुकों की सुविधा के लिए एक कैफेटेरिया स्थापित किया गया है, जो लोग इस अनुभव का लाभ उठाना चाहते हैं, वे वेबसाइट www. telanganajaile& perience. com के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं. अधिक जानकारी के लिए, आप 94946 32046 पर संपर्क कर सकते हैं। चंचलगुड़ा जेल की सजा के बजाय सुधार को बढ़ावा देने की पहल पूरे देश में एक मिसाल कायम कर रही है. संग्रहालय का अंतिम लक्ष्य लोगों को जेल प्रणाली से डरने के बजाय जिम्मेदार नागरिक बनने के बारे में शिक्षित करना है।

तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को मारी टक्कर, 10 साल की बच्ची समेत तीन की मौत

● जीटी करनाल हाईवे पर बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। जीटी करनाल हाईवे पर बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसे में 10 साल की बच्ची, ऑटो रिक्शा चालक समेत तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। घायलों में पिता व पुत्र की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में बेटी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अलीपुर के शनि मंदिर के पास तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मारी।

टक्कर में ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। ऑटो रिक्शा में सात लोग सवार थे, एक परिवार के चार लोग शामिल थे। बेटी की मौत हो गई और पिता-पुत्र गंभीर रूप से घालय हो गए। चौथे सदस्य को मामूली चोट आई। हादसे में जान गंवाने वाले तीसरे शख्स की अभी पहचान नहीं हो पाई है।हादसे के बाद स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल विभाग, कैट्स एंबुलेंस, ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

हादसे के बाद ऑटो में बुरी तरह फंसा एक शख्स

हादसे के बाद एक व्यक्ति ऑटो में बुरी तरह फंस गया, जिसे दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। घायलों को तुरंत राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया।

असम विश्वविद्यालय स्थापना आंदोलन का इतिहास होगा प्रकाशित

● 31 मई तक प्रामाणिक दस्तावेज जमा करने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: शिलचर, 13 मई बुधवार को प्रशासन ने बराक घाटी में केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना आंदोलन के इतिहास को दस्तावेज़बद्ध कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने की पहल की है। विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के निर्णय के तहत प्रोफेसर अशोक कुमार सेन के नेतृत्व में घाटी के विशिष्ट व्यक्तियों को लेकर एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है। बुधवार को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित सेमिनार हॉल में समिति की पहली बैठक आयोजित हुई। प्रोफेसर अशोक कुमार सेन की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुलपति प्रोफेसर राजीव मोहन पंथ, कुलसचिव डॉ. प्रदोष किरण नाथ, वित्त अधिकारी डॉ. शुभदीप धर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रारंभिक वक्तव्य में कुलसचिव डॉ. नाथ ने कहा कि असम विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि बराक घाटी के लोगों के लंबे आंदोलन, त्याग और जनआकांक्षाओं का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि तथ्य-आधारित और गैर-राजनीतिक दृष्टिकोण से इस इतिहास को पुस्तकाकार प्रकाशित करना समय की आवश्यकता है। कुलपति प्रोफेसर पंथ ने कहा कि बराक घाटी की संस्कृति और इतिहास अत्यंत समृद्ध है, लेकिन बाहरी लोग इससे अनभिज्ञ हैं। उन्होंने असम विश्वविद्यालय स्थापना आंदोलन, मालेगढ़ तथा चरगोला एक्सोडस जैसे ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए इस पहल की सराहना की और आंदोलन पर संगोष्ठी आयोजित करने की आवश्यकता जताई। बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप दत्तराय, पत्रकार तैमूरराजा चौधरी, पूर्व प्राचार्य हिलाल उद्दीन लस्कर, शोधकर्ता संजीव देव लस्कर, डॉ. देवश्री दत्त, आबिद राजा मजूमदार, नाजिया यासमीन मजूमदार, विकास चक्रवर्ती, प्रोफेसर विश्वतोष चौधरी, प्रोफेसर ननीकुमार सिंह, प्रोफेसर वरुणज्योति चौधरी, साग्निक चौधरी, डॉ. अबुल हसन चौधरी तथा कवि शतदल आचार्य सहित कई बुद्धिजीवियों ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना आंदोलन केवल एक शिक्षण संस्थान की मांग नहीं था, बल्कि यह क्षेत्र की शिक्षा, संस्कृति और पहचान से जुड़े लंबे संघर्ष का प्रतीक था। उन्होंने आंदोलन के विभिन्न चरणों, सामाजिक पृष्ठभूमि तथा छात्र-युवा समाज की भूमिका को समाहित करते हुए विस्तृत ग्रंथ प्रकाशित करने पर जोर दिया। बैठक में दिवंगत प्रोफेसर सुबीर कर और पत्रकार विकास चक्रवर्ती की पांडुलिपियों से भी जानकारी संकलित करने का सुझाव दिया गया। साथ ही, आंदोलन से संबंधित प्रामाणिक दस्तावेज रखने वाले लोगों से 31 मई तक सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक कुमार सेन अथवा संपादकीय समिति के मुख्य संपादक प्रोफेसर विश्वतोष चौधरी और प्रोफेसर वरुणज्योति चौधरी से संपर्क करने की अपील की गई। बैठक के अंत में सलाहकार समिति के संयोजक डॉ. पिनाक कांती राय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

तेल संकट के बीच रूस ने फिर निभाई दोस्ती, कहा- भारत में कम नहीं होंने देंगे सप्लाई

● रूस ने भारत को ऊर्जा आपूर्ति जारी रखने का आश्वासन दिया है, जिसमें गैस, तेल और कोयला शामिल है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि भारत के हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश में ईंधन की बचत की अपील के बीच भारत के खास दोस्त रूस से एक अच्छी खबर सामने आई है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत दौरे से पहले एक इंटरव्यू में कहा कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़े सभी समझौतों को हर हाल में पूरा किया जाएगा। लावरोन ने कहा कि रूस यह सुनिश्चित करेगा कि भारत के हितों को किसी तरह का नुकसान न पहुंचे। भारत और रूस के संबंधों पर बात करते हुए रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते बहुत मजबूत और खास हैं। ऐसी कोई भी परिस्थिति नहीं हो सकती जिसमें दोनों देशों के रास्ते अलग हो जाएं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति के मामले में रूस ने कभी भी भारत के प्रति अपने दायित्वों को कम नहीं आंका है।

भारत के हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा- लावरोव

सर्गेई लावरोव ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि मैं गारंटी देता हूं कि रूस से होने वाली आपूर्ति के संबंध में भारत के हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। हम हर संभव कोशिश करेंगे कि यह अनुचित और बेईमान प्रतिस्पर्धा हमारे समझौतों को कई नुकसान न पहुंचे। रूस भारत को गैस, तेल और कोयले जैसे हाइड्रोकार्बन की आपूर्ति लगातार जारी रखे हुए है। भविष्य में दोनों देशों का सहयोग और भी मजबूत होगा।

BRICS देशों विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए भारत आएंगे लावरोव

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव BRICS देशों विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत का दौरा करेंगे। यहा वे अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। साथ ही BRICS देशों विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। रूसी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, लावरोव और जयशंकर के बीच अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिसका फोकस मिडिल-ईस्ट में मौजूदा हालात होगा।

पीएम मोदी से भी मिलेंगे लावरोव

अपनी भारत यात्रा के दौरान रूसी विदेश मंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी से रूस दौरे से पहले यह मुलाकात काफी अहम है।